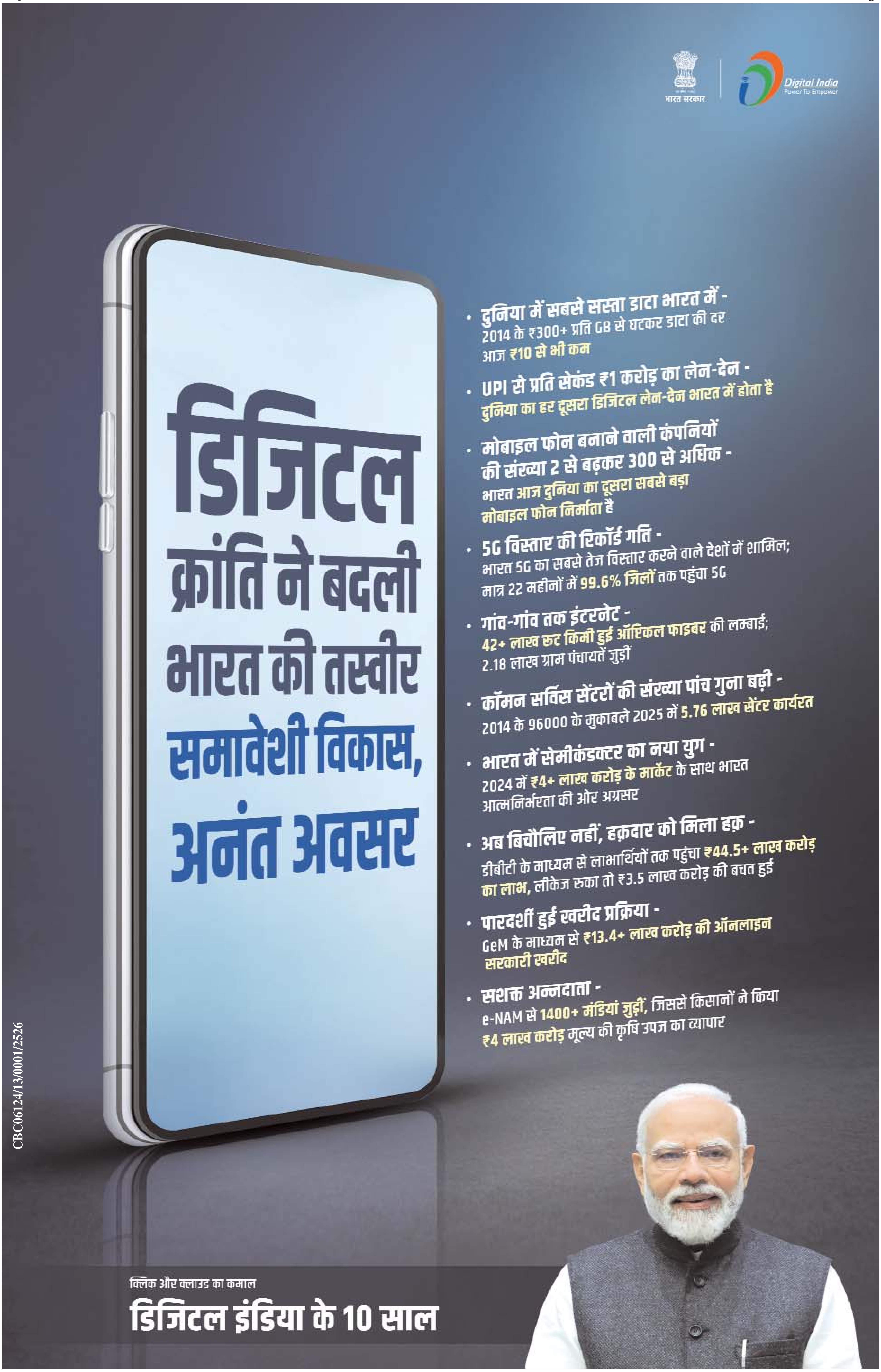
भारत सरकार
Digital India
Power To Empower
डिजिटल क्रांति ने बदली भारत की तस्वीर
समावेशी विकास, अनंत अवसर
दुनिया में सबसे सस्ता डाटा भारत में - 2014 के ₹300+ प्रति GB से घटकर डाटा की दर आज ₹10 से भी कम
UPI से प्रति सेकंड ₹1 करोड़ का लेन-देन - दुनिया का हर दूसरा डिजिटल लेन-देन भारत में होता है
मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनियों की संख्या 2 से बढ़कर 300 से अधिक - भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है
5G विस्तार की रिकॉर्ड गति - भारत 5G का सबसे तेज विस्तार करने वाले देशों में शामिल; मात्र 22 महीनों में 99.6% जिलों तक पहुंचा 5G
गांव-गांव तक इंटरनेट - 42+ लाख रूट किमी हुई ऑप्टिकल फाइबर की लम्बाई; 2.18 लाख ग्राम पंचायतें जुड़ीं
कॉमन सर्विस सेंटरों की संख्या पांच गुना बढ़ी - 2014 के 96000 के मुकाबले 2025 में 5.76 लाख सेंटर कार्यरत
भारत में सेमीकंडक्टर का नया युग - 2024 में ₹4+ लाख करोड़ के मार्केट के साथ भारत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर
अब बिचौलिए नहीं, हक़दार को मिला हक़ - डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों तक पहुंचा ₹44.5+ लाख करोड़ का लाभ, लीकेज रुका तो ₹3.5 लाख करोड़ की बचत हुई
पारदर्शी हुई खरीद प्रक्रिया - GeM के माध्यम से ₹13.4+ लाख करोड़ की ऑनलाइन सरकारी खरीद
सशक्त अन्नदाता - e-NAM से 1400+ मंडियां जुड़ीं, जिससे किसानों ने किया ₹4 लाख करोड़ मूल्य की कृषि उपज का व्यापार
क्लिक और क्लाउड का कमाल
डिजिटल इंडिया के 10 साल
CBC06124/13/0001/2526

हत्या कर शव नदी में फेंकने वाले चार आरोपी 48 घंटे में गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में दोस्त की चाकू से हत्या कर पत्थर बांधकर शव नदी में फेंका

मुंगेली, 30 जून (देशबन्धु)। मुंगेली पुलिस ने लोरमी क्षेत्र में हुई जघन्य हत्या का खुलासा करते हुए 48 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। घटना पुरानी रंजिश के चलते की गई, जिसमें चार युवकों ने मिलकर अपने ही दोस्त की चाकू से हत्या कर शव को पत्थर बांधकर नदी में फेंक दिया था प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी संजय वर्मा ने थाना लोरमी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका बड़ा भाई दशरथ वर्मा दिनांक 27 जून को रात्रि में खाना खाकर घर से निकला था, जो देर रात तक वापस नहीं आया। परिजनों द्वारा खोजबीन करने पर कोई पता नहीं चला। कुछ दिन पूर्व एक शादी समारोह में दशरथ का अज्जू ठाकुर और उसके साथियों से झगड़ा हुआ था, जिसे लेकर संजय को शक था कि उसके भाई का अपहरण कर लिया गया है। इस आधार पर थाना लोरमी में अपराध क्रमांक 411/25 अंतर्गत धारा 140(1), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।पुलिस को साइबर

सेल के माध्यम से सूचना मिली कि दशरथ की हत्या कर उसका शव मनियारी नदी में फेंका गया है। इस गंभीर सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छावड़ा एवं उप पुलिस अधीक्षक नवनीत पाटिल के पर्यवेक्षण में विशेष पुलिस टीम गठित कर जांच तेज़ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि 27 जून की रात सभी आरोपी बाजारपारा स्थित सुलभ के पास चिकन और शराब पार्टी कर रहे थे, तभी मृतक दशरथ वहां से गुजर रहा था। अज्जू ठाकुर ने उसे बहला-फुसलाकर बुलाया और पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू हुआ। इसके बाद सभी ने मिलकर दशरथ को कंकालिन मंदिर के पीछे चबूतरे पर ले जाकर बेरहमी से मारपीट की और चाकू से गले, सिर व माथे पर वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को तार व गमछे से बांधकर, भारी पत्थर से लपेटकर मनियारी नदी में फेंक दिया गया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने शव को गोताखोरों की मदद से बरामद किया। साथ ही हत्या में प्रयुक्त लोहे का चाकू भी नदी किनारे झाड़ियों से बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में- अजीत उर्फ अज्जू ठाकुर (19 वर्ष), गौतम उर्फ चिंटू महरा (19 वर्ष), विवेक तिवारी (18 वर्ष), सभी बाजारपारा लोरमी और पवन कुम्भकार (21 वर्ष), कंकालिनपारा लोरमी शामिल है। चारों आरोपियों को धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी लोरमी निरीक्षक अखिलेश कुमार वैष्णव, साइबर सेल उप निरीक्षक सुशील कुमार बंछोर, प्रआर नरेश यादव, यशवंत डाहिरे, लोकेश राजपूत, रवि जांगड़े, गिरीराज सिंह, राहुल यादव, रवि मिंज, हेमसिंह, परमेश्वर जांगड़े सहित अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका सराहनीय रही।

मनरेगा के 12 हजार कर्मियों को 4 माह से नहीं मिला वेतन

तखतपुर 30 जून (देशबन्धु)। मनरेगा कर्मियो को चार माह से वेतन नही मिलने से मनरेगा कर्मियों के सामने रोजी रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। छत्तीसगढ़ में कार्यरत 12 हजार से ज्यादा मनरेगा कर्मचारियो को चार माह माह से वेतन नही मिला है। इससे कर्मचारियो में भारी रोष है। मनरेगा कर्मचारियो के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है ताकि पलायन जैसी समस्या को कम किया जा सके। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), पीएम जनमन एवं अन्य पंचायत विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन भी मनरेगा कर्मचारियों के द्वारा ही किया जा रहा है। मनरेगा कर्मचारियो ने बताया कि विगत चार माह से जून तक का वेतन बकाया है। चार माह से वेतन नहीं मिलने से रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। बहुत से मनरेगा कर्मचारी दूरस्थ क्षेत्र मे ड्यूटी करते हैं। इससे काम पर असर पड़ रहा है। मनरेगा कर्मियो ने कहा कि इस बारे में कई बार उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है। हर बार आश्वासन मिला, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़ी, एफआईआर की तैयारी

तखतपुर 30 जून (देशबन्धु)। जनपद के ग्राम पंचायत बांधा में प्रधानमंत्री आवास योजना में हुए भ्रष्टाचार के मामले में जिला पंचायत ने दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए हैं जिसके तहत तखतपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए जनपद के कर्मचारी पहुंचें थे परंतु अभिलेखों को पूर्ण कर लाने के निर्देश थाना प्रभारी ने दिए है इसके बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। ग्राम पंचायत बांधा में 7 आवास प्रकरणों की जांच में यह सामने आया कि कई हितग्राहियों को मकान का लाभ नहीं मिला, लेकिन कागजों में निर्माण पूर्ण दिखाकर राशि निकाल ली गई। कुछ मामलों में मृत लोगों के नाम से आवास स्वीकृति दिखाई गई और पूरी राशि निकालकर गबन कर ली गई। कई मामलों में एक हितग्राही के नाम का आवास किसी और को अलॉट कर दिया गया, जिससे भारी वित्तीय अनियमितता उजागर हुई। जांच पहले जनपद पंचायत स्तर पर हुई और जब वहां गड़बड़ी की पुष्टि हुई, तब जिला पंचायत द्वारा गठित टीम ने पुन: जांच कर फर्जीवाड़े की पुष्टि की। जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल ने तीन जिम्मेदार पंचायतकर्मियों आवास मित्र, रोजगार सहायक और सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश जनपद सीईओ को जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही सभी पंचायतों को कड़ी चेतावनी दी गई है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

इन मामलों में हुआ फर्जीवाड़ा

संतोष पोर्ते पिता रामपाल पोर्ते आदिवासी वर्ग के नाम स्वीकृत आवास को केहर सिंह श्रीवास नामक अन्य व्यक्ति को अलॉट कर दिया गया और राशि गबन कर ली गई।सरस्वती मरावी इन्हें आवास स्वीकृति की जानकारी तक नहीं थी, पर किसी अन्य ने संपूर्ण राशि निकाल ली। मौके पर कोई निर्माण नहीं हुआ।लैनी बाई (मृतक) 2016-17 में मृत्यु हो चुकी थी, फिर भी उनके नाम पर आवास स्वीकृत कर राशि गबन की गई।

भारी वाहनों की रफ्तार बनी जानलेवा, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कलेक्टर से शहर में भारी वाहनों के प्रवेश और तेज रफ्तार पर रोक की उठी मांग

मुंगेली 30 जून (देशबन्धु)। शहर में बेतरतीब ढंग से प्रवेश कर रहे भारी वाहनों और तेज रफ्तार ट्रकों के कारण हो रही दुर्घटनाओं और जानमाल की क्षति को लेकर सोमवार को गौ सेवा धाम एवं अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई है कि शहर के भीतर भारी वाहनों के प्रवेश पर तत्काल रोक लगाई जाए और तेज रफ्तार वाहनों पर सख्त कार्यवाही की जाए।

ज्ञापन में कहा गया है कि— मुंगेली शहर के अंदर लगातार भारी वाहनों की आवाजाही से आम नागरिकों को खतरा बना हुआ है। इससे न केवल जान-माल की हानि हो रही है, बल्कि मवेशियों व शासकीय संपत्तियों को भी नुकसान पहुंच रहा है।

प्रतिनिधियों ने बताया कि हाईवे पर दौड़ते तेज रफ्तार ट्रक जब गौशालाओं के आसपास गुजरते हैं तो कई बार मवेशी इनके शिकार हो जाते हैं। आमजन के लिए भी शहर की सड़कें असुरक्षित हो गई हैं। साथ ही, यह भी कहा गया कि गौशालाओं तक मवेशियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।ज्ञापन सौंपने वालों में गौ सेवा धाम के पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मनीष वैष्णव, योगेश ताम्रकार, शिवराम साहू, अजय सिंह राजपूत, शिवशंकर साहू और सूरज यादव सहित अन्य प्रतिनिधि शामिल थे। सभी ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही उचित कार्यवाही की जाए।ज्ञापन प्राप्त करने के बाद प्रशासन ने इस मुद्दे पर जल्द विचार-विमर्श कर उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया है।

निधन

दुकाला बाई यादव

तखतपुर। ग्राम उसलापुर निवासी श्रीमती दुकाला बाई यादव 90 वर्ष का 30 जून को निधन हो गया। वें गंगूराम यादव की धर्मपत्नी एवं रामचंद्र यादव, सुरीत यादव, मुरीत यादव की मां थी। इनका अंतिम संस्कार 01 जुलाई को स्थानीय मुक्तिधाम में सुबह 9.30 बजे किया जायेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

किसानों-सरकारी कर्मियों को ...

समुचित प्रबंधन एवं आर्थिक मंदी के समय वित्तीय सुरक्षा प्राप्त होगी। कैबिनेट ने राज्य में लॉजिस्टिक सेक्टर के समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ राज्य लॉजिस्टिक पॉलिसी-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इस पॉलिसी से छत्तीसगढ़ राज्य लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित होगा तथा निर्यात अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी।

राज्य की भौगोलिक स्थिति का लाभ लेते हुए लॉजिस्टिक सेक्टर तथा ई-कॉमर्स की राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को लॉजिस्टिक हब की स्थापना के लिए निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा। राज्य की भंडारण क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे प्रदेश के उद्योगों, व्यापारियों और किसानों को सस्ती भंडारण सुविधा मिलेगी। प्रदेश में लॉजिस्टिक में लगने वाले लागत कम होने से व्यापार, निवेश एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस नीति से ड्राई पोर्ट/इन्लैंण्ड कंटेनर डिपो की स्थापना को प्रोत्साहित करने से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा स्थानीय उत्पादकों को निर्यात बाजारों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

साय मंत्रिपरिषद द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राज्य के कुछ कानूनों के प्रावधानों का गैर-अपराधीकरण करने के लिए छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जन विश्वास विधेयक से व्यवसाय व जीवनयापन में सहजता बढ़ेगी। अनावश्यक न्यायालयीन प्रकरणों और उनमें होने वाले व्यय में कमी आएगी।

मंत्रिपरिषद द्वारा वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग के अंतर्गत उच्च श्रेणी पंजीयन लिपिक/रिकार्ड कीपर से तृतीय श्रेणी कार्यपालिक, उप पंजीयक के पद पर पदोन्नति के लिए विहित 5 वर्ष की न्यूनतम अर्हकारी सेवा को केवल एक बार के लिए न्यूनतम अर्हकारी सेवा 2 वर्ष निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है।

5 करोड़ वोटरों को...

मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के तहत हर चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन जरूरी है। पिछले 75 वर्षों से आयोग वार्षिक आधार पर गहन और संक्षिप्त संशोधन करता रहा है। यह प्रक्रिया इसलिए जरूरी है, क्योंकि मतदाता सूची में लगातार बदलाव अपरिहार्य है। मृत्यु, प्रवास, शादी, नौकरी, शिक्षा या 18 वर्ष की आयु पूरी करने जैसे कारणों से इसमें बदलाव होते रहते हैं।

संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक, जो उस निर्वाचन क्षेत्र के निवासी हों, मतदाता के रूप में पंजीकरण के पात्र हैं। यह कदम मतदाता सूची को पारदर्शी बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

शराब घोटाला में ...

के न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। पिछली सुनवाई के दौरान जेल में पर्याप्त सुरक्षा बल नहीं होने के कारण लखमा की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने लखमा की 18 फरवरी तक रिमांड बढ़ा दी थी।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला-मुंगेली (छ.ग.)

दूरभाष क्र.- 07755-264122 Email-actdmungeli@gmail.com

द्वितीय ई- निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/ 1284 / निर्माण/ 2025-26 मुंगेली, दिनांक 27/06/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यों के लिए कार्यालय कलेक्टर (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) मुंगेली के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ''डी'' श्रेणी एवं इससे ऊपर श्रेणी के ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग भवन दर अनुसूची जो दिनांक 01.01.2015 एवं संशोधित दिनांक 23.12.2022 तक लागू एवं विद्युतीकरण दर अनुसूची जो दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील है। (समस्त संशोधन सहित) एस.ओ.आर.पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है :-

01. ई-निविदा प्रारंभ तिथि - 27.06.2025
02. निविदा की अंतिम तिथि- 07.07.2025 (सायंकाल 5:30 बजे तक)
03. ऑनलाईन निविदा के चालान की प्रति, अमानत राशि (एफ.डी.आर.) एवं निविदा प्रपत्र मूल्य की राशि (डी.डी.)में प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट से) - 07.07.2025
04. निविदा खोलने की तिथि - 08.07.2025 (प्रात: 11:00 बजे)

निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	भौतिक दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि
171058	पी.व्ही.जी.हेतु बहुउद्देशीय केन्द्र का निर्माण मंजूरहा (बिजराकछार) विकास खण्ड-बिल्हा में निविदा की राशि रू. 60.00 लाख अमानत राशि रू. 60000/- एवं निविदा प्रपत्र की मूल्य राशि रू. 2000/- होगा।	07.07.2025	08.07.2025

निविदा का सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती है।

जी- 252601876/1

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास मुंगेली

न्यायालय नायब तहसीलदार सकरी जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. ..../
अ-6 अ/2024-25
ग्राम छतौना तहसील- सकरी
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय, संदीप साधू पिता प्रभात कुमार निवासी जरहाभाठा के द्वारा ग्राम छतौना प.ह.नं. 37 तहसील सकरी स्थित भूमि खसरा नंबर 1038/17 रकबा 3270 वर्गफूट भूमि में अभिलेख सुधार हेतु आवेदन पत्र माननीय न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तखतपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वह अपना दावा/ आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 16/07/2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

आज दिनांक 30/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय सील व मुहर से जारी किया गया।

सील
नायब तहसीलदार
सकरी

भौतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, बीपी-4, टेक्नोपोलिस बिल्डिंग, चौथी मंजिल, सेक्टर V, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता पश्चिम बंगाल- 700091
CIN No: L65190GJ1994PLC021012, www.icicibank.com

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा भौतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ भौतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	कर्ज़दार- मंगल कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड, जमानतदार बबीता अग्रवाल, प्रदीप कुमार अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, पंकज अग्रवाल और सुमन अग्रवाल और (बंधककर्ता) प्रमोद अग्रवाल, पंकज अग्रवाल और प्रदीप कुमार अग्रवाल और बबीता अग्रवाल, मेसर्स मंगल कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड/ कार्यालय क्रमांक 401, चौथी मंजिल, ब्लॉक 4 बेबीलोन टॉवर वीआईपी स्क्वायर, पार्क होटल के पास जी ई रोड, छत्तीसगढ़, रायपुर-492001 / 016151000059/ 016155000050/ 016155000049	ऋद्धि सिद्धि अपार्टमेंट, मौजा ग्राम- तेलीबांधा, पीएच नं. 113/64, वार्ड नं. 28, महर्षि वाल्मीकि वार्ड, कंडिका नं. 7, खसरा नं. 547/4 और 547/6 भाग, प्लॉट नं. 19, रायपुर, तहसील और जिला - रायपुर, छ.ग. (भूमि का क्षेत्रफल 1200 वर्ग फीट जिसमें भूतल पर 507 वर्ग फीट, प्रथम तल पर 498 वर्ग फीट) चतुरसीमा- उत्तर में: प्लॉट नं. 18, दक्षिण में: प्लॉट नं. 20, पूर्व में: खुली भूमि, पश्चिम में: सड़क/ भौतिक कब्ज़े की तिथि: 27/06/2025	03/01/2023 रु. 9,43,93,736.52/-	रायपुर और बिलासपुर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार(रों)/सह-कर्ज़दार(रों) एवं ज़मानतदार(रों) को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् कब्जे की संपत्ति(याँ) नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : जुलाई 01, 2025
स्थान : रायपुर और बिलासपुर

भवदीय, प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

न्यायालय तहसीलदार मालखरौदा, जिला-सक्ती (छ.ग.)

ज्ञापन

क्र. क्यू/ वा/तह./ 2024-25
मालखरौदा, दिनांक 30/06/2025

प्रति,
हल्का पटवारी ....प.ह.नं.
.....ग्राम मिरौनी..तहसील - मालखरौदा

विषय- जन्म/ मृत्यु के संबंध में मौका जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने बाबत

विषयांतर्गत लेख है कि इस न्यायालय के रा.प्र.क्र. ब-121 में आवेदिका खीकबाई पिता बेदराम जाति तेली ग्राम मिरौनी के द्वारा ग्राम .... प.ह.नं..... रा.नि.मं. ..... तहसील मालखरौदा, जिला-सक्ती (छ.ग.) जन्म का नाम बोधिन बाई पिता जुगूतराम जाति तेली जन्म दिनांक 21/11/2009 के जन्म के संबंध में जानकारी इस न्यायालय में पेश किया जावे।

अत: आवेदित जन्म के संबंध में मौका जांच कर प्रतिवेदन सहित दिनांक 15/07/2025 के पूर्व इस न्यायालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करे।

टीप- मृतक का नाम ....
पिता...................ग्राम ....
मृत्यु स्थल/ दिनांक ....

तहसीलदार
मालखरौदा, जिला-सक्ती (छ.ग.)

कार्यालय सेनानी 13वीं वाहिनी (भा./र) छसबल मड़वारानी, जिला-कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक-13वीं बटा./ छसबल/ कोरबा/ सा.अ./ I/625-A / 2025 दिनांक 27/06/2025

-:: मैनुवल पद्धति खुली निविदा (प्रथम) आमंत्रण सूचना ::-

सेनानी 13वीं वाहिनी (भा.र.)छसबल मड़वारानी, जिला-कोरबा (छ.ग.) में पीसीएण्डआर मद के अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य के लिए सेनानी 13वीं वाहिनी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से 02 लिफाफा पद्धति में (लिफाफा ''अ''में टेक्नीकल बीड एवं लिफाफा ''ब'' में फाईनिसियल बीड) निर्माण कार्य बाबत् मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सील बंद लिफाफा के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/ पता का स्पष्ट लेख किया जाना आवश्यक है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (लाख रूपये में)	अमानत राशि
01.	Construction of RCC MESS SHET "	5.39 लाख	5390/-
02.	Construction of GUARD ROOM WITH MORCHA "	5.00 लाख	5000/-

01. निविदा प्रपत्र प्राप्त की तिथि - दि. 09.07.2025 से 28.07.2025 के 10.30 बजे से शाम 05.00 बजे तक।
02. निविदा प्रपत्र जमा की अंतिम तिथि- दि. 29.07.2025 के अपरान्ह 03.00 बजे तक।
03. निविदा खोलने की तिथि - दि. 29.07.2025 के अपरान्ह 04.00 बजे, निविदाकारों की उपस्थिति में खोला जावेगा।

नोट:- निविदा प्राप्त करने हेतु राशि-750/-(रूपये-सात सौ पच्चास रूपये मात्र) का ई-चालान सेनानी 13वीं वाहिनी (भा./र)छसबल मड़वारानी, जिला-कोरबा छ.ग. के नाम लेखा शीर्ष ''0055 पुलिस 0800 मिसलिनियस रिसिप्ट'' के नाम से स्वीकार्य होगा। श्रेणी-वर्ग डी एवं अधिक, निविदा की अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालय से प्राप्त निविदा फार्म में उपलब्ध करा दी जावेगी।

जी- 252601862/2

सेनानी
13वीं वाहिनी (भा/र)छसबल,
जिला-कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र बिलासपुर

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल पं.दीनदयाल नगर, देवरीखुर्द, बिलासपुर (छ.ग.) में निर्मित ई.डब्ल्यू.एस. भवनों में से भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस.-17 आबंटी श्री दिलीप सिंह ठाकुर पिता श्री गुमान सिंह ठाकुर के नाम पर आबंटित है। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 31.03.2005 को पंजीकृत किया गया है। आबंटी अपने उक्त भवन को अपने पुत्र श्री रंजीत सिंह ठाकुर पिता श्री दिलीप सिंह ठाकुर को दान करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति/ शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था/ बैंक आदि को इस भवन के नामांतरण/ हस्तांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता इस कार्यालय में लिखित रूप से मय प्रमाणित दस्तावेज सहित दावा/ आपत्ति कर सकता है अन्यथा इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के बाद में कोई दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मण्डल नियमानुसार उनके पक्ष में नामांतरण/ हस्तांतरण कार्यवाही की जावेगी।

संपदा अधकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-बिलासपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र

मैं सना शेख पति सुहेल शेख उम्र 22 वर्ष निवासी पठानपारा चांटीडीह बिलासपुर की हूं जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करती हूं :-

1/ कि शपथकर्ती उपरोक्त पते का स्थाई निवासी है।

2/ इस्लाम धर्म स्वीकृति पश्चात में स्वयं अपनी एवं परिवार के सदस्यों की सहमति से अपना मूल नाम इस्लाम धर्म स्वीकृति पूर्व का नाम आरती दुबे पिता बिरेन्द्र दुबे के स्थान पर नया नाम सना शेख पति सुहेल शेख करना चाहती हूं।

3/ शपथकर्ती आधार कार्ड, परिवार रजिस्टर व अन्य दस्तावेजों में इस्लाम धर्म के अनुसार अपना नाम सना शेख पति सुहेल शेख दर्ज कराना चाहती है।

4/ शपथकर्ती को आरती दुबे के स्थान पर सना शेख आधार कार्ड, परिवार रजिस्टर, निवास, वोटर कार्ड में दर्ज कर उक्त नाम से जारी किया जाना न्यायहित में आवश्यक है।

5/ शपथ पत्र उक्त कथन के समर्थन में निष्पादित कर रही हूं।

शपथकर्ती
पठानपारा चांटीडीह
बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय तहसीलदार डभरा, जिला सक्ती (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 07/अ-27/2023-24
पक्षकार मंजू वगै. विरूद्ध तानिया वगै.
साकिन बेनीपाली, तह. डभरा

सूचना पत्र

सर्व संबंधित पक्षकार तानिया पिता नरेश बली मां अहिल्या बेवा नरेश, तनूजा पिता नरेश बली मां अहिल्या बेवा नरेश एवं अहिल्या बेवा नरेश तीनों जाति गोड़ निवासी ग्राम बेनीपाली तहसी डभरा, जिला सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के विचाराधीन रा.प्र.क्र. 07/अ-27/2023-24 में आप हितबद्ध पक्षकार है, उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 11/07/2025 को इस न्यायालय द्वारा किया जाना है, जिसमें आपकी उपस्थिति आवश्यक है। अत: आप दिनांक 11/07/2025 को स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष समर्थन करें, अनुपस्थिति की स्थिति में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 20/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सूचना जाने।

सील
तहसीलदार
डभरा
जिला-सक्ती (छ.ग.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैं कि रजनीश कौर (RAJNISH KAUR) पति साहिल सिंह (SAHIL SINGH) निवासी वार्ड नंबर-19, जूनी लाइन बिलासपुर (छ.ग.), 495001 यह शपथ करती हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम रजनीश कौर छाबड़ा (RAJNISH KAUR CHHABRA) को त्याग कर रजनीश कौर (RAJNISH KAUR) नया नाम रख लिया है। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम रजनीश कौर (RAJNISH KAUR) से ही जाना पहचाना जावे।

रजनीश कौर
(RAJNISH KAUR)
वार्ड नंबर-19, जूनी लाइन
बिलासपुर (छ.ग.),
495001

भौतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, बीपी-4, टेक्नोपोलिस बिल्डिंग, चौथी मंजिल, सेक्टर V, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता पश्चिम बंगाल- 700091 CIN No: L65190GJ1994PLC021012, www.icicibank.com

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा भौतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ भौतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	कर्ज़दार- मंगल कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड और (जमानतदार) बबीता अग्रवाल, प्रदीप कुमार अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, बंधककर्ता- प्रमोद अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, प्रदीप कुमार अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, मेसर्स मंगल कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड/ कार्यालय संख्या 401, चौथी मंजिल, ब्लॉक 4 बेबीलोन टॉवर वीआईपी स्क्वायर, पार्क होटल के पास, जी. ई रोड छत्तीसगढ़, रायपुर-492001/ 016151000059/ 016155000050/ 016155000049	संपत्ति 1 वाणिज्यिक इकाई/कार्यालय क्रमांक -404, चौथी मंजिल पर, ''बेबीलोन टॉवर'' कॉन्डोमिनियम में, तेलीबाँधा, पी.एच. क्रमांक 64, आर.आई. सर्किल - रायपुर-2, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 28, खसरा क्रमांक 579/1 और 580/13, रायपुर, नगर निगम रायपुर (सी.जी.) की सीमा के भीतर, तहसील और जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) (क्षेत्रफल- 600 वर्ग फीट), चतुर्सीमा- उत्तर में: पेसेज, दक्षिण में: कार्यालय क्रमांक ए-403, पूर्व में: पेसेज, पश्चिम में: काँच की दीवार, संपत्ति 2. वाणिज्यिक इकाई/कार्यालय क्रमांक ए-403, चौथी मंजिल पर, ''बेबीलोन टॉवर'' कॉन्डोमिनियम में, तेलीबांधा, पी.एच. क्रमांक 64, आर.आई. सर्किल- रायपुर-2, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 28, खसरा क्रमांक 579/1 और 580/13, रायपुर, नगर निगम रायपुर (छ.ग.) की सीमा के भीतर, तहसील और जिला- रायपुर (छ.ग.), (क्षेत्रफल- 600 वर्ग फीट) चतुर्सीमा- उत्तर में: कार्यालय क्रमांक ए-404, दक्षिण में: कार्यालय क्रमांक ए-402, पूर्व में: पेसेज, पश्चिम में: काँच की दीवार, संपत्ति 3. वाणिज्यिक इकाई/कार्यालय क्रमांक ए-408, चौथी मंजिल में, ''बेबीलोन टॉवर'' कॉन्डोमिनियम में, तेलीबांधा, पीएच क्रमांक 64, आर.आई सर्कल- रायपुर-2, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 28, खसरा क्रमांक 579/1 और 580/13, रायपुर, नगर निगम रायपुर (छ.ग.) की सीमा के भीतर, तहसील और जिला- रायपुर (छत्तीसगढ़), (क्षेत्रफल 1187 वर्ग फीट), चतुर्सीमा- उत्तर में कार्यालय क्रमांक ए-407, दक्षिण में: काँच की दीवार, पूर्व में: कांच की दीवार, पश्चिम में: पेसेज, संपत्ति 4. वाणिज्यिक इकाई/कार्यालय क्रमांक ए-406, चौथी मंजिल पर, ''बेबीलोन टॉवर'' कॉन्डोमिनियम में, तेलीबाँधा, पी.एच. क्रमांक 64, आर.आई. सर्किल- रायपुर-2, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 28, खसरा क्रमांक 579/1 और 580/13, रायपुर, नगर निगम रायपुर (छ.ग.) की सीमा के भीतर, तहसील और जिला- रायपुर (छत्तीसगढ़), (क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट), चतुर्सीमा- उत्तर में: कार्यालय क्रमांक ए-405, दक्षिण में: कार्यालय क्रमांक ए-407, पूर्व में: काँच की दीवार, पश्चिम में: पेसेज, संपत्ति 5. वाणिज्यिक इकाई/कार्यालय क्रमांक ए-401, चौथी मंजिल पर, ''बेबीलोन टॉवर'' कॉन्डोमिनियम में, तेलीबाँधा, पी.एच. क्रमांक 64, आर.आई. सर्कल- रायपुर-2, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 28, खसरा क्रमांक 579/1 और 580/13, रायपुर, नगर निगम रायपुर (सी.जी.) की सीमा के भीतर, तहसील और जिला- रायपुर (छत्तीसगढ़), (क्षेत्रफल- 1187 वर्ग फीट) चतुर्सीमा- उत्तर में: कार्यालय क्रमांक ए-402, दक्षिण में: कांच की दीवार, पूर्व में: पेसेज, पश्चिम में: कांच की दीवार, संपत्ति 6. वाणिज्यिक इकाई/कार्यालय क्रमांक ए-402, चौथी मंजिल पर, ''बेबीलोन टॉवर'' कॉन्डोमिनियम में, तेलीबाँधा, पी.एच. क्रमांक 64, आर.आई. सर्कल - रायपुर-2, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 28, खसरा क्रमांक 579/1 और 580/13, रायपुर, नगर निगम रायपुर (छ.ग.) की सीमा के भीतर, तहसील और जिला- रायपुर (छ.ग.), (क्षेत्रफल- 600 वर्ग फीट), चतुर्सीमा- उत्तर में: कार्यालय क्रमांक ए-403, दक्षिण में: कार्यालय क्रमांक ए-401, पूर्व में: पेसेज, पश्चिम में: काँच की दीवार, संपत्ति 7. वाणिज्यिक इकाई/कार्यालय क्रमांक ए-407, चौथी मंजिल में, ''बेबीलोन टॉवर'' कॉन्डोमिनियम में, तेलीबाँधा, पी.एच. क्रमांक 64, आर.आई सर्कल- रायपुर-2, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 28, खसरा क्रमांक 579/1 और 580/13, रायपुर, नगर निगम रायपुर (छ.ग.) की सीमा के भीतर, तहसील और जिला- रायपुर (छ.ग.), (क्षेत्रफल- 600 वर्ग फीट), चतुर्सीमा- उत्तर में: कार्यालय क्रमांक ए-406, दक्षिण में: कार्यालय क्रमांक ए-408 पूर्व में: कांच की दीवार पश्चिम में: पेसेज, संपत्ति 8. वाणिज्यिक इकाई/कार्यालय क्रमांक ए-405, चौथी मंजिल में, ''बेबीलोन टॉवर'' कॉन्डोमिनियम में, तेलीबाँधा, पी.एच. क्रमांक 64, आर.आई. सर्किल- रायपुर-2, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 28, खसरा क्रमांक 579/1 और 580/13, रायपुर, नगर निगम रायपुर (सी.जी.) की सीमा के भीतर, तहसील और जिला- रायपुर (छत्तीसगढ़), (क्षेत्रफल- 605 वर्ग फीट), चतुर्सीमा- उत्तर में: पेसेज, दक्षिण में: कार्यालय क्रमांक ए-406 पूर्व में: काँच की दीवार, पश्चिम में: पैसेज/ भौतिक कब्ज़े की तिथि: 25/06/2025	03/01/2023 रु. 9,43,93,736.52/-	रायपुर और बिलासपुर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार(रों)/सह-कर्ज़दार(रों) एवं ज़मानतदार(रों) को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् कब्जे की संपत्ति(याँ) नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : जुलाई 01, 2025
स्थान : रायपुर और बिलासपुर

भवदीय, प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...
छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक
संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, मंगलवार, 1 जुलाई 2025 | वर्ष – 35 | अंक –62 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 4.00 रु.

जम्मू-कश्मीर में की गई नए राजनीतिक गठबंधन की घोषणा पृष्ठ 3
- मतदाता सूची पुनरीक्षण या मताधिकार पर हमला
- आपातकाल और शरद यादव!
पृष्ठ 4
- ईरान कुछ ही महीनों में शुरू कर सकता है यूरेनियम संवर्धन : ग्रॉसी
- ओबामा ने ईरान को बहुत कुछ दिया, मैं नहीं देने वाला : ट्रंप
पृष्ठ 9
दूसरे टेस्ट में भारत का तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं कुलदीप यादव पृष्ठ 10

साय कैबिनेट की बैठक में अहम फैसले

किसानों-सरकारी कर्मियों को राहत स्टेबिलिटी फंड के नाम से अलग खजाना

रायपुर, 30 जून (देशबन्धु)। साय मंत्रिमंडल ने किसानो से लेकर सरकारी अफसर-कर्मचारियों को राहत देने समेत कई अहम फैसलों पर मोहर लगाई है। सोमवार को दोपहर में लगभग ढाई घंटे चली कैबिनेट ने धान के अलावा दलहन, तिलहन, मक्का आदि की फसल लगाने वाले किसानों को कृषक उन्नति योजना में आर्थिक मदद देने का फैसला किया है। यही नहीं, सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों की राहत के लिए सेवानिवृत्ति के समय पेंशन भुगतान संबंधी दायित्वों के बेहतर वित्तीय प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ पेंशन फंड के गठन कर दिया गया है। इसके अलावा साय कैबिनेट ने प्रदेश की लांग टर्म ग्रोथ के लिए पहली बार छत्तीसगढ़ ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी फंड के गठन का फैसला किया है।

मंत्रिमंडल ने किसानों के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। कृषक उन्नति योजना के प्रचलित निर्देशों को संशोधित करते हुए इसके दायरे को और विस्तृत कर दिया है। अब इस योजना का लाभ खरीफ 2025 में धान उत्पादक किसानों के साथ-साथ पंजीकृत धान फसल के स्थान पर अब दलहन, तिलहन, मक्का आदि की फसल लगाने वाले किसानों को भी मिलेगा।

अधिकारी-कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए भविष्य में सेवानिवृत्ति के समय पेंशन भुगतान संबंधी दायित्वों के बेहतर वित्तीय प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ पेंशन फंड के गठन तथा इसके प्रबंधन एवं विनियमन संबंधी विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन कर दिया है।

राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक विकास एवं राजकोषीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी फंड के गठन तथा इसके प्रबंधन एवं विनियमन संबंधी विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे राज्य के राजस्व में असामान्य वृद्धि/कमी का ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

पेंशन फंड का गठन

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ सरकार के अधिकारी-कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। भविष्य में सेवानिवृत्ति के समय पेंशन भुगतान संबंधी दायित्वों के बेहतर वित्तीय प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ पेंशन फंड के गठन तथा इसके प्रबंधन एवं विनियमन संबंधी विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

अमिताभ जैन बने रहेंगे मुख्य सचिव, 3 माह की सेवावृद्धि

नए मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर जारी सारी अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया है। अमिताभ जैन मुख्य सचिव बने रहेंगे। केंद्र सरकार ने अंतिम समय में अमिताभ जैन की सर्विस में तीन माह की सेवा वृद्धि की है। इससे पहले उन्हें राज्यपाल रामेन डेका ने शाल श्रीफल ओढ़ाकर विदाई दे दी थी। राज्य गठन के बाद यह पहला अवसर है जब मुख्य सचिव के कार्यकाल में वृद्धि की गई है।

अमिताभ जैन छत्तीसगढ़ में लगभग साढ़े चार साल से मुख्य सचिव हैं, यह भी एक रिकॉर्ड हैं। 20 नवंबर 2020 को अभिताभ जैन मुख्य सचिव बने थे। इससे पहले पूर्व डीजीपी अशोक जुनेजा को भी एक बार एक्सटेंशन दिया था। माना जा रहा है कि सरकार अमिताभ जैन के दीर्घकालीन अनुभवों का लाभ लेने के हिसाब से उन्हें तीन माह के भीतर चीफ सेक्रेटरी के समकक्ष पद पर पोस्ट रिटायरमेंट नियुक्ति भी देने की तैयारी में है। वे 1989 बैच के आईएएस हैं और छत्तीसगढ़ में दुर्ग जिले के मूल निवासी हैं।

शांतिनगर, बीटीआई सहित 7 शहरों में सरकारी जमीनों पर होंगे नए विकास कार्य

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट बैठक में राज्य सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए रिडेवलपमेंट योजना के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न विभागों, निगमों, मंडलों, कंपनियों और बोर्डों की जर्जर सरकारी इमारतों और अनुपयोगी शासकीय जमीनों के विकास को हरी झंडी दे दी है। मंत्रिपरिषद ने इस योजना के तहत राज्यभर में कुल 7 प्रमुख विकास योजनाओं को मंजूरी प्रदान की है, जिनमें राजधानी रायपुर के दो बहुचर्चित क्षेत्रों शांतिनगर और बीटीआई शंकरनगर को भी शामिल किया गया है।

रिडेवलपमेंट योजना के तहत प्रोजेक्ट्स को मिली मंजूरी

सरकार की इस पहल का उद्देश्य लंबे समय से खाली पड़ी या खराब हालत में मौजूद सरकारी संपत्तियों का बेहतर और योजनाबद्ध उपयोग करना है। इन इलाकों को नए सिरे से बसाकर आवासीय, वाणिज्यिक या संस्थागत परिसरों के रूप में तैयार किया जाएगा, जिससे न सिर्फ शहरी ढांचे को मजबूती मिलेगी, बल्कि राज्य को आर्थिक लाभ भी होगा।

रिडेवलपमेंट योजना के तहत स्वीकृत 7 प्रमुख प्रोजेक्ट- शांतिनगर, रायपुर, बीटीआई शंकरनगर, रायपुर, कैलाश नगर राजनांदगांव, चांदनी चौक फेस-2, जगदलपुर, सिविल लाइन कांकेर, क्लब पारा, महासमुंद, कटघोरा और कोरबा शामिल है।

इन सभी स्थानों पर या तो पुराने सरकारी भवन जर्जर हालत में हैं या फिर जमीन उपयोग में नहीं ली जा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि इन संपत्तियों का व्यवस्थित विकास किया जाए ताकि राज्य को आर्थिक लाभ मिले और नागरिकों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर भी मिले।

बिहार में विपक्ष के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने किया साफ

5 करोड़ वोटरों को नहीं देना होगा दस्तावेज

पटना, 30 जून (एजेंसियां)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इस सूची में 4.96 करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। इससे विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में काफी आसानी होगी, क्योंकि अब करीब 60 प्रतिशत मतदाताओं को कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा नहीं करना पड़ेगा। चुनाव आयोग के 24 जून 2025 के निर्देशों के अनुसार, 2003 की मतदाता सूची को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को हार्ड कॉपी में उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, यह सूची ऑनलाइन भी उपलब्ध होगी, ताकि कोई भी व्यक्ति इसे डाउनलोड कर सके और मतदाता सूची में नाम जोड़ने या संशोधन के लिए फॉर्म के साथ इसका उपयोग कर सके। इस सुविधा से मतदाताओं और बीएलओ दोनों को फायदा होगा। जिन मतदाताओं के नाम 2003 की सूची में हैं, उन्हें केवल अपने विवरण सत्यापित करने और फॉर्म जमा करने की जरूरत होगी। इसके अलावा, जिन लोगों का नाम इस सूची में नहीं हैं, लेकिन उनके माता-पिता के नाम हैं, उन्हें अपने माता-पिता के लिए कोई अतिरिक्त दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। ऐसे मतदाताओं को केवल अपने लिए दस्तावेज जमा करने होंगे।

मतदाता सूची में संशोधन जरूरी-चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

- आयोग ने 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड की
- मतदाताओं और बीएलओ दोनों को फायदा होगा
- मतदाता सूची को पारदर्शी बनाए रखने की पहल बताई

जानबूझकर वोटरों को बाहर किया जा सकता : विपक्ष

विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस तरह की गहन समीक्षा से राज्य तंत्र का दुरुपयोग कर जानबूझकर वोटरों को बाहर किया जा सकता है। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया नियमों के अनुसार पारदर्शिता से होती है और इसका उद्देश्य किसी को बाहर करना नहीं, बल्कि सही और अद्यतन सूची बनाना है।

कहीं न कहीं साजिश की बू आ रही है : तेजस्वी

जमुई। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण के कार्य को लेकर तेजस्वी यादव ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग का क्या एजेंडा है कि चुनाव के दो महीने बचे हैं और इसकी अचानक शुरुआत की गई। बिना किसी राजनीतिक दल से विचार किए हुए इतना बड़ा फैसला लेना, इसमें कहीं न कहीं साजिश की बू आ रही है। जमुई में पत्रकारों से बातचीत में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा के लोग चुनाव हारने को लेकर डरे हुए हैं। अभी फरवरी में ही नई लिस्ट आई थी।

विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया जा रहा : गहलोत

पटना। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। पटना में मीडिया से बातचीत में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन बड़ा मुद्दा है। पता नहीं इनकी मंशा क्या है? उन्होंने कहा कि हम बार-बार कहते हैं कि ये लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। हम समझते हैं कि वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन का फैसला भी कंफ्यूजन पैदा कर रहा है। इसे लेकर स्पष्टता से चुनाव आयोग भी कुछ बता नहीं रहा है। बिहार में चुनाव से पहले यह बिना विपक्ष को विश्वास में लिए हुए नई पहल कर रहे हैं।

सार संक्षेप

हिमाचल में भारी बारिश से 285 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 285 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाड़ियां फंसी रहीं।

भगदड़ पर मांझी इस्तीफा दें, घटना की हो न्यायिक जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा भगदड़ में श्रद्धालुओं के हताहत होने को अत्यंत गंभीर घटना बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा है कि घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि उलाका तथा पार्टी नेता अरविंदा दास ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में इसे राज्य की भाजपा सरकार के कुप्रबंधन का परिणाम बताया।

जम्मू-कश्मीर में नए राजनीतिक गठबंधन की घोषणा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (जेकेपीसी) प्रमुख सज्जाद लोन, हकीम यासीन की अध्यक्षता वाले पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) और पिछले साल विधानसभा चुनाव लड़ने वाले जमात इस्लामी के एक धड़े 'जस्टिस डिपार्टमेंट फ्रंट (जेडीएफ) ने सोमवार को एक नए गठबंधन 'पीपुल्स अलायंस फॉर चेंज' (पीएसी) की घोषणा की।

मणिपुर में चार कुकी उग्रवादियों की गोली मार कर हत्या

इम्फाल। मणिपुर में चुराचांदपुर जिले के के. मोंगजांग गांव में सोमवार सुबह घात लगाकर किए गए हमले में कुकी संगठन से संबंधित चार उग्रवादियों की मौत हो गयी। इनमें एक महिला भी शामिल है।

ईओडब्लू की चार्जशीट में बड़ा खुलासा

शराब घोटाला में पूर्व मंत्री कवासी लखमा को मिले 64 करोड़ रुपए

रायपुर, 30 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के 2161 करोड़ के शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ आज ईओडब्ल्यू ने विशेष कोर्ट में लगभग 1200 पन्नों का चौथा पूरक चालान पेश किया है इस चार्जशीट में लखमा की अहम भूमिका का उल्लेख किया गया है ईओडब्ल्यू ने बताया कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा को आबकारी घोटाले में उनके हिस्से का 64 करोड़ रुपए मिला हैए जिसमें 18 करोड़ रुपए की अवैध धनराशि के निवेश और खर्च से जुड़े दस्तावेजी साक्ष्य भी मिले है

- 1200 पन्नों का चालान पेश

शराब घोटाला मामले की जांच में अबतक यह पता है कि पूर्व मंत्री लखमा के संरक्षण में विभागीय अधिकारियों सहयोगियों और ठेकेदारों के माध्यम से सुनियोजित घोटाले को क्रियान्वित किया गया इस घोटाले से हासिल की गई रकम को व्यक्तिगत और परिवार के हितों में खर्च किया गयाए जिससे उन्हें अत्यधिक और अनुचित आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ अब तक तीन पूरक अभियोग पत्रों सहित कुल चार अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं इसके अलावा मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है घोटाले की जांच जारी है

21 जनवरी से जेल में हैं कवासी लखमा-गौरतलब है कि शराब घोटाले मामले में ईओडब्लू ने 15 जनवरी को कवासी लखमा को गिरफ्तार किया था। इससे पहले उनसे 2 बार ईओडब्लू दफ्तर बुलाकर पूछताछ की गई थी। पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को गिरफ्तार करने से पहले ईडी ने उन्हें 7 दिन कस्टोडियल रिमांड में लेकर पूछताछ की थी। उसके बाद 21 जनवरी से 4 फरवरी तक लखमा को 14 दिन ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

आज से बदल जाएंगे कई नियम

यूपीआई से लेकर पैन कार्ड तक शामिल

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। जुलाई, 2025 से कई नए वित्तीय नियम लागू होने जा रहे हैं, जिसका आपकी जेब पर सीधा असर हो सकता है। इनमें यूपीआई चार्जबैक, नए तत्काल ट्रेन टिकट बुकिंग और पैन कार्ड के नियमों में बदलाव शामिल हैं। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से हाल ही में सिस्टम को आसान बढ़ाने के उद्देश्य से यूपीआई चार्जबैक नियमों में बदलाव किया गया है।

मौजूदा समय में बहुत अधिक दावों के कारण सभी चार्जबैक रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में सही चार्जबैक रिक्वेस्ट को प्रोसेस करने के लिए बैंक को यूपीआई रेफरेंस कंप्लेंट सिस्टम (यूआरसीएस) के जरिए एनपीसीआई के पास जाकर केस को व्हाइटलिस्ट करना पड़ता है। 15 जुलाई के बाद एनपीसीआई की इसमें कोई भूमिका नहीं रहेगी। अगर बैंक को कोई चार्जबैक रिक्वेस्ट सही लगती है तो उसे वह एनपीसीआई से व्हाइटलिस्ट किए बिना प्रोसेस कर सकती है। यूपीआई चार्जबैक एक औपचारिक विवाद है जिसे यूजर तब उठाता है जब कोई लेनदेन विफल हो जाता है या जब भुगतान की गई सेवा या उत्पाद वितरित नहीं किया जाता है। यह यूजर को बैंक या भुगतान सेवा प्रदाता से धन वापसी की मांग करने की अनुमति देता है।

तत्काल टिकट बुकिंग के कई नए भी नियम हो जाएंगे लागू

पैन कार्ड के लिए आधार जरूरी

नए पैन कार्ड का आवेदन करने के लिए एक जुलाई से आपके पास आधार कार्ड होना जरूरी है। इससे पहले आप किसी भी वैध दस्तावेज या जन्म प्रमाणपत्र के जरिए पैन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते थे।

जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के कई नए नियम लागू हो जाएंगे। 1 जुलाई 2025 से आईआरसीटीसी की वेबसाइट या इसके मोबाइल ऐप के जरिए तत्काल ट्रेन टिकट के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य हो जाएगा। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) ने 7 जून, 2025 को घोषणा की थी कि मासिक जीएसटी भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी को जुलाई 2025 से एडिट नहीं किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, जीएसटीएन ने कहा था कि करदाताओं को देय तिथि से तीन वर्ष की अवधि समाप्त होने के बाद जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका, 12 की मौत

संगारेड्डी, 30 जून (एजेंसियां)।। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह दवा बनाने वाली फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हो गया। घटना में 12 मजदूरों की मौत हो गई, 34 लोग जख्मी हैं। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह के समय हुआ।

राज्य के श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा- अबतक 4 शव बरामद हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अब और कोई मौत नहीं होगी। ढ्ढत्र वी सत्यनारायण ने बताया कि घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की संभावना जताई गई है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है। इधर, पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए ब्लास्ट की घटना पर दुख जताया। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की।

तेलंगाना में भाजपा को बड़ा झटका

विधायक टी राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा

हैदराबाद, 30 जून (एजेंसियां)। तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी नेतृत्व के फैसले से असहमति जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका यह फैसला रामचंदर राव को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की मीडिया रिपोर्टों के बाद सामने आया है। राजा सिंह ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैं यह पत्र भारी मन से और गहरी चिंता के साथ लिख रहा हूं। रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की खबर से न सिर्फ मैं, बल्कि लाखों कार्यकर्ता, नेता और पार्टी के समर्पित मतदाता भी सदमे में हैं। ऐसे समय में जब भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाने की दहलीज पर है, इस प्रकार का निर्णय पार्टी की दिशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पर्दे के पीछे से फैसले करवा रहे हैं और व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, इससे न केवल जमीनी कार्यकर्ताओं के त्याग का अपमान होता है, बल्कि पार्टी को ऐसे झटकों की ओर ले जाता है, जिन्हें टाला जा सकता था।

अमरनाथ यात्रा के लिए ऑन स्पाट पंजीकरण शुरू

जम्मू, 30 जून (देशबन्धु)। हालांकि पहलगाम नरसंहार के कारण इस बार की अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण में कमी को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने यात्रा शुरू होने से तीन दिन पहले ही सोमवार से आन स्पाट पंजीकरण की शुरुआत कर दी है। जबकि यात्रा में शामिल होने के लिए आने वालों में पहलगाम नरंहार की कोई दहशत नजर नहीं आ रही थी।

ऑनलाइन पंजीकरण कई दिन पहले ही शुरू हो गया था, लेकिन जिन लोगों ने डिजिटल पंजीकरण नहीं कराया है, उनके लिए प्रशासन द्वारा स्थापित विशेष केंद्रों पर सोमवार से ऑफलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है। इन निर्दिष्ट पंजीकरण केंद्रों पर तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी गई क्योंकि श्रद्धालु पवित्र तीर्थयात्रा के लिए अपने परमिट सुरक्षित करने के लिए सुबह से ही कतार में लग गए थे। दूर-दराज के राज्यों से आए कुछ श्रद्धालुओं ने आशा और भक्ति के साथ अपनी बारी का इंतजार किया, जिससे माहौल मंत्रोच्चार और आध्यात्मिक उत्साह से भर गया। जम्मू पहुंची एक श्रद्धालु माया कौल ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की। वे कहती थीं हम यहां छह लोग हैं और पहलगाम से होकर जाएंगे। हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा है और किसी भी चीज से डरने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों से बड़ी संख्या में अमरनाथ यात्रा पर आने का आग्रह करता हूं। जबकि 15 श्रद्धज्ञलुओं के समूह के साथ मुंबई से आए शकदीप झा ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि मैं यहां आकर बहुत खुश हूं।

सूचकांक — सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

मई में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घट कर 1.2 फीसदी

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। उपभोक्ता मांग में कमी के बीच देश में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर मई 225 में 1.2 प्रतिशत रही जो गत वर्ष सितंबर के बाद का इसका न्यूनतम स्तर है। पिछले वर्ष इसी माह औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 6.3 प्रतिशत और इस वर्ष अप्रैल में 2.6 प्रतिशत थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी मई के आंकड़ों के अनुसार अखिल भारतीय आईआईपी मई, 2025 में 156.6 रहा जबकि एक साल पहले इसी माह यह 154.7 और एक माह पहले 151.8 अंक था। इस वर्ष मई में खनन क्षेत्र का उत्पादन सालाना आधार पर 0.1 प्रतिशत घट गया जबकि विनिर्माण क्षेत्र में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बिजली का उत्पादन मई में सालाना आधार पर 5.8 प्रतिशत कम रहा।

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों अप्रैल-मई में औद्योगिक वृद्धि दर 1.8 प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में औद्योगिक उत्पादन 5.7 प्रतिशत बढ़ा था। इस वर्ष मई में प्राथमिक वस्तु उद्योग के उत्पादन में सालाना आधार पर 0.2 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 14.1 प्रतिशत की वृद्धि रही। आलोच्य माह में माध्यमिक वस्तुओं का उत्पादन 3.5 प्रतिशत बढ़ तथा निर्माण/अवसंरचना वस्तु उद्योग की वृद्धि 6.3 प्रतिशत रही। इसी दौरान टिकाऊ उपभोक्ता उद्योग का उत्पादन 0.7 प्रतिशत कम रहा और गैर टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत की कमी दिखी जो अर्थव्यवस्था में मांग में नरमी का संकेत देती है। अप्रैल-मई की अवधि में गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में एक साल पहले की इसी अवधि की तुलना में 2.6 प्रतिशत की गिरावट रही।

आंकड़े पूर्वनुमानों के अनुरूप - केयरएज रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने मई के आईआईपी आंकड़ों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ' आंकड़े पूर्वनुमानों के अनुरूप हैं। मई में भारत के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि 9 महीने के निचले स्तर 1.2 प्रतिशत पर आ गई। विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर धीमी पड़ने के साथ-साथ खनन और बिजली दोनों क्षेत्रों के उत्पादन में गिरावट से समग्र आईआईपी वृद्धि को सीमित कर दिया। उन्होंने कहा, 'खपत के दृष्टिकोण से, उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में कमजोरी बनी हुई है। इसके अलावा, पिछले महीनों में उत्साहजनक वृद्धि के बाद उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की वृद्धि नकारात्मक क्षेत्र में चली गई है।

बिलासपुर, मंगलवार 1 जुलाई 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्या ये हेटस्पीच नहीं है

रविवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ एक रैली आयोजित की गई। इमारत-ए-शरिया फुलवारी शरीफ की ओर से आयोजित इस रैली में आरजेडी, कांग्रेस और जेडीयू समेत सभी दलों के बड़े नेताओं को बुलाया गया था। इस रैली में इंडिया गठबंधन के दल शरीक हुए। जिसमें बिहार में नेता प्रतिपक्ष राजद नेता तेजस्वी यादव के भाषण की खूब चर्चा हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण हिंदुस्तान की सरजमीं का हर एक-एक इंच, हर पन्ना चीख-चीखकर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सब लोगों ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है। ये देश किसी के बाप का देश नहीं है। ये हम सब का देश है।

वक्फ संशोधन कानून लाकर किस तरह मस्जिदों, मदरसों, कब्रगाहों की जमीन को छीनने की योजना बनाई जा रही है, इसका खुलासा तेजस्वी ने किया और इसमें जमीन के बाद वोट छीनने की चालाकी के बारे में भी जनता को आगाह किया। दरअसल चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची पुनरीक्षण का जो फैसला लिया गया है, उसमें यह आशंका बढ़ रही है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। अगर चुनाव आयोग यह कदम पहले उठाता, तब बात दूसरी होती, लेकिन चुनाव से चंद महीने पहले ही उसे मतदाताओं की जांच की जरूरत क्यों पड़ी, पिछले साल चुनाव से पहले इस बारे में ध्यान क्यों नहीं दिया गया, ये सारे सवाल अब उठ रहे हैं। अवैध मतदाता, बांग्लादेशी घुसपैठिए इन शब्दों की आड़ में कहीं गरीबों, पिछड़ों के वोट का अधिकार तो नहीं छीना जा रहा है, यह सवाल भी उठ रहा है, क्योंकि अपने साथ-साथ अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र या अन्य पहचान वाले दस्तावेज जुटाना साधारण, गरीब आदमी के लिए आसान नहीं होगा। फिर चुनाव आयोग क्यों इस मुश्किल को खड़ा कर रहा है, यह विपक्ष की बड़ी आपत्ति है। जब गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के विरोध के लिए लोग जुटे तो तेजस्वी यादव ने इस बारे में भी कहा कि आपकी जमीन को छीना जा रहा है। अब भाजपा सत्ता से जाने वाली है तो हम सब के गरीब, पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित सब लोगों के वोट के अधिकार को छीना जा रहा है। मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर आपके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। ये बहुत बड़ी साजिश है। इसलिए आप लोग सचेत रहियेगा और ऐसा होने मत दीजिएगा।

भाजपा को उम्मीद नहीं होगी कि इस मंच का इस्तेमाल अब उसके बाकी फैसलों के विरोध के लिए भी हो सकता है। हालांकि अब तो भाजपा का जो नुकसान होना है, वो हो चुका है। अब इसकी भरपाई के लिए भाजपा ने कोशिशें शुरु कर दी हैं और इस चक्कर में फिर एक गलती कर दी है। दरअसल रविवार को तेजस्वी यादव ने बड़ा ऐलान दावा किया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे इस बिल को प्रदेश में लागू नहीं होने देंगे और कूड़ेदान में फेंक देंगे। इस बात को भाजपा संविधान और संसद का अपमान बता रही है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 'अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे, वहां एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे, जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान।' श्री त्रिवेदी यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि वक्फ समाजवाद के विचार के खिलाफ है। उनका विचार संविधान को नीचा दिखाना, उसे तोड़ना है। वे गरीब मुसलमानों के साथ नहीं बल्कि उन चंद लोगों के साथ खड़े हैं जो सारी संपत्तियों पर कब्जा करना चाहते हैं। यह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है।'

चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर ऐसे गंभीर विषयों पर चुप लगा जाते हैं, या फिर देर से बोलते हैं और अगर बोलते हैं तो उनमें ठोस तर्कों की जगह खोखली बातें ज्यादा होती हैं, इसलिए फिलहाल सुधांशु त्रिवेदी के वक्तव्य को ही पार्टी का आधिकारिक स्टैंड कहा जाएगा। वक्फ संशोधन कानून का विरोध भाजपा की निगाह में अगर संविधान, संसद, न्यायपालिका सबका अपमान है, तो फिर तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने का जो फैसला नरेन्द्र मोदी ने लिया था, क्या उसे भी भाजपा संसद का अपमान ही कहेगी, क्योंकि कृषि विधेयक भी संसद के दोनों सदनों से पारित होकर ही कानून बने थे। लेकिन किसानों के एक साल से ज्यादा वक्त तक चले आंदोलन के बाद खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इन्हें वापस लेने का ऐलान किया था और कहा था कि मेरी ही तपस्या में कोई कमी रही होगी। जब कृषि कानून निरस्त हो सकते हैं, तो वक्फ संशोधन कानून भी वापस लिया जा सकता है। दूसरी बात जिस तरह समाजवाद और नमाजवाद की तुक सुधांशु त्रिवेदी ने मिलाई है, क्या उसे नफरती भाषण की तरह नहीं समझा जाना चाहिए, यह बड़ा सवाल है।

लोकतंत्र में न समाजवाद पर किसी को आपत्ति करने का हक है, न किसी के नमाज पढ़ने, पूजा करने, या अपनी मर्जी के धार्मिक स्थल जाने या न जाने पर कोई सवाल उठा सकता है। लेकिन भाजपा ने जिस तरह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है, कहा है, उसमें नमाज पढ़ने को गलत, गैरकानूनी, अनैतिक बताने की परोक्ष कोशिश भाजपा की तरफ से दिखाई दे रही है। नमाजवाद वैसे तो कोई शब्द है नहीं, न ही हो सकता है। जब हम प्रार्थनावाद, पूजावाद, हवनवाद, जपवाद नहीं कहते हैं, तो फिर नमाजवाद कैसे कह सकते हैं। लेकिन भाजपा प्रवक्ता ने इस अनर्गल शब्द के जरिए एक प्रार्थना पद्धति को अपमानित किया है, जो सरासर गलत है और इस पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को अपना पक्ष रखना चाहिए कि क्या वह भी इससे सहमत हैं।

इंडिया गठबंधन की बढ़ती ताकत से हड़बड़ाई भाजपा अपना पक्ष मजबूत करने की जगह ऐसे बयानों से और कमजोर होगी, यह बात पार्टी नेतृत्व को समझना चाहिए।

मतदाता सूची पुनरीक्षण या मताधिकार पर हमला

यह अगर संयोग ही है तब भी बहुत कुछ बताने वाला संयोग है। 25 जून को, जिस दिन बड़े जोर-शोर से 'संविधान हत्या दिवस' के नाम से मौजूदा शासन द्वारा इंदिरा गांधी की इमरजेंसी की पचासवीं बरसी मनायी जा रही थी, ठीक उसी रोज बिहार में, जहां अब से कुछ ही महीने में विधानसभा के चुनाव होने हैं, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण या स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू हो रही थी। इस तरह, जिस तारीख से संविधान तथा जनतंत्र के लिए खतरनाक निहितार्थों के साथ इमरजेंसी निजाम की शुरूआत हुई थी, ठीक उसी तारीख से मतदाता सूचियों में भारी काट-छांट की यह प्रक्रिया शुरू की जा रही है, जिसके जनतंत्र की बुनियाद, सार्वभौम वयस्क मताधिकार के लिए ही खतरनाक नतीजे होने जा रहे हैं।

बेशक, इस प्रक्रिया की शुरूआत फिलहाल बिहार से हो रही है। और बिहार के सिलसिले में इस प्रक्रिया के संभावित दुष्परिणामों को रेखांकित करने के अलावा, करीब-करीब सभी जानकार और टिप्पणीकार एक और समस्या की ओर ध्यान खींच रहे हैं। प्रायः सभी जानकार इस पर एकमत हैं कि बिहार के चुनाव से पहले इस प्रक्रिया का पूरा होना, इसके लिए तय की गयी समय सूची का पालन हो पाना, लगभग 'असंभव' है। समय सूची के अनुसार, 24 जून को भारत के चुनाव आयोग द्वारा उक्त विशेष गहन पुनरीक्षण का नोटिस जारी किए जाने के बाद, महीने भर के अंदर सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के हस्ताक्षरित फार्म बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से / आयोग की वैबसाइट के जरिए आयोग के पास पहुंच जाने चाहिए, ताकि संशोधित मतदाता सूची में इन नामों को शामिल किए जाने पर विचार किया जा सके। याद रहे कि बचे हुए एक महीने से कम समय में जिन मतदाताओं के हस्ताक्षरयुक्त तथा आवश्यक प्रमाणपत्रों से युक्त फार्म आयोग के पास पहुंच जाएंगे, उनके और सिर्फ उन्हीं के नाम संशोधित मतदाता सूची में शामिल होने के विचारार्थ स्वीकार किए जाएंगे। जो ये फार्म नहीं भर पाएंगे या जिनके मुकम्मल फार्म तय अंतिम तारीख तक आयोग के पास नहीं पहुंच पाएंगे, वे खुद ब खुद प्रस्तावित मतदाता सूचियों से बाहर हो जाएंगे। बेशक, अब तक के मतदाता सूचियों में शामिल मतदाताओं को, उनके मतदाता सूचियों में जुड़ने की तारीख के हिसाब से तीन अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया और इनमें से हरेक श्रेणी में आने वाले मतदाताओं से अलग-अलग हद तक दस्तावेजों की मांग की गयी है, लेकिन अपने जन्मस्थान व जन्म तिथि के प्रमाण के साथ अर्जी देने की शर्त सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए है। एक महीने से कम समय में यह प्रक्रिया पूरी होना असंभव है।

बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा। फिर भी मुद्दा सिर्फ इस पूरी प्रक्रिया के लिए उपलब्ध समय का ही नहीं है, हालांकि बिहार के संदर्भ में इस जल्दबाजी का भी विशेष अर्थ भी है और महत्व भी। इसी दौरान चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण का यह प्रोजेक्ट पूरे देश के पैमाने पर लागू किया जाएगा—पहले बिहार में, फिर उन राज्यों में जहां अगले चक्र में विधानसभाई चुनाव होने हैं और फिर बाकी सभी राज्यों में भी। इस संदर्भ में समय-सारणी की अनुपयुञ्जतता से भी ज्यादा महत्वपूर्ण इस प्रक्रिया के लिए अपनायी जाने वाली पद्धति से जुड़े अन्य मुद्दे हो जाते हैं। अंग्रेजी की यह कहावत इस पर एकदम फिट बैठती है कि-डेविल इज़ इन डिटेल यानी राक्षस तो ब्यौरे में है!

राजेंद्र शर्मा

> बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा।

बहरहाल, प्रक्रिया के इन ब्यौरों में जाने से पहले, एक नजर यह निर्णय जिस तरह लिया गया है, उसके अलोकतांत्रिक मनमानेपन पर डालना भी अनुपयुक्त नहीं होगा। हैरानी की बात नहीं है कि बिहार में ही नहीं बल्कि देश भर में लगभग समूचे विपक्ष ने चुनाव आयोग द्वारा बम की तरह अचानक अपने सिर पर इस फैसले के फोड़ दिए जाने की भी तीखी आलोचना की है। नये मुख्य चुनाव आयुक्त के आने के बाद, राजनीतिक पार्टियों के साथ परामर्श में भी और आम तौर पर भी चुनाव आयोग ने आने वाले समय के लिए अपनी जो डेढ़ दर्जन प्राथमिकताएं बतायी थीं, उनमें इसका कोई जिक्र नहीं था। यहां तक कि बिहार में राजनीतिक पार्टियों के साथ चुनाव की तारीखों की घोषणा की ऐन पूर्व-संध्या में बुलायी गयी आखिरी बैठक में भी इसका कोई जिक्र नहीं था। जैसे चुनाव आयोग को एक दिन अचानक मतदाता सूचियों में ऐसा पुनरीक्षण कराने की जरूरत का इलहाम हुआ और उसने राजनीतिक पार्टियों से, जो चुनाव में मुख्य खिलाड़ी होती हैं, किसी भी चर्चा के बिना ही यह फैसला थोप दिया। लेकिन क्यों?

जाहिर है कि चुनाव आयोग ने इसके पक्ष में मतदाता सूचियों को स्वच्छ बनाने की दलील दी है। नये नाम जुड़ने तथा मृतकों के नाम कटने की कमजोरियों से लेकर, पलायन से लेकर अवैध घुसपैठ तक की दलीलें दी हैं। लेकिन, ये दलीलें बहानेबाजी ही ज्यादा लगती हैं। इस बहानेबाजी में जो सांप्रदायिक इशारे झांक रहे हैं, वे भी किसी से छुपे नहीं रहेंगे। सच्चाई यह है कि बिहार से अब जो प्रक्रिया शुरू हो रही है, एक प्रकार से समूची मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने की प्रक्रिया है। क्या 2024 के आम चुनाव जिस मतदाता सूची के आधार पर हुए थे, उसे पूरी तरह से खारिज करने के जरिए चुनाव आयोग आम चुनाव की वैधता को ही खारिज नहीं कर रहा है। यह सिर्फ बिहार में चुनाव के लिए ही नहीं है, पूरे देश में आम चुनाव के लिए ही है, क्योंकि यह नुस्खा पूरे देश के लिए ही पेश किया जा रहा है। यह दिलचस्प है कि चुनाव आयोग ने चंद महीने पहले ही देश भर में मतदाता सूचियों के समरी रिवीजन की प्रक्रिया पूरी की थी। उसके बाद अचानक मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने का निर्णय लिए जाने की क्या तुक है?

अब हम ब्यौरों पर आते हैं। इसके लिए अपनायी जाने वाली पद्धति या प्रक्रिया के ब्यौरों का पहला पक्ष, उसके मूल सिद्धांत का है। अब तक भारत में मतदान सूची में लोगों को भर्ती करना राज्य या शासन की जिम्मेदारी रही है। मताधिकार की आयु पूरी होते ही, हरेक व्यक्ति मत का अधिकारी हो जाता है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज करना चुनाव आयोग अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानता आया है। नयी प्रक्रिया में, जिसमें मतदाता सूची में नाम लिखवाने के लिए मतदाता को अपने हस्ताक्षरों के साथ और विभिन्न प्रमाणों के साथ अर्जी देनी है, यह जिम्मेदारी सीधे-सीधे मतदाता पर डाल दी गयी है। अब जो इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाएगा, स्वाभाविक रूप से मतदाता सूची में नहीं आएगा। उसका छूट जाना, चुनाव आयोग या शासन की सिरदर्दी नहीं है। यह जनतंत्र की अभिव्यक्ति के रूप में चुनाव की व्यवस्था की ही जड़ पर कुठाराघात है।

ब्यौरों का दूसरा पहलू, अपनायी जाने वाली प्रक्रिया से है। प्रक्रिया यह तय की गयी है कि जुलाई 1987 से पहले से जो मतदाता हैं यानी जिनकी आयु 48 वर्ष या उससे अधिक है, उन्हें अपने जन्म स्थान/तिथि का ही प्रमाण देना होगा और मतदाता सूची में अपने नाम की यथावत मौजूदगी का प्रमाण। लेकिन, जो जुलाई 1987 से लेकर 2 दिसंबर 2004 तक मतदाता बने हैं, उन्हें उक्त प्रमाणों के साथ अपने माता-पिता में से किसी एक का जन्म स्थान/ तिथि प्रमाणपत्र भी देना होगा। और 2 दिसंबर 2004 के बाद जो मतदाता बने हैं, यानी जिनकी आयु 18 से 21 वर्ष है, उन्हें माता-पिता, दोनों का जन्म स्थान/तिथि प्रमाणपत्र देना होगा। माता/ पिता के जन्म स्थान के सत्यापन का मतदाता के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए अनिवार्य किया जाना, इस पूरी प्रक्रिया को डरावने तरीके से नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स या एनआरसी तैयार करने की विवादास्पद प्रक्रिया की प्रतिलिपि बना देता है। क्या मोदी सरकार खुद एनआरसी में विफल होने के बाद, अब चुनाव आयोग की आड़ में ही यह मकसद पूरा करने की कोशिश नहीं कर रही है, जिसका मकसद गरीब अल्पसंख्यकों की नागरिकता पर संदेह खड़े करना भी लगता है।

लगभग सभी विपक्षी राजनीतिक पार्टियों ने और स्वतंत्र टिप्पणीकारों ने उचित ही यह सवाल उठाया है कि इस तरह के प्रमाण, कम से कम बिहार जैसे पिछड़े राज्य में, कितने लोग दे सकते हैं? और इससे भी महत्वपूर्ण यह कि क्या इन शर्तों के जरिए एक तरह मतदाताओं की छंटनी ही नहीं हो रही होगी, जिसमें गरीब, अशिक्षित और सामाजिक रूप से दबे हुए लोग, खुद ब खुद मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। बेशक, चुनाव आयोग ने प्रमाणों के मामले में कुछ विकल्प भी दिए हैं। लेकिन, सभी जानकार इस पर एकमत हैं कि ये वैकल्पिक प्रमाण भी, इस सच्चाई को भेद नहीं सकते हैं कि गरीबों, अशिक्षितों और सामाजिक रूप से दबे हुए तबकों का बड़ा हिस्सा, इस छन्नी से छानकर बाहर कर दिया जाएगा। दूसरी ओर उसी प्रकार संपन्न, शिक्षित, सवर्णों का बड़ा हिस्सा, इस छन्नी से छनकर मतदाता सूचियों में पहुंच जाएगा।

दुर्भाग्य से ऐसा होना चुनाव आयोग के अलोकतांत्रिक मनमाने फैसले का अनचाहा दुष्परिणाम नहीं लगता है। इसके विपरीत, ऐसा लगता है कि इसी वांछित दुष्परिणाम के लिए चुनाव आयोग ने अचानक और किसी गुप्त प्रेरणा से यह कदम उठाया है। बेशक, बिहार के संदर्भ में यह और भी प्रखर रूप से देखा जा सकता है, लेकिन वास्तव में यह कमोबेश देश के पैमाने पर सच है कि गरीब, अशिक्षित, सामाजिक रूप से दबे हुए तबकों का ज्यादा झुकाव, बिहार में महागठबंधन और देश के पैमाने पर इंडिया गठबंधन के साथ खड़ी पार्टियों के पक्ष में है और इसी प्रकार संपन्न, शिक्षित, सवर्ण तबकों का उतना ही ज्यादा झुकाव मौजूदा सत्ताधारियों के पक्ष में है। यही तात्कालिक चुनावी राजनीतिक सैटिंग चुनाव आयोग के जरिए, वर्तमान सत्ता द्वारा खेले जा रहे लाखों गरीबों को मताधिकार से ही वंचित करने के इस जनतंत्रविरोधी खेल के पीछे है। जनतंत्र की हिफाजत करने के लिए इस षड्यंत्र को विफल करना ही होगा।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

आपातकाल और शरद यादव!

ये संयोग ही है कि आपातकाल के साक्षी रहे शरद यादव की इस वर्ष की जन्म वर्षगांठ उस समय है जब देश में केंद्र और कई राज्य सरकारें आपातकाल के पचास वर्ष पूरे होने पर चर्चा जोरों-शोरों से कर रही हैं। विगत दिनों, केंद्र सरकार के साथ-साथ 'डबल इंजन' की सरकारों ने इमरजेंसी लगने वाले दिनों को 'काला अध्याय', 'काला दिवस', तथा 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में याद किया और मनाया गया।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार द्वारा 25 जून 1975 को घोषित आपातकाल के दौरान, समाजवादी नेता और 'मंडल मसीहा' शरद यादव मीसा कानून (मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी एक्ट, 1971) के तहत विभिन्न जेलों में रहे। मीसा से पहले भी छात्र आंदोलन के चलते जेल जा चुके थे। आपातकाल लगने से पूर्व, फरवरी 1974, में ही शरद यादव जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सबसे युवा सांसद बने थे।

मंडल मसीहा समाजवादी नेता शरद यादव का जन्म 1 जुलाई 1947 को हुआ। मूलतः होशंगाबाद जिले के गांव आंखमऊ से आने वाले शरद यादव ने जबलपुर के रॉबर्टसन कॉलेज (अब शासकीय विज्ञान महाविद्यालय और महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की, वह भी गोल्ड मेडल सहित।

रामबहोर साहू

> शरद यादव साझी विरासत के पक्षधर थे। 'साझी विरासत बची रहेगी तो देश बचा रहेगा', जाति नहीं बल्कि जमात जोड़ो, सामाजिक न्याय, विषमता, जाति जनगणना, के प्रबल हिमायती रहे और आम लोगों से मिलने -जुलने, संवाद करने आदि के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। जिसका अब अभाव हो गया है।

जबलपुर में छात्र आंदोलन से राष्ट्रीय राजनीति के पटल में उभरे शरद यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में गरीबी, बेरोजगारी, अत्याचार व भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार आवाज उठाई। जबलपुर विश्वविद्यालय के निर्वाचन में धांधली के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर उन्होंने उस मुद्दे को जोर शोर से उठाया। स्वयं छात्र संघ चुनाव लड़े और छात्रसंघ 'विश्वविद्यालय' चुनाव में विजयी होकर छात्र नेता से 'शरद भाई' की संज्ञा पाने वाले शरद यादव का आपातकाल के दौरान और बाद में अपनी राजनीति से देशभर में यही नाम कायम रहा।

इंदिरा गांधी सरकार की नीतियों के विरुद्ध देशव्यापी जन आंदोलन की अगुआई जयप्रकाश नारायण कर रहे थे, तब 1974 के जबलपुर लोक सभा के उपचुनाव में संयुक्त जनता पक्ष ने शरद यादव को अपना उम्मीदवार बनाया। चुनाव चिन्ह मिला 'हलधर किसान'। उनके चुनाव प्रचार सभाओं में स्वयं जयप्रकाश भी पहुंचे। कांग्रेस के धनाढ्य प्रत्याशी सेठ गोविंददासजी को पराजित कर शरद यादव ने महज 27 वर्ष की उम्र में सांसद बनने का गौरव अर्जित किया। शरद यादव जबलपुर से दो बार लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए - 1974 और 1977 में। जब साल 1977 में जनता पार्टी के गठन पर इसी 'हलधर किसान' चिन्ह के साथ जनता पार्टी को मिला, लोकसभा चुनाव जीता और केंद्र में सरकार बनाई। हालांकि जनता पार्टी की सरकार पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी। फिर भी उस अल्प अवधि में जनता पार्टी ने दो प्रधानमंत्री देश को दिए—मोरारजी भाई देसाई व चौधरी चरण सिंह।

1980 में जनता पार्टी का विघटन हुआ। संपूर्ण क्रांति के सूत्रधार लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने एकता के इस आंदोलन में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी समेत कई नेताओं को संगठित किया था। लेकिन मतभेदों के चलते विघटन भी उसी तरीके से हुआ जैसा कि गठन हुआ था।

एक अंतराल के बाद, बोफोर्स तोप का मामला पुनः से विपक्षी दलों को एकजुट करने का माध्यम बना। तत्कालीन वित्त व रक्षा मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में जनता दल का गठन हुआ, और जनता दल (राष्ट्रीय मोर्चा) सरकार के वे प्रधानमंत्री बने; हालांकि यह सरकार भी केवल ग्यारह माह ही रही। तत्पश्चात, चंद्रशेखर ने कांग्रेस नेता राजीव गांधी की रणनीति के चलते 'समर्थन' से छह माह के लिए प्रधानमंत्री पद संभाला।

शरद यादव लोकसभा के 5वें, 6वें, 10वें, 11वें, 13वें एवं 15वें सत्रों के लिए तीन राज्यों से चुने गए तथा उच्च सदन राज्यसभा के तीन सत्रों के लिए निर्वाचित होकर दोनों सदनों में सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों को बखूबी से उठाया। उनके व्यंग्यात्मक शिल्प ने सदन में बहसों को जीवंत बनाया। अपनी लम्बी और यादगार राजनीतिक पारी में वे मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार से दोनों सदनों के लिए चुने जाते रहे। अंतः बिहार को राजनीतिक कर्मभूमि बनाया।

शरद यादव साझी विरासत के पक्षधर थे। 'साझी विरासत बची रहेगी तो देश बचा रहेगा', जाति नहीं बल्कि जमात जोड़ो, सामाजिक न्याय, विषमता, जाति जनगणना, के प्रबल हिमायती रहे और आम लोगों से मिलने -जुलने, संवाद करने आदि के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। जिसका अब अभाव हो गया है।

मंडल मसीहा और प्रखर समाजवाद के समर्थक शरद यादव को उनकी की 78वीं जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

(लेखक विचार मंच से जुड़े हैं।)

ललित सुरजन की कलम से

ओसियां और जोधपुर

'दूर-दूर तक फैला रेगिस्तान। जैसे रेत का समुद्र। आज से कई लाख साल पहले यहां समुद्र ही तो था। इस जनहीन विस्तार के बीच में कहीं-कहीं बालुई चट्टानों से बनी पहाडिय़ां। मरुस्थल की जड़ता को तोड़ती हुई। मैं कल्पना कर रहा हूं आज से बारह-तेरह सौ साल पहले के समय की। इस निर्जन में किसे और क्यों सूझा होगा कि यहां मंदिर बनाया जाए तो क्या शायद यहां कोई छोटी-मोटी बस्ती रही होगी? वहीं कहीं आसपास मीठे पानी का कोई स्रोत रहा होगा। अगर पानी न होता तो मनुष्य की बसाहट भी कैसे होती? मैं कल्पना के घोड़े दौड़ाता हूं तो एक बात समझ आती है। यह जगह पश्चिमी भारत से उत्तर भारत को जोडऩे वाले किसी यात्रापथ पर रही होगी। शायद प्राचीन सिल्क रूट की कोई शाखा! आते-जाते काफिले मीठे पानी के सरोवर के पास डेरा डालते होंगे। धीरे-धीरे यहां स्थायी बस्ती बसी होगी। तब पहले कोई मुखिया, फिर कोई राजा यहां का शासक बन गया होगा और यह स्थान उस प्राचीन समय के मानचित्र पर अंकित हो गया होगा।'

'मैं बात कर रहा हूं ओसियां की। जोधपुर के पास बसा एक प्राचीन नगर जहां आठवीं शताब्दी से बारहवीं शताब्दी के बीच निर्मित मंदिरों का एक पूरा समूह है। मंदिरों की कुल संख्या दो दर्जन के आसपास होगी।'

देशबन्धु में 29 अक्टूबर 2015 को प्रकाशित

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/10/blog-post_30.html

आज डॉक्टर्स डे

भगवान एक बार जीवन देता है डॉक्टर बार-बार बचाता है

खेत में किसान, सीमा पर सैनिक, विद्यालय में शिक्षक और अस्पताल में डॉक्टर न हों तो मानवीय समाज का जीवन कठिन हो सकता है। इस पृथ्वी पर जिजीविषा को मूर्तरूप प्रदान करने में डॉक्टर्स की भूमिका अतुलनीय रही है।

डॉक्टर मसीहा का पर्याय है। अधमरे इंसान में जान फूंकने , रोगियों को स्वस्थ करने और हमारे अपनों को दूर जाने से बचाने में जो डटे रहते हैं , वहीं वास्तव में डॉक्टर है । वही मसीहा हैं। जब-जब लगा कि अब इस दुनिया को अलविदा कहने का समय आ गया है, तब-तब ईश्वर का प्रतिनिधि बनकर चिकित्सकों के रूप में एक इंसान ने दस्तक दी और असमय मृत्यु से बचा लिया। चिकित्सकों के समुदाय ने सदियों से यह सिद्ध कर दिखाया है कि जिंदगी दोबारा भी मिल सकती है। दरअसल एक डॉक्टर एक दिन में अनेकों बार जीता और मरता है। जब भी उसके हाथों कोई रोगी ठीक होता है, तब उसे लगता है कि उसका जीवन सार्थक हो गया। इसके विपरीत जब तमाम कोशिशों के बाद भी वह रोगी को नहीं बचा पाता है , तब उसे लगता है कि सब कूछ समाप्त हो गया। इस प्रकार की स्थिति से प्रतिदिन दो-चार होना आसान नहीं कहा जा सकता है। डॉक्टर की काबिलियत के चलते ही हर वह इंसान जो बीमार है और उसका परिवार डॉक्टर की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखता है। यदि अस्तित्व विहीन हो जाना इस जीवन की नियति है, तो अस्तित्व को बरकरार रखना डॉक्टर के जीवन का ध्येय है। देखा जाए तो डॉक्टर का मूल लक्ष्य जीविकोपार्जन अथवा धंधा करना नहीं बल्कि जिंदगी और मौत से जूझ रहे इंसान को येन केन प्रकारेण बचाना है।

हमारे वैद्यराजों ने अनादिकाल से आयुर्वेद के दम पर गंभीर से गंभीर रोगों का इलाज कर अपनी योग्यता सिद्ध कर दिखाई है। आज की आधुनिक जीवन शैली ने चिकित्सा जगत को बड़ी चुनौतियों में डाल रखा है। अब आयुर्वेद पर विश्वास उतना नहीं रहा जितना भारतवर्ष के सादगीपूर्ण जीवनशैली के समय था। इसका जो कारण मुझे समझ में आता हैं वह बिगड़े पर्यावरण के रूप में दिखाई पड़ रहा है । खानपान से लेकर मानवीय समाज में जीवनयापन कर रहे हम लोगों ने अपने ऋषि-मुनियों द्वारा बताई गई दिनचर्या को न मानकर ही अपने शरीर के अंदर बीमारियों का बीजारोपण किया है। अब हमारे वानस्पतिक वृक्षों में भी वह ताकत नहीं रही जो सदियों पहले हुआ करती थी। यही कारण हैं कि वर्तमान युग में बीमारियों से लड़ने वैज्ञानिक शोधों का सहारा लेना पड़ रहा है। हमारा चिकित्सा विज्ञान जितना प्रगति कर रहा है, बीमारियों के नए-नए रूप भी बढ़चढ़ कर चुनौती पेश करते दिख रहे हैं। मानवीय शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति का क्षीण होना ही वह कारण है कि हमारे चिकित्सा वैज्ञानिकों को तुरंत असर करने वाली दवाइयों का आविष्कार करना पड़ा। आज के चिकित्सकों का जीवन हमारे जाने-माने वैद्यराजों से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण बन पड़ा है।

एक डॉक्टर का जीवन चुनौतीपूर्ण होने के साथ ही साथ अनेक मौकों पर कठिन भी हो सकता है। डॉक्टर की काबिलियत के आधार पर यह पेशा उन्हें समाज में व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से भी जोड़ा जाता है। हर चिकित्सक का अनुभव अद्वितीय होता है। यही गुण उनकी विशेषता बनकर, कार्य, वातावरण और व्यक्तिगत लचीलेपन से नया आकार ग्रहण कर लेता है। चुनौतियों और पुरस्कारों के बीच संतुलन बनाना चिकित्सा क्षेत्र में स्थायी और संतोषजनक करियर की कुंजी मानी जा सकती है।

-डा. सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

प्रकृति का रौद्र रूप कहीं बाढ़ कहीं भूस्खलन

भारत में वर्षाकाल मे भीषण वर्षा के फलस्वरुप बाढ़, भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल ,उत्तराखंड, असम, मेघालय, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है। देश के साथ विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है।

यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस में सामंजस्य बिठा कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके। आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्तरूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बहुत हानि होती है। आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

-संजीव ठाकुर

उल्टा पुल्टा

काफी दिनों बाद चिंटू पार्क में घूमने गया, घर लौटकर उसने अपनी पत्नी को बताया- जानती हो लोग मुझे भगवान मानने लगे हैं।

पत्नी- ये तुमने कैसे जाना।

चिंटू- जब मैं पार्क में गया था, वहां पर औरतें मुझे देख कर बोली, हे भगवान तू फिर आ गया।

बिहार चुनाव के लिए कांग्रेस ने छग के 4 नेताओं को बनाया ऑब्जर्वर, पूर्व विधायक शैलेश पांडे शामिल

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने संगठनात्मक मोर्चे पर कमर कस ली है। पार्टी ने चुनावी रणनीति को धार देने के लिए ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की ओर से 58 ऑब्जर्वर नियुक्त किए हैं। खास बात यह है कि इन निरीक्षकों में छत्तीसगढ़ के चार अनुभवी नेताओं को भी अहम जिम्मेदारी दी गई है। जिसमें बिलासपुर के पूर्व विधायक शैलेष पांडेय को भी शामिल किया गया है। ज्ञात हो कि श्री पांडेय कर्नाटक, रायबरेली, उत्तराखंड, त्रिपुरा, उड़ीसा सहित उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में चुनावी जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

जिम्मेदारी मिलने पर पूर्व विधायक शैलेष पांडेय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा नेता प्रतिपक्ष एवं सांसद राहुल गाँधी, सांसद और महासचिव प्रियंका गाँधी, सांसद और महासचिव केसी वेणु गोपाल, महासचिव और छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट, भिलाई विधायक और सचिव देवेंद्र यादव और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का आभार व्यक्त किया जिन्होंने बिहार चुनाव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में शामिल किया।

अभा कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ से जिन नेताओं को ऑब्जर्वर बनाया गया है, उनमें पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत, बिलासपुर के पूर्व विधायक शैलेश पांडेय, संगठन से जुड़े नेता दीपक मिश्रा और वरिष्ठ नेता भुवनेश्वर बघेल शामिल हैं।

संगठन से लेकर जीत तक की जिम्मेदारी

कांग्रेस ने इन ऑब्जर्वरों को बिहार के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक मैनेजमेंट दुरुस्त करने और स्थानीय कार्यकर्ताओं को एकजुट कर कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी है। पार्टी का मानना है कि इन नेताओं का पूर्व चुनावी अनुभव और सांगठनिक पकड़ बिहार जैसे रणनीतिक राज्य में कांग्रेस को मजबूती देने में मददगार होगी।

महागठबंधन में अहम भूमिका निभाएंगे ऑब्जर्वर

बिहार में कांग्रेस इस बार भी महागठबंधन का हिस्सा है। ऐसे में सीटों के तालमेल, उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया और प्रचार रणनीति जैसे अहम कार्यों में ऑब्जर्वरों की भूमिका निर्णायक होगी। पार्टी ने क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए पूरे देश से अनुभवी नेताओं की नियुक्ति की है।

जल्द बिहार दौरे पर जाएंगे सभी निरीक्षक

श्री पांडेय ने बताया कि सभी 58 ऑब्जर्वर जल्द ही बिहार पहुंचेंगे और अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक समीक्षा शुरू करेंगे। यह दौरा कांग्रेस को न केवल स्थानीय स्तर पर मजबूत करेगा बल्कि महागठबंधन की साझा रणनीति को धरातल पर उतारने में भी मददगार साबित होगा।

जल स्तर बढ़ने पर मिनीमाता बांगो बांध से छोड़ा जाएगा पानी

जल संसाधन विभाग ने जारी किया अलर्ट

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। आगामी वर्षाकाल के दौरान आवश्यकता होने पर मिनीमाता बांगो बांध माचाडोली से हसदेव नदी में जल प्रवाहित किया जाएगा। वर्तमान में मिनीमाता बांगो बांध में लगभग 25.45 प्रतिशत जल भराव है। वर्षाकाल में आगामी दिनों में अत्यधिक वर्षा के कारण यदि मिनीमाता बांगो बांध जलाशय का जल स्तर तेजी से बढ़ेगा, तो तत्कालीन परिस्थिति के अनुसार मिनीमाता बांगो बांध का जलद्वार खोलकर हसदेव नदी में जल प्रवाहित किया जा सकता है। अतः सर्वसाधारण एवं कार्य एजेंसियों को सूचित किया जाता है कि बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल संपत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जावें। बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान, ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयों, संस्थानों आदि को भी सूचित किया जाता है कि वह अपनी परिसंपत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेवें। अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

बाढ़ क्षेत्रों में आने वाले संभावित ग्रामों में बांगो, चर्रा, पोंड़ी उपरोड़ा, कोनकोना, लेपरा, टुनियाकछार, पाथा, गाड़ाघाट, छिनमेर, कछार, कल्मीपारा, सिलयारीपारा, जुनापारा, तिलाईडांड, डुगुपारा, टुंगुमाड़ा, छिरापारा, मछलीबाटा, कोरियाघाट, धनगांव, डोंगाघाट, नरमदा, औराकछार, सोनगुड़ा, जेल गांव, झाबू, नवांगांव, तिलसाभाटा, लोतलोता, स्याहीमुड़ा, कोडा, हथमार, झोरा, सिरकीकला आदि शामिल है।

संपादकीय

बार-रेस्त्राओं पर नियमित कार्रवाई हो

आम शिकायत है कि छत्तीसगढ़ भर के सभी, खासकर बड़े शहरों के बार और रेस्टारेंट देर तक खुले रहते हैं। जिन शहरों की आबादी ज्यादा है और जो अपेक्षाकृत अधिक तेजी से बढ़े हैं, उनके पॉश इलाकों और बाहरी क्षेत्रों में ये बार और रेस्त्रां रात को बन्द करने के निर्धारित समय के बाद भी चलते हैं। यह शासकीय आदेशों का उल्लंघन तो है ही, कई बार इसके चलते कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। देर रात तक जिन प्रतिष्ठानों में शराब परोसी जाती है उनमें कभी संचालकों व ग्राहकों के बीच विवाद हो जाते हैं जो मार-पीट तक पहुंच जाते हैं अथवा शराब के नशे में धुत्त होकर वाहन चलाते हुए लोग दुर्घटनाएं कर बैठते हैं। इनमें कभी उनकी जान जाती है तो कभी वे राह चलते अथवा दूर वाहनों में बैठे लोगों को अपनी चपेट में ले लेते हैं।

इन कारणों से बार तथा रेस्टारेंट के लिये समय तो निर्धारित है परन्तु देखा यह जाता है कि इनके संचालक इस निर्देश का उल्लंघन करते हैं। स्पष्ट कर दिया जाये कि यहां सभी पर आरोप नहीं लगाये जा रहे हैं। कई संचालक निर्देशों के अनुरूप वक्त पर ढाबे, होटल, रेस्टारेंट, बार, शराब की दुकानें तयशुदा समय पर बन्द कर देते हैं। पुलिस और आबकारी विभाग की ओर से देर रात तक शराब परोसने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई तो करते हैं लेकिन देखा यह जाता है कि दो-चार दिनों के बाद बार-रेस्त्रां मालिक अपने ढर्रे पर लौट आते हैं। तब महसूस होता है कि छापों की कार्रवाइयां महज दिखावा है जो बीच-बीच में करती रहनी पड़ती है।

शुक्रवार और शनिवार की रातों को पुलिस व आबकारी की संयुक्त टीमों ने रायपुर के वीआईपी रोड सहित कई इलाकों में छापेमारी की। कई बार, होटल, रेस्टारेंट उनके निशाने पर थे। ये सभी निर्धारित समयावधि से ज्यादा देर तक संचालित हो रहे थे अथवा गैरकानूनी तरीके से शराब बेच रहे थे। सूर्या, ओलिव, सेंट्रल प्वाइंट, महेन्द्रा, ली रॉय, एलोरा, इशिका, सुधा रीजेंसी, कोपाइको आदि के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की गयी। इसके साथ ही अनेक होटलों की जांच की गयी। उनकी निरीक्षण पुस्तिकाओं तथा स्टॉक रजिस्टरों की भी गहन जांच टीमों ने की। जिन होटलों ने ये रजिस्टर प्रस्तुत नहीं किये उनके खिलाफ भी विभागीय कार्रवाइयां की गयी हैं।

प्रशासन को चाहिये कि यह छापेमारी तथा जांच-पड़ताल सघनता के साथ नियमित और निरन्तर हो। इसके साथ ही यह भी ज़रूरी है कि जो प्रतिष्ठान कार्रवाइयों के बाद भी नियमों के उल्लंघन से बाज नहीं आते, उनके खिलाफ पहले के मुकाबले अधिक सख्त कार्रवाई की जाये। फिर वह चाहे जुर्माना बढ़ाकर हो अथवा लाइसेंस के स्थायी अथवा थोड़ी अवधि के लिये निरस्त करने जैसे एक्शन ही क्यों न हों।

सार-संक्षेप

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक कल

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में 2 जुलाई को दोपहर 12.00 बजे आयोजित की गई है। बैठक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत वर्ष 2025-26 में दर्ज प्रकरणों के निराकरण (स्वीकृत राशि/वितरित राशि) की स्थिति पर एवं अधिनियम के तहत न्यायालय में लंबित प्रकरणों पर चर्चा की जाएगी।

आईटीआई कोनी में प्लेसमेंट कैंप 3 जुलाई को

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र कोनी में जिंदल स्टील लिमिटेड, जिला रायगढ़ (छ.ग.) की ओर से आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए 3 जुलाई 2025 को सवेरे 10.00 बजे से प्लेसमेंट कैंप आयोजित किया गया है। कैंप में फिटर, वेल्डर, मैकनिस्ट, इलेक्ट्रिशियन, टर्नर और गैस कटर आदि व्यवसाय में आईटीआई पास एवं इच्छुक अभ्यर्थी शामिल होकर लाभ ले सकते हैं।

यात्रियों की सुविधा के लिए चल रही स्पेशल ट्रेनों में 2 की सेवाओं का विस्तार

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। रेल यात्रियों की बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे ने चल रही स्पेशल गाड़ी संख्या 07005/07006चर्लापल्ली-रक्सौल-चर्लापल्ली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन एवं 07051/07052 चर्लापल्ली- रक्सौल-चर्लापल्ली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सेवाओं को दिनांक 30 सितम्बर, 2025 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। मौजूदा ठहरावों, समय सारिणी, और संरचना के साथ संचालित होती रहेंगी।

गाड़ी संख्या 07005/07006 चर्लापल्ली-रक्सौल-चर्लापल्ली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन अपनी सेवाओं को निम्नानुसार जारी रखेगी- 07, 14, 21, 28 जुलाई, 2025, 04, 11, 18, 25 अगस्त, 2025 एवं 01, 08, 15, 22, 29 सितंबर 2025 तक चर्लापल्ली से चलने वाली गाड़ी संख्या 07005 चर्लापल्ली-रक्सौल स्पेशल ट्रेन अपनी यात्रा जारी रखेगी। 10, 17, 24, 31 जुलाई 2025 और 07, 14, 21, 28 अगस्त 2025 एवं 04, 11, 18, 25 सितंबर 2025 तक रक्सौल से चलने वाली गाड़ी संख्या 07006 रक्सौल-चर्लापल्ली स्पेशल ट्रेन अपनी यात्रा जारी रखेगी।

संरचना- इस स्पेशल ट्रेन में 24 कोच शामिल होंगे 01 (प्रथम वातानुकूलित), 03 (वातानुकूलित 2-टियर), 02 (वातानुकूलित 3-टियर), 12 (स्लीपर), 04 (सामान्य श्रेणी) और 02 (सीटिंग कम लगेज रेक)।

गाड़ी संख्या 07051/07052 चर्लापल्ली-रक्सौल-चर्लापल्ली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन अपनी सेवाओं को निम्नानुसार जारी रखेगी- 05, 12, 19, 26 जुलाई, 2025, 02, 09, 16, 23, 30 अगस्त, 2025 एवं 06, 13, 20, 27 सितंबर, 2025 तक चर्लापल्ली से चलने वाली गाड़ी संख्या 07051 चर्लापल्ली-रक्सौल स्पेशल ट्रेन अपनी यात्रा जारी रखेगी। 08, 15, 22, 29 जुलाई 2025 और 05, 12, 19, 26 अगस्त 2025 एवं 02, 09, 16, 23, 30 सितंबर 2025 तक रक्सौल से चलने वाली गाड़ी संख्या 07052 रक्सौल-चर्लापल्ली स्पेशल ट्रेन अपनी यात्रा जारी रखेगी।

संरचना-इस स्पेशल ट्रेन में 24 कोच शामिल होंगे 01 (प्रथम वातानुकूलित), 02 (वातानुकूलित 2-टियर), 06 (वातानुकूलित 3-टियर), 09 (स्लीपर), 04 (सामान्य श्रेणी) और 02 (सीटिंग कम लगेज रेक)।

यह विस्तार यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने और इन मार्गों पर यात्रियों की बढ़ती मांग पूर्ण करने के उद्देश्य से किया गया है।

कृषि विभाग की टीम ने आधा दर्जन दुकानों में दी दबिश

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। कलेक्टर के निर्देश पर कृषि विभाग की टीम ने फिर छापामार शैली में कार्रवाई की। उन्होंने बिल्हा और मस्तूरी ब्लॉक के आधा दर्जन खाद और कृषि दवाई दुकानों में दबिश दी। गड़बड़ी और लापरवाही पाए जाने पर उन सभी को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। एक सप्ताह में कमियां दुरुस्त कर उनसे रिपोर्ट तलब की गई है। अन्यथा लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खाद, बीज और कृषि दवाइयों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर लगाम कसने के सख्त निर्देश जिला प्रशंसकों दिए हैं। इस क्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर उप संचालक कृषि द्वारा टीम गठित की तत्परता पूर्वक कार्रवाई की जा रही है। उप संचालक पीडी हथेश्वर ने बताया कि जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा विकासखण्ड-बिल्हा और मस्तूरी अन्तर्गत मेसर्स किसान मितान कृषि केन्द्र मोपका, मेसर्स अमृत कृषि केन्द्र सीपत, मेसर्स अग्रवाल खाद भण्डार मल्हार, मेसर्स गुप्ता खाद भण्डार मल्हार, मेसर्स गणेश खाद भण्डार मल्हार एवं मेसर्स कैवर्त कृषि केन्द्र मल्हार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमे मेसर्स किसान मितान कृषि केन्द्र मोपका वि.ख. बिल्हा में उर्वरक एवं बीजों का निर्धारित प्रारूप में स्टॉक पंजी का संधारण नहीं किया जा रहा था।मूल्य और उपलब्ध खाद की मात्रा सूची प्रदर्शित नहीं किये जाने के साथ ही सप्ताहिक एवं मासिक प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराने तथा बीज अनुज्ञप्ति में बिना प्रविष्टि कराये कम्पनियों के बीजों का भण्डारण किये जाने के कारण शो कॉज नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

■ गड़बड़ी और लापरवाही पर थमाया नोटिस

मेसर्स मेसर्स अमृत कृषि केन्द्र सीपत में मूल्य-स्टॉक सूची प्रदर्शित नहीं एवं निर्धारित प्रारूप में स्कंध एवं बिल बुक नहीं पाये जाने पर नोटिस जारी किया गया। मेसर्स अग्रवाल खाद भण्डार मल्हार को मूल्य, स्टॉक सूची प्रदर्शित नहीं एवं निर्धारित प्रारूप में स्कंध एवं बिल बुक नहीं पाये जाने तथा उर्वरक अनुज्ञप्ति में समावेश कराये कम्पनियों के उर्वरकों के अतिरिक्त अन्य कम्पनी के उर्वरकों का भण्डारण किये जाने के कारण नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। मेसर्स गुप्ता खाद भण्डार मल्हार को बिल बुक निर्धारित प्रारूप में संधारण करने हेतु चेतवानी दी गई।

मेसर्स गणेश खाद भण्डार मल्हार को अनुज्ञप्ति में फार्म ओ समावेश कराने, निर्धारित फार्मेट में बिल एवं स्कंध संधारण नहीं किये जाने के कारण करने नोटिश जारी किया गया। इसी प्रकार मेसर्स कैवर्त कृषि केन्द्र मल्हार को कीटनाशक एवं बीज अनुज्ञप्ति में बिना प्रिसिंपल सर्टिफिकेट समावेश के कीटनाशक औषधियों पर विक्रय करने, क्रेताओं को निर्धारित फार्मेट में बिल नहीं दिये जाने, स्कंध पंजी का संधारण नहीं किये जाने पर जवाब तलब किया गया है। जिला स्तरीय निरीक्षण दल में अनिल कुमार शुक्ला सहायक संचालक कृषि, उमेश कश्यप ग्रा.कृ.वि.अ., विजय धीरज ग्रा.कृ.वि.अ.,कार्यालयीन एवं विकासखण्ड मस्तूरी से ए.के.आहिरे प्र.व.कृ.वि.अ., एवं श्रीमती अनामिका वर्मा कृ.वि.अ.उर्वरक निरीक्षक उपस्थित थे।

गणेश नगर वार्ड 46 में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। गणेश नगर वार्ड क्रमांक 46 में शासकीय प्राथमिक एवम् पूर्व माध्यमिक शाला में स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम रखा गया। मुख्य अतिथि वार्ड पार्षद इब्राहिम खान (अब्दुल) जी के विशेष रूप से उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें सभी कक्षा पहली एवं छठवीं में प्रवेश लेने वाले बच्चों को तिलक माला पहना कर गणवेश, पुस्तके, मिठाईयां से स्वागत किया गया। शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि राज बंजारे स्स्ष्ट अध्यक्ष सुनीता सोनी मिडिल, स्स्ष्ट अध्यक्ष सुनीता सोनवानी प्रायमरी, ह्लह्ल फ्रांसिस्का इक्का, रोशनी खांडे, निर्मला बंजारे, मीना बंजारे, मिडिल स्कूल प्रधानपाठक एडिना लाजरस शिक्छकगण राघव राव, शबनम सिद्दीकी, विजय तिर्की, सरिता ठाकुर, प्रभात मिश्रा, प्राथमिक शाला प्रधानपाठिका रौशन आरा खान शिक्छकगण अलीमा बेगम, रजनी नाईक, चंचल मौदेकर, एम आशा, मीनाक्षी सिंह ठाकुर उपस्थिति में संपन्न हुआ।

एसएसपी रजनेश सिंह ने की आवास आवंटन,कॉन्स्टबल से एसआई तक को मिला आवास

आवास आबंटित होने के बाद भी अपने वेतन से बचत कर स्वयं का मकान बनाने हेतु प्रोत्साहित किया गया

पात्र अधिकारी कर्मचारी द्वारा पर्ची निकाल कर किया आवास आबंटन

आवास आबंटन से अधिकारी कर्मचारी में खुशी और उत्साह की लहर

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। जिला पुलिस द्वारा आवास की कमी और आवास हेतु आवेदन को ध्यान में रखते हुए सोमवार को 93 अधिकारी व कर्मचारियों को आवास आबंटन हेतु सूचीबद्ध किया गया और उनके द्वारा पर्ची निकाल कर खाली और निर्मित आवास को आबंटन किया गया।सभी के समक्ष उपस्थित होकर कर्मचारियों को बारी बारी बुला कर पर्ची निकालने बोला गया, जिसका नाम पर्ची में लिखा हुआ निकला उसको आवास आबंटन किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा सभी कर्मचारी और अधिकारी को आवास आबंटन हेतु सूची तैयार कर सभी को आवास आबंटन किए। लगातार आवास हेतु आवेदन और गुज़ारिश को देखते हुए कई आवास जिसका उपयोग कर्मचारी स्वयं भी कर रहे थे या स्थानांतरण और अन्य कारण से निरस्त कर नए आबंटन सूची जारी किया गया।सभी कर्मचारी के हित और उनकी समस्याओं का समाधान करने आवास आबंटन सभी के सामने उनके द्वारा ही निकाली गई पर्ची से निकले नाम के अधिकारी कर्मचारी को आबंटित किया गया।

सभी आवास का निरीक्षण समय समय पर किया जा रहा है स्थानांतरण, सेवानिवृत्ति, स्वयं का आवास निर्माण करने के फलस्वरूप खाली आवास के साथ साथ आवास का सही उपयोग स्वयं न रह कर किसी अन्य को निवास करने, लंबे समय से ताला लगाकर रखने और अन्य कारणों से जो आवास उपयोग नहीं करने के कारण उनके आवास निरस्त कर जरूरत मंद कर्मचारी अधिकारी को आवास आवंटित किया गया।

नए आवास निर्माण हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा है, पुराने आवास के स्थान पर नए आवास बनाने हेतु योजना बनाई जा रही है भविष्य में अधिक से अधिक अधिकारी कर्मचारी के पास आवास उपलब्ध कराने हेतु प्रयास किया जा रहा है।

सभी अधिकारी कर्मचारी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा प्रोत्साहित किया गया कि सभी अपने वेतन से बचत कर स्वयं के मकान बनाने हेतु प्रयास करना चाहिए सभी के पास मूलभूत सुविधाएं मकान वाहन होनी चाहिये ताकि अपने परिवार के साथ खुशी खुशी और सुविधाजनक तरीके से जीवन यापन किया जा सके। जिनको विभाग द्वारा आवास आवंटन हुआ है वो भी अपना स्वयं का मकान बना ले ताकि सेवानिवृत्त होने पर परिवार के साथ सुविधाजनक सुरक्षित तरीके से निवासरत रह सके।

युक्तियुक्तकरण का समाधान, 3 दिन में ज्वाइन करें शिक्षक वरना कार्रवाई

अब नहीं चलेगी कोई बहानेबाजी

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। राज्य शासन द्वारा युक्ति युक्तिकरण के दिये गए निर्देशों के तहत जिले के प्राथमिक शाला के 305, माध्यमिक शाला के 151, हाई स्कूल और हायर सेकंडरी के 74 व्याख्याताओं को अतिशेष पाए जाने पर निर्देशानुसार काउंसिलिंग की प्रक्रिया अपनाई गई। उक्त शिक्षकों द्वारा काउंसिलिंग में शामिल होकर स्थल चयन करने के पश्चात काउंसिलिंग दिनांक को ही पदांकन आदेश जारी किया गया था। प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला के समस्त एवं जिले के भीतर पदांकित किए गए हाई स्कूल और हायर सेकंडरी के व्याख्याताओं को संबंधित ब्लॉक के विकासखंड शिक्षा अधिकारी और प्राचार्यों के द्वारा कार्यमुक्त कर दिया गया। कुछ अतिशेष शिक्षको के द्वारा युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया से असंतुष्ट होकर माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ में याचिका दायर की गई।

उक्त याचिका के तहत माननीय न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के तहत कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला युक्ति युक्तकरण समिति द्वारा 105 प्रकरणों की सुनवाई की गई तथा 65 प्रकरणों का निराकरण कर आदेश जारी किया गया। जिला युक्ति युक्तकरण समिति के द्वारा अभ्यावेदन के निराकरण के पश्चात सभी शिक्षकों को आदेशित किया गया है कि अगले 3 कार्य दिवस के भीतर वे अपने नवीन पदांकित स्थान पर कार्यभार ग्रहण करें। कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। इससे पहले कोरबा जिले में विभिन्न स्कूलों से संबंधित प्रकरणों को लेकर समाधान के रास्ते तलाशे गए। कई मामलों में शिक्षकों के द्वारा आपत्ति लगाई गई जिसका निराकरण प्रशासन व शिक्षा विभाग ने किया। इसके बावजूद कई तर्कों के आधार पर शिक्षकों ने व्यक्तिगत या संगठन के जरिए कोर्ट में मामले को लगाया।

इस सिलसिले में प्रशासन ने अभ्यावेदन प्रस्तुत किया, जिस पर अंतिम निराकरण कर दिया गया। अब दबाव है कि अब तक जिन शिक्षकों ने नवीन पदस्थापना में जाने रूचि नहीं ली है वे 3 दिन के भीतर कामकाज संभाले। अन्य स्थिति में उन पर कार्यवाही तय है।

जैन मंदिर में दीक्षा महोत्सव अभिषेक से हुई शुरूआत

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। बुधवारी बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर में संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज का 58वां दीक्षा स्मृति महोत्सव एवं आर्यिका रत्न 105 अखंड मति माता का 34वां आर्यिका दीक्षा महोत्सव समस्त जैन समाज के लोगों द्वारा आचार्य छत्तीसगढ़ विधान के साथ मनाया गया।

ज्ञात हो कि विगत 12 दिनों से संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य नवाचार्य समयसागर महाराज के संघ की आर्यिका रत्न आदर्श मति माता के संघस्थ आर्यिका रत्न 105 अखंडमति माता, 105 अभेदमति माता एवं 105 ध्यान मति माता संघस्थ बुधवारी बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान है। जैन मिलन समिति के पूर्व उपाध्यक्ष दिनेश जैन ने बताया कि सोमवार को प्रात: 7 बजे से ही नित्य नियम अभिषेक, शांति धारा एवं नव देवता पूजन के बाद आचार्य श्री छत्तीसगढ़ के साथ दीक्षा स्मृति महोत्सव मनाया गया। जिसमें आचार्य श्री के जीवन की उपलब्धियां एवं संस्मरण के बारे में बताया। साथ ही जैन समाज की समस्त पुरुष एवं महिलाओं ने नृत्य संगीत एवं गाजेबाजे के साथ बड़े धूमधाम से मनाया जिसमें गीत संगीत की धुन पर नाच कहानी के साथ आनंदपूर्वक लाभ उठाया।

डॉ. महतो की मनाई जयंती, किए कई कार्यक्रम

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। पूर्व सांसद डॉ. बंशीलाल महतो की 85वीं जयंती पर जिले में विभिन्न सामाजिक व सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा वृक्षारोपण, फल वितरण, स्टेशनरी वितरण, भोजन सेवा तथा वृद्धजनों को उपहार भेंट कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

फरसवानी मंडल में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को फल वितरण के साथ पौधे लगाए गए। जिला पंचायत सदस्य सुष्मिता कमलेश अनंत द्वारा उरगा शासकीय विद्यालय में विद्यार्थियों को स्टेशनरी का वितरण किया गया। दीपका नगर पालिका परिषद के नेतृत्व में भी पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। पोड़ी-उपरोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संतोष जायसवाल के नेतृत्व में मरीजों को फल वितरित किए गए। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वैशाली रत्नपारखी के मार्गदर्शन में विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं दर्री छात्रावास में बच्चों को स्टेशनरी वितरण किया गया। बालको क्षेत्र में पार्षद तरुण राठौर के नेतृत्व में स्थानीय स्कूलों में स्टेशनरी वितरण एवं बालको पदाधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। सर्वमंगला मंडल में पार्षद भानुमति माधव जायसवाल व रामाधार पटेल द्वारा वृद्धा आश्रम में भोजन वितरण किया गया। भाजपा जिला महामंत्री संतोष देवांगन द्वारा वृद्धजनों को छाता भेंट किए गए। वहीं महापौर संजू देवी राजपूत एवं भाजपा नेता पंकज प्रजापति के नेतृत्व में जिला अस्पताल एवं विभिन्न आश्रमों में भोजन वितरण कर डॉ. महतो को सच्ची श्रद्धांजलि दी गई।

बारिश में टूटे तारों से बनाए दूरी, एडवायजरी जारी

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। कोरबा में बारिश के मौसम में बिजली से करंट के खतरे को देखते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने जनता के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। बारिश के दौरान बिजली के खंभों, तारों, और ट्रांसफॉर्मर से होने वाले हादसों में कई बार जानलेवा घटनाएं हो चुकी हैं, जिसका मुख्य कारण जानकारी का अभाव है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि बिजली की लाइनों, ट्रांसफॉर्मर या उपकरणों के साथ छेड़छाड़ न करें और सुरक्षित दूरी बनाए रखें। आंधी-तूफान में टूटे तारों या खंभों की सूचना तुरंत टोल-फ्री नंबर 1912, मोर बिजली ऐप, या नजदीकी वितरण केंद्र पर दें। बारिश में बिजली के उपकरणों से दूर रहें और किसी भी क्षतिग्रस्त लाइन को न छुएं।

कार्यपालक निदेशक एके अंबस्ट ने बताया कि बारिश के पानी में बिजली के तारों या उपकरणों से करंट फैलने का खतरा रहता है। इसलिए पानी में चलने या तैरने से बचें। बिजली के उपकरणों का उपयोग करते समय सूखे पैर और रबर या प्लास्टिक के जूते पहनें।

बारिश में बिजली सुरक्षा के लिए विशेष सावधानियां

गुणवत्तापूर्ण विद्युत उपकरणों का उपयोग करें। खेतों की बाड़ या कंटीले तारों में बिजली प्रवाहित न करें। बिजली लाइन या ट्रांसफॉर्मर की खराबी को स्वयं ठीक करने का प्रयास न करें। विद्युत लाइनों के नीचे कोई निर्माण कार्य न करें। टूटे हुए बिजली के तार के पास न जाएं और दूसरों को भी रोकें। नदी, नाले, या तालाब में गिरे तारों से दूर रहें। हुकिंग से बिजली का उपयोग न करें, यह अवैध और खतरनाक है। बिजली के खंभों या स्टे तारों पर कपड़े न सुखाएं। कटी-फटी सर्विस लाइन का उपयोग न करें। विभाग ने लोगों से बरसात के मौसम में सतर्कता बरतने और इन सावधानियों का पालन कर सुरक्षित रहने की अपील की है।

नशे में पीडीएस संचालक ने की मारपीट

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। कुसमुंडा थाना अंतर्गत एक उचित मूल्य दुकान के संचालक ने शराब के नशे में एक घर की दीवार फांद कर और छप्पर को तोड़ कर दहशतगर्दी मचाते हुए मारपीट को अंजाम दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। खबर के अनुसार आरोपी शिव कुमार गोस्वामी उर्फ शंकू गोस्वामी पीडीएस दुकान का संचालक है व ग्राम पंचायत खोडरी के चुरैल का निवासी है। आरोपी का पीड़ित परिवार की युवती से पूर्व में कथित प्रेम प्रसंग था लेकिन युवती के मना करने के बाद भी वह उसे प्रताड़ित कर ब्लैकमेल करता था व जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद युवती के परिजनों ने पुलिस की मदद ली और युवती को किसी को बिना बताए घर से दूर भेज दिया। इधर आरोपी द्वारा युवती का पता पीड़ित परिवार के लोगों से पूछकर और पता नहीं बताने पर मारपीट किया। अपने अन्य परिजनों के साथ रात 12 से 1 बजे के बीच पीड़ित के घर घुसकर मारपीट को अंजाम दिया। बताया गया कि आरोपी विवाहित है और उसके बच्चे भी हैं फिर भी इस तरह से परेशान किए हुए है। इस सबकी शिकायत पुलिस से की गई है, जिसके द्वारा अपराध क़ायम कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

प्री रीजन आफिसर्स मीट आयोजित

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। लायंस क्लब ऑफ द्वारा रविवार को प्री रीजन आफिसर्स मीट एवं स्कूलिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वज वंदना के साथ लायंस क्लब्स इंटरनेशनल के संस्थापक मेल्विन जोन्स के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित कर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीएमजेएफ जयप्रकाश अग्रवाल पूर्व मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन व डि. के सलाहकार, प्रमुख वक्ता एमजेएफ बसंत मिश्रा पूर्व प्रांतपाल एवं डि. के प्रमुख सलाहकार, विशिष्ट अतिथि डॉ. वीके अग्रवाल पूर्व प्रांतपाल, राजकुमार अग्रवाल उपसिति थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोहित राजवाड़े ने की। रीजन चेयरमेन एसके अग्रवाल ने रीजन के सभी क्लबों से आने वाले वर्ष में किए जाने वाले विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी ली। जयप्रकाश अग्रवाल एवं प्रमुख वक्ता एमजेएफ बसंत मिश्रा द्वारा स्कूलिंग कराया गया। कार्यक्रम में श्रीकांत बुधिया, सत्येन्द्र वासन, एमजेएफराजकुमार अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, पुरषोत्तम अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, शिव अग्रवाल रीजन सचिव, सुभाष अग्रवाल, संतोष खरे, हरीश अग्रवाल, गिरधारी लाल अग्रवाल, एम.जे.एफ संतोष कुमार अग्रवाल, दशरथ शर्मा, ब्रिजमोहन दुबे, वासुदेव देवांगन, संतोष कुमार सोनी, कैजर हुसैन, डॉ जी.पी. दूबे, मुकेश केशरवानी, शेख काजिम उपस्थित थे।

बैगा के खिलाफ टोनही प्रताड़ना का मामला दर्ज

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। करतला के एक गांव में जादू-टोना के नाम पर युवती और उसके परिवार को धमकाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने गांव के बैगा बनवारी लाल पटेल के खिलाफ टोनही प्रताड़ना अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार करतला विकासखंड के एक गांव में रहने वाली 21 वर्षीय युवती ने बताया कि छह माह पहले उसके माता-पिता की तबीयत खराब होने पर वह उन्हें इलाज के लिए बैगा बनवारी लाल पटेल के पास ले गई थी। बैगा ने झाड़फूंक किया, जिसके बाद माता-पिता की सेहत में सुधार हुआ। कुछ समय बाद युवती को सीने में दर्द की शिकायत हुई, तब वह फिर बैगा के पास गई। इस दौरान बैगा ने युवती से शादी का प्रस्ताव रखा, जिसे युवती और उसके परिवार ने ठुकरा दिया। इसके बाद बैगा ने जादू-टोना का डर दिखाकर युवती और उसके माता-पिता को धमकाना शुरू कर दिया।

उसने कहा कि यदि उसकी बात नहीं मानी गई तो वह जादू-टोना कर पूरे परिवार को मार देगा। शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे बैगा बनवारी लाल पटेल युवती के घर पहुंचा और फिर से जादू-टोना के नाम पर धमकी दी। युवती ने इसकी जानकारी अपने मामा को दी, जिन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए परिवार को उरगा थाने में शिकायत दर्ज करने की सलाह दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाहनों में हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने कैंप

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। सड़कों पर बिना हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) दौड़ रहे वाहनों के लिए एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने के लिए कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी कोरबा ने बताया कि 30 जून से 02 जुलाई तक चोटिया में राजमन परिवहन सुविधा केन्द्र डूमरकछार में शिवाली परिवहन सुविधा केंद्र और उरगा चौक में मनोज सुविधा केन्द्र में नंबर प्लेट लगाने शिविर लगाया जा रहा है। इसी तरह 03 जुलाई से 05 जुलाई तक कोरबा में राजमन परिवहन सुविधा केन्द्र, पाली जनपद पंचायत में शिवाली परिवहन सुविधा केंद्र और टीपी नगर कोरबा में मनोज सुविधा केन्द्र में नंबर प्लेट लगाने शिविर लगाया जायेगा।

देवपहरी में वेदारम्भ संस्कार 3 को

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। एकलव्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गौमुखी सेवा धाम देवपहरी में वेदारम्भ संस्कार शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम 3 जुलाई को सुबह 10 बजे से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी तामेश्वर उपाध्याय एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सत्यनारायण बुधिया होंगे।

ट्रेलर की ठोकर से कार चालक गंभीर

कोरबा-पाली, 30 जून (देशबन्धु)। पाली-कोरबा मार्ग पर रॉन्ग साइड ड्राइविंग के कारण एक बार फिर गंभीर दुर्घटना की खबर सामने आई है। सोमवार की सुबह एक ट्रेलर चालक ने लापरवाहीपूर्वक रॉन्ग दिशा में गाड़ी चलाते हुए सही दिशा में जा रही एक कार को टक्कर मार दी, जिसके परिणामस्वरूप कार सवारों को गंभीर चोटें आईं। घायलों को तत्काल 112 की टीम ने पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पाली-माखनपुर मार्ग पर इस तरह की दुर्घटनाएं आए दिन हो रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार अधिकांश हादसों का कारण रॉन्ग साइड ड्राइविंग और लापरवाही है। इस क्षेत्र में रॉन्ग दिशा में वाहन चलाने वाले चालक सही दिशा में चल रहे वाहनों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे सड़क सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा बन गया है।

एशिया की बड़ी खदान दीपका को देखा कोयला राज्य मंत्री ने

काम करने वाली सरकार ने 22 घंटे बिजली सुनिश्चित की

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने सोमवार को एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान दीपका का व्यू पॉइंट से निरीक्षण किया और एसईसीएल के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा श्रमवीरों को संबोधित किया।

श्री दुबे ने कहा कि यह वही खदान है, जिसने देश को अंधेरे से उजाले की ओर अग्रसर किया। उन्होंने कहा कि पहले बिजली देखने को लोग तरसते थे, आज काम करने वाली सरकार ने 22-23 घंटे बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित की है। यह कोयला खदानें ऊर्जा के साथ-साथ विकास की किरण भी लेकर आई हैं। उन्होंने बताया कि एसईसीएल द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गरीब बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विशेष कार्य किया जा रहा है। एक पेड़ मां के नाम अभियान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि जितने पेड़ हमने काटे हैं, उससे अधिक पौधे लगाए जाएं। राज्य मंत्री श्री दुबे ने कहा कि कोल खदानों के साथ-साथ अब दुर्लभ खनिजों की खोज में भी सफलता मिलने पर भारत वैश्विक स्तर पर और मजबूती से उभरेगा। उन्होंने अधिकारियों और संविदा कर्मचारियों की संयुक्त भूमिका की सराहना की और कहा कि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराया गया अनुकूल वातावरण इस दिशा में सहयोगी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि 2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में हम सभी को साथ मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश में हर वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंच रही है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री दुबे ने खदान क्षेत्र की मेस में श्रमवीरों से भेंट कर उनके भोजन, भुगतान, चिकित्सीय सुविधाओं आदि की जानकारी ली और उनकी समस्याओं पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने श्रमिकों के उत्साहवर्धन हेतु क्रिकेट एवं वॉलीबॉल खेलों में भी भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व सांसद प्रतीक गांधी, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, एसईसीएल के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रमवीर उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

गौरीशंकर अग्रवाल का मोदी ने किया स्वागत

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल के कटघोरा प्रवास के दौरान पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

शिक्षिका को दी गई विदाई

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 कोरबा में हिंदी प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका श्रीमती माया गुप्ता के सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। केंद्रीय विद्यालय के लिए यह भावुक पल खुशियों में बदल गए जब विद्यालय के नए प्राचार्य बीएस आहिरे ने माया गुप्ता को विदाई देते हुए विद्यालय का कार्यभार भी ग्रहण किया।

अभाविप के सोनी संयोजक, आयुष विभाग प्रमुख बने

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। अंबिकापुर में आयोजित अखिल भारतीय विधार्थी परिषद के राष्ट्रीय स्तर के अभ्यास वर्ग में शिरकत करने वाले अखिल भारतीय विधार्थी परिषद के नगर मंत्री निहाल सोनी को कोरबा जिला संयोजक का दायित्व दिया गया है। नगर मंत्री के पद पर रहते हुए निहाल ने छात्र हित से जुड़े मुद्दे लगातार उठाते रहे है इनके जिला संयोजक की जिम्मेदारी संभालने के विधार्थी परिषद की गतिविधियों मे तेजी आएगी। विभाग प्रमुख का दायित्व आयुष शर्मा को सौंपा गया है।

लोको पायलट टंकेश का मुंबई में सम्मान

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोरबा क्षेत्र में कार्यरत डॉ. टंकेश कुमार महंत को मुंबई में आयोजित एक का समारोह में शिक्षा शिरोमणि सम्मान से अलंकृत किया गया। रेलवे की नौकरी के साथ समाज सेवा करते हुए 25 से अधिक लोगों को रोजगार दिलाने में महंत ने प्रयास किया। वे लगातार अपने संपर्क में आने वाले युवकों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उनके इस समर्पण को देखते हुए मुंबई में एक संगठन के द्वारा उनका सम्मान किया गया। टंकेश की सफलता पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने बधाई दी है।

साहित्यकार गायत्री की काव्य कृति का विमोचन

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। लंबे समय से साहित्य क्षेत्र में सक्रिय कवियत्री गायत्री शर्मा लिखित साहित्यिक कृति दिन उजाले आ गए, और योगेश जिंदल की अमृत बरसे, बरसे प्यार का विमोचन एक समारोह में जाने-माने साहित्यकार राजीव शर्मा व रविन्द्र पहलवान ने किया। हास्य योग साहित्य समिति केआयोजित कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष जनार्दन शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रभा तिवारी ने मां सरस्वती वंदना और मनोरमा जोशी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अध्यक्ष सुषमा शुक्ला ने संचालन किया। संतोष तोषनीवाल, पुष्पा पालीवाल मीना अग्रवाल, स्मिता लोणकर, स्मिता पाटीदार, अशोक द्विवेदी अशोक गर्ग, आशा शर्मा, डॉ अरुण सर्राफ, संगीता गुप्ता, अपराजिता दास व डॉ ज्योति सिंह अन्य कवियों ने पितृ दिवस पर व अन्य विषयों पर सुंदर रचनाओं से समां बांधा। विमोचन कार्यक्रम के पश्चात रंजना शर्मा ने पुस्तक दिन उजाले आ गये की समीक्षा की।

भुलसीडीह में अजगर मिला बिस्तर में

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। बरसात के मौसम में छत्तीसगढ़ के दूसरे बड़े नागलोक कोरबा जिले में यहां वहां खतरनाक प्रजाति के सर्प के अलावा अजगर निकालने का सिलसिला जारी है। इस वजह से लोगों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। भुलसीडीह गांव में रहने वाले समीर निषाद का परिवार अपने बिस्तर में अजगर की उपस्थिति देख बुरी तरह से डर गया। रात्रि में बिजली गुल के दौरान हल्के प्रकाश में समीर की नजर अजगर पर पड़ी। यह दृश्य देख परिवार की चिंता बढ़ गई। उनके द्वारा स्नेक रेस्क्यू टीम को इस बारे में जानकारी दी। कुछ देर के बाद जितेंद्र सारथी यहां पहुंचे और उन्होंने अजगर का रेस्क्यु कर निषाद परिवार को भयमुक्त किया।

कृष्ण कुमार अग्रवाल का निधन

कोरबा, 30 जून (देशबन्धु)। पुरानी बस्ती दुरपा रोड निवासी वरिष्ठ नागरिक कृष्ण कुमार अग्रवाल (के.के.) का 79 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे धर्मपत्नी, पुत्र रोशन अग्रवाल,टामेश अग्रवाल (पार्षद वार्ड 5 देवांगन पारा), धनेश अग्रवाल,पुष्पेश अग्रवाल सहित भरा-पूरा परिवार रोता-बिलखता छोड़ गए हैं। श्री अग्रवाल के निधन की खबर से उनके परिजनों, परिचितों सहित नगरजनों व बस्ती वासियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। स्वर्गीय अग्रवाल की अंतिम यात्रा उनके दुरपा रोड स्थित निवास से 1 जुलाई को दोपहर 12:30 बजे प्रारम्भ होगी व मोती सागर पारा के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सार-संक्षेप

योग किसी सरहद और धर्म से परे बंधुत्व की भावना से बंधा होता है-उप संचालक सिन्हा

मनेद्रगढ़,01 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ शासन समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक एवं योग एवं आयुर्वेद के पक्षधर रमेश कुमार सिंहा का एमसीबी योग सेवा समिति के द्वारा , सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध वरिष्ठ साहित्यकार एवं कार्टूनिस्ट जगदीश पाठक ने की। उपसंचालक सिन्हा की सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित विदाई समारोह पर कार्यक्रम के संयोजक सतीश उपाध्याय ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश कुमार सिंहा का जीवन परिचय, उनकी सेवाकालीन विशिष्ट उपलब्धियां और 40 वर्ष की लंबी साहित्य साधना का उल्लेख किया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायक जसवीर सिंह रैना उर्फ बबलू एवं पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी श्रीमती बलबीर कौर ने अपने विशिष्ट गायन से कार्यक्रम को नई ऊंचाइयां प्रदान की। आमंत्रित अतिथियों का स्वागत हरित योग की मूल भावना के तहत डॉ संदीप चंदेल, एवं समाज सेविका श्रीमती रूपा पोद्दार ने हरे भरे गमले भेंट करके किया । अपने उद्बोधन में समाज कल्याण विभाग के संचालक रमेश कुमार सिन्हा ने योग की व्याख्या करते हुए कहा कि आज मैं ऐसे योग मंच पर खड़ा हूं जो निरंतर 20 वर्षों से बगैर किसी हताशा और निराशा के मनेद्रगढ़ नगर में संचालित है उन्होंने योग के संबंध में इस नारे को बुलंद किया- न कोई सरहद , न कोई धर्म, हर कोई समझ रहा योग का मर्म। उन्होंने योग को सांसों के साथ संवाद की कला बताते हुए कहा कि -योग ध्यान और मौन का माध्यम है। योग समाधि की राह दिखाता है और योग देश की सीमाओं से परे है। सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं कार्टूनिस्ट जगदीश पाठक ने इस बात की प्रसन्नता व्यक्त किया कि लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं और प्रतिदिन अपने दैनिक दिनचर्या में योग को समाहित किए हुए हैं अंत में उन्होंने अपने चुटीली कविताओं से वातावरण को प्रफुल्लित कर दिया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश पांडे, चंद्रेश परिहार ,भैरव केसरवानी ,रामसेवक विश्वकर्मा, जगदंबा अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, पिंकी रैना नीलम दुबे ,सुनीता मिश्रा, कविता मंगतानी ,प्रियंका अग्रवाल, आर डी दिवान ,संध्या साहू, आदि योग साधक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सतीश उपाध्याय एवं जसवीर सिंह रैना ने किया।

कुंवारपुर वन परिक्षेत्र में भ्रष्टाचार चरम पर अधिकारी मौन

चिरमिरी,01 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के कुंवारपुर वन परिक्षेत्र का मामला आए दिन सुर्खियों में है वन विभाग में भ्रष्टाचार एक गंभीर मुद्दा है, जिसमें अक्सर अधिकारियों की मिलीभगत शामिल होती है। यह मामला एमसीबी जिले के वन मंडल -मनेंद्रगढ़ के कुंवारपुर से सामने आया है, जहां वन परिक्षेत्राधिकारी पर निर्माण एक कार्य में सरकारी पैसे का भारी दुरुपयोग एवं गोलमाल करने का आरोप लग रहा है। वन विभाग के अधिकारी ने सरकारी योजनाओं के तहत आवंटित धन का दुरुपयोग किया और घटिया निर्माण कार्य किया। कुंवारपुर में वन परिक्षेत्राधिकारी ने निर्माण कार्य में निर्माण के मापदंडों को पूरा करने की बजाय जंगल में बिना कुछ कराए सरकारी पैसे का बन्दर वाट किया गया है,

वन विभाग में भ्रष्टाचार के प्रभाव

इस कदर बढ़ता जा रहा है कि आने वाला समय में वन विभाग के अधिकारी ही पूरा का पूरा जंगल बेच डालेंगे और किसी को भनक तक नहीं लगेगा यह हाल बनाया है वन विभाग का क्या होगी कार्यवाही यह सवाल उन उन जिले के मुख्या पर है और उन अधिकारियों से है जो आज जिला में अपनी हुकूमत चला रहे है की ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्यवाही करने से डर रहे है या फिर वो कुंवारपुर के रेंजर ने उन सभी अधिकारियों को अपने बस में कर लिया है जो कार्यवाही नहीं होने दे रहे हैं। अधिकारी पर भी सवाल उठता है कि कार्यवाही करने में इतना विलंब क्यों और नहीं करने का कारण सवाल है कुंवारपुर के रेंजर आए दिन सुर्खियों में बने रहते हैं फिर भी अधिकारी मौन क्यों ? यह बहुत बड़ा सवाल आम जन मानस सोचने को मजबूर हैं।

युक्तियुक्तकरण से स्कूलों में फिर से सुनाई दे रहे हिंदी अंग्रेजी के पाठ और गणित के सवालों की गूंज

रायगढ़, 01 जुलाई (देशबन्धु)। युक्तियुक्तकरण से कई स्कूलों में रौनक लौट आई है। ऐसे स्कूल जिनमें बच्चे तो थे लेकिन पढ़ाने वाले शिक्षक के अभाव में कक्षाएं सूनी हो चुकी थी, वहां युक्तियुक्तकरण के बाद अब फिर से हिंदी के पाठ, अंग्रेजी के लेसन और गणित के सवालों की गूंज है।

लैलूंगा के पाकरगांव में प्राथमिक शाला है। यह 4 सालों तक एकल शिक्षकीय स्कूल रहा। उसके बात पिछले दो सालों में यहां के शिक्षक के अन्यत्र पदस्थापना से स्कूल शिक्षक विहीन हो चला था। यहां के बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा था। पालकों में भी अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नेतृत्व में सरकार द्वारा किए स्कूली शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के बाद पाकरगांव के प्राथमिक शाला की तस्वीर भी बदल चुकी है। अब तक शिक्षक विहीन रहे इस स्कूल में युक्तियुक्तकरण के बाद दो शिक्षकों की पदस्थापना हो चुकी है। शिक्षकों के यहां आने से कक्षाएं फिर से नियमित रूप से लग रहे हैं। यहां अब अक्षरज्ञान से लेकर हिंदी के पाठ पढ़े जा रहे हैं। इंग्लिश वर्ड्स के उच्चारण और अर्थ सीखने के साथ अंग्रेजी के लेसन समझे जा रहे हैं। पहाड़ों के साथ गणित के सवाल सुलझाए जा रहे हैं। बच्चों के साथ साथ पालकों में भी उत्साह है।

शाला प्रबंधन समिति भी युक्तियुक्तकरण के कदम से काफी हर्षित है। पाकरगांव प्राथमिक शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष त्रिनाथ सतपथी कहते हैं कि उनके गांव का स्कूल अब फिर से यहां के बच्चों के लिए ज्ञान अर्जन का केंद्र बन गया है। उन्होंने बताया कि सरकार के युक्तियुक्तकरण के निर्णय ने हमारे गांव के स्कूल को दो शिक्षक मिले हैं। अब यहां अच्छे से पढ़ाई-लिखाई हो रही है। गांव में इसको लेकर काफी खुशी है। उन्होंने युक्तियुक्तकरण के पहल के लिए सभी पालकों और गांव वालों की ओर से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताया।

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में करे काम-कलेक्टर

गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन और शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने समन्वय से काम करें संबंधित विभाग

नवप्रवेशित बच्चों के जाति-आय-निवास प्रमाण पत्र में लाएं तेजी

ई श्रम पोर्टल में बढ़ाएं श्रमिकों का पंजीयन

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

रायगढ़, 01 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय काम- काज की समीक्षा की। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन और उन्हें मातृत्व वंदन योजना से जोडऩे में धीमी प्रगति पर स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने दोनों विभागों को आपसी समन्वय से काम करते हुए गर्भवती महिलाओं के समुचित देखभाल और उन्हें शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि में जच्चा-बच्चा के सेहत की पूरी निगरानी की जाए, इसमें कहीं लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की हिदायत दी। डेंगू से बचाव के लिए नगर निगम के साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय और स्वास्थ्य अमले के बीच जरूरी समन्वय हो। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को नगर निगम अमले को टेमीफॉस की दवा छिड़काव के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अन्य मौसमी बीमारियों के लिए स्वास्थ्य अमले को अलर्ट मोड में काम करने के लिए निर्देशित किया। दूरस्थ इलाकों में विशेषज्ञ चिकित्सकों से इलाज के लिए टेली मेडिसन की सुविधा के लिए अच्छे क्वालिटी के कैमरे और स्क्रीन की व्यवस्था अस्पतालों में करने और डॉक्टरों की लिस्टिंग करने के निर्देश उन्होंने सिविल सर्जन को दिए।

नव प्रवेशित स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने की प्रगति की भी समीक्षा बैठक में की गई। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिला शिक्षाधिकारी को निर्देशित किया कि अगले 15 जुलाई तक सभी नव प्रवेशित बच्चों के जाति प्रमाण तैयार कर उन्हें वितरित करने हैं। इसके लिए विभाग सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करते हुए जाति प्रमाण पत्रों का निर्माण सुनिश्चित करवाया जाए। दिव्यांग बच्चों के यूडीआईडी कार्ड बनाने के लिए कैंप लगाए जाने पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने लगातार कैंप आयोजित कर दिव्यांग बच्चों के कार्ड बनाने के निर्देश दिए।

ई-श्रम पोर्टल में जिले के श्रमिकों के पंजीयन को लेकर कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने श्रम अधिकारी से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन श्रमिकों का पंजीयन नहीं हुआ है, उन्हें सेक्टर के अनुसार चिन्हांकित करें और जल्द सबका पंजीयन पोर्टल पर करवाएं। फॉर्मर रजिस्ट्री के प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कहा कि धान खरीदी के लिए पंजीकृत किसानों में से जो शेष बचे हैं उनका पंजीयन एक सप्ताह के भीतर पूरा करें।

इस अवसर पर सहायक कलेक्टर अक्षय दोशी, अपर कलेक्टर श्री रवि राही, अपर कलेक्टर श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो, अपर कलेक्टर डॉ.प्रियंका वर्मा, आयुक्त नगर निगम श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय, संयुक्त कलेक्टर श्री राकेश कुमार गोलछा, सहित समस्त विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्पतालों में बीपी शुगर की अनिवार्य रूप से हो जांच

कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व सब हेल्थ सेंटर्स में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के बीपी शुगर की जांच अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों में बीपी शुगर को लेकर जागरूकता का अभाव रहता है। जिससे सही समय पर व्यक्ति अपना इलाज शुरू नहीं कर पाता है। इससे दूसरी बीमारियों का अंदेशा बना रहता है। इसलिए जरूरी है कि इलाज के लिए आने वाले मरीजों की बीपी शुगर जांच की जाए।

महाराजपुर टोल प्लाजा पर कांग्रेस जिला प्रवक्ता से अभद्रता, मामला बिगड़ा तो टोल कर्मियों ने मांगी माफ़ी

मनेंद्रगढ़,01 जुलाई (देशबन्धु)। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं कार्यालय प्रभारी सौरव मिश्रा जब परिवार सहित बैकुंठपुर जा रहे थे, तो रास्ते में महाराजपुर टोल प्लाजा पर असम्मानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ा। दरअसल, उनके वाहन का फास्ट टैग निकल चुका था, जिस पर उन्होंने गाड़ी नंबर से पैसे कटने की बात की, लेकिन टोल पर तैनात कर्मचारी गोविंद ने अभद्र भाषा और गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। अचानक हुए इस व्यवहार से घबराकर जिला प्रवक्ता हड़बड़ा गए और टोल से आगे निकल गए। घटना की जानकारी मिलते ही कांग्रेस जनों में आक्रोश फैल गया और सैकड़ों की संख्या में नेता व कार्यकर्ता टोल प्लाजा पर पहुंच गए, आरोपी टोलकर्मी को बुलाने की मांग को लेकर घंटों तक हंगामा हुआ उसके बाद स्थानीय प्रशासन ने टोल प्रबंधक एवं कांग्रेसी नेताओं से बात कर मामले को शांत कराया।

विवाद कैसे शांत हुआ ?

बैकुंठपुर से लौटने के बाद जब जिला प्रवक्ता महाराजपुर टोल प्लाजा पहुंच रहे थे तो वह कांग्रेस के कार्यकर्ता पहले ही मौजूद थे, काफी हो हंगामे के बाद मामले को शांत कराया गया, टोल प्रबंधन ने मौके की गंभीरता को समझते हुए तुरंत हस्तक्षेप किया, टोल मैनेजर और आरोपी कर्मचारी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। इसके बाद विवाद को समाप्त किया गया, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने साफ़ चेतावनी दी कि जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों और परिवार के साथ यात्रा कर रहे लोगों के साथ इस प्रकार का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मुद्दे पर जिला प्रवक्ता सौरव मिश्रा से उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने कहा कि यह घटना सिर्फ एक व्यक्ति के नहीं, बल्कि आम नागरिकों की गरिमा पर हमला है टोल प्लाजा में बैठे टोल कर्मी अपनी मर्यादा भूल जाते है मेरे साथ घटित घटना केवल उदाहरण मात्र है प्रतिदिन ऐसे कितने लोगों को टोल कर्मियों के दुर्व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ता होगा। टोल मैनेजर और आरोपी कर्मचारी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है जिससे मामला खत्म हो गया है परंतु कभी भी किसी के साथ भी इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति हुई तो कांग्रेस पूरे जिले के कार्यकर्ताओं के साथ टोल प्रबंधक के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि घटना घटित घटना बेहद दुर्भागजनक है पूरे प्रदेश में सौरव मिश्रा सबसे कम उम्र के जिला प्रवक्ता एवं कार्यालय प्रभारी है उनकी पहचान प्रदेश के सबसे सक्रिय जिला प्रवक्ता के रूप में है। जब जिला प्रवक्ता जो पत्रकारों से समन्वय स्थापित कर पार्टी की बात आम जनों तक पहुंचाते हैं एवं कार्यालय प्रभारी के रूप में प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सूचना, अनुमति, बैठक जैसे गंभीर मुद्दों पर कार्य करते है उनके साथ इस तरीके की घटना घटित हो सकती है तो आम जनता से क्या होता होगा इसकी तो परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है। श्रीवास्तव ने कहा मुद्दे को एन एस यू आई के कार्यकर्ताओं ने ही संभाल लिया था परन्तु अब इस तरीके की घटना दुबारा घटित हुई तो पूरी कांग्रेस टोल प्रबंधक के खिलाफ मोर्चा खोलेगी। श्रीवास्तव के कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर प्रशासनिक समीक्षा और टोल कर्मचारियों के प्रशिक्षण की भी माँग करेगी क्योंकि ऐसी घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या सार्वजनिक टोल प्लाज़ा पर कर्मचारी व्यवहार और जवाबदेही को लेकर कोई ठोस नियम हैं ? कांग्रेसजनों की एकजुटता और शांतिपूर्ण दबाव से यह स्पष्ट हो गया कि अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाई जाए तो बदलाव संभव है।

पीएचई ने नागपुर पुलिस चौकी में खराब हैंडपंप को किया दुरुस्त, जल आपूर्ति हुआ बहाल

एमसीबी, 01 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के अंतर्गत विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत नागपुर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हैंडपंपों की मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसी क्रम में विभागीय तकनीकी कर्मचारियों की सक्रिय टीम ने पुलिस चौकी परिसर में लंबे समय से खराब पड़े हैंडपंप की मरम्मत कर जल आपूर्ति बहाल कर दी है। इस कार्य में पुलिस विभाग का भी सराहनीय सहयोग देखने को मिला। मरम्मत के दौरान एक पुलिस कर्मी स्वयं उपस्थित रहे और आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान की। यह दृश्य विभागीय तत्परता और विभिन्न शासकीय संस्थाओं के आपसी समन्वय का बेहतरीन उदाहरण बन गया। स्थानीय नागरिकों और पुलिस चौकी के स्टाफ ने हैंडपंप की मरम्मत के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का आभार प्रकट करते हुए बताया कि इस हैंडपंप के बंद हो जाने से बीते कई दिनों से पानी की भारी परेशानी हो रही थी। अब इसके पुनः चालू हो जाने से न सिर्फ पुलिस चौकी बल्कि आसपास के रहवासियों को भी स्वच्छ पेयजल की सुविधा सुलभ हो सकेगी, जिससे बरसात के मौसम में जल जनित बीमारियों से भी बचाव संभव होगा।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्षा ऋतु के आगमन को देखते हुए जिलेभर में हैंडपंपों की मरम्मत, जल स्रोतों का क्लोरिनेशन और उनकी सतत निगरानी का कार्य प्राथमिकता पर किया जा रहा है। विभाग का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर व्यक्ति तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाया जा सके, जिससे ग्रामीण जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। विभाग की यह पहल न केवल पेयजल संकट के समाधान की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि शासन की जनकल्याणकारी सोच का भी प्रतिबिंब है।

ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को मिलेगा नवोदय, प्रयास एवं सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा की निशुल्क तैयारी का अवसर

अम्बिकापुर,01 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान कराने और उन्हें प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश दिलाने के उद्देश्य से जिले के स्कूल शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की जा रही है। इस पहल के तहत जिले के कुल 237 संकुलों में से 100 चयनित ग्रामीण संकुलों में आगामी 16 जुलाई 2025 से नवोदय विद्यालय, प्रयास आवासीय विद्यालय और सैनिक स्कूल में प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी।

इस पहल का उद्देश्य जिले के अनुसूचित जनजाति (एसटी) अनुसूचित जाति (एससी) एवं अन्य कमजोर वर्ग के मेधावी एवं होनहार बच्चों को लाभ पहुंचाना है। ताकि वे इन राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश पा सकें और अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकें। यह तैयारी पूरी तरह नि:शुल्क होगी और छात्रों को प्रवेश परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों, मॉडल प्रश्न पत्र, परीक्षा की तैयारी एवं समय प्रबंधन जैसे पहलुओं पर मार्गदर्शन एवं कोचिंग प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार और रविवार को आयोजित किया जाएगा ताकि बच्चों की नियमित कक्षाओं पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। प्रशिक्षण शिविरों का संचालन अनुभवी शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा, जो बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा की आवश्यक तैयारी कराने में मदद करेंगे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से रोशन हुए घर-हितग्राहियों ने जताया सरकार के प्रति आभार

कोरिया,01 जुलाई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी असर दिखाने लगी है। कोरिया जिले के ग्राम तलवापारा में इस योजना का लाभ उठाकर कई परिवार अब सौर ऊर्जा के माध्यम से सस्ती और स्थायी बिजली प्राप्त कर रहे हैं।

ग्राम तलवापारा निवासी ओमप्रकाश राजवाड़े की पत्नी श्रीमती मंजूषा राजवाड़े ने बताया कि उन्होंने अपने घर में 3 किलोवाट की सौर ऊर्जा प्रणाली लगाई है, जिससे अब उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। पहले हर महीने 1600 से 1700 रुपये तक का बिल आता था, जो अब घटकर 400 से 500 रुपए हो गया है। श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार पत्रों से मिली। इसके बाद उन्होंने स्थानीय बिजली कार्यालय जाकर पूरी जानकारी प्राप्त की और आवेदन किया।

इस योजना के अंतर्गत उन्हें बैंक से ऋण प्राप्त हुआ और सरकार द्वारा 78,000 रुपये की सब्सिडी भी दी गई। इससे उन्हें सौर यूनिट

लगवाने में बहुत मदद मिली। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस योजना ने आम जनता को आर्थिक रूप से राहत दी है और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम है।

सरकार से मिल रही सब्सिडी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कैबिनेट ने अक्षय ऊर्जा को प्रोत्साहन देने और बिजली उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 30 हजार रुपए तक का अतिरिक्त अनुदान देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत स्थापित सोलर रूफ-टॉप संयंत्र विद्युत ग्रिड से नेट मीटरिंग के माध्यम से जोड़ा जाता है। उपभोक्ता अपनी जरूरत से अधिक बिजली का उत्पादन कर ग्रिड को सप्लाई कर सकते हैं, जिससे उनका बिजली बिल शून्य होने के साथ-साथ अतिरिक्त आय भी प्राप्त होती है।योजना के अंतर्गत एक किलोवाट का सोलर प्लांट स्थापित करने पर केंद्र सरकार से 30 हजार रुपए और राज्य सरकार से 15 हजार रुपए यानि कुल 45 हजार रुपए की सब्सिडी मिलती है। दो किलो वॉट पर केंद्र सरकार से 60 हजार रुपए और राज्य सरकार से 30 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित करने पर केंद्र सरकार से 78 हजार रुपए और राज्य सरकार से 30 हजार रुपए यानि कुल एक लाख आठ हजार रुपए का अनुदान प्राप्त होगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का उद्देश्य देश के नागरिकों को सौर ऊर्जा का अधिकतम लाभ देना है, जिससे न केवल बिजली की बचत हो, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले।जिले में इस योजना के सफल क्रियान्वयन से अब अन्य ग्रामीण भी प्रेरित हो रहे हैं और आवेदन की प्रक्रिया में जुटे हैं।

पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का बेहतर तरीके से करें संचालन,ग्रामीण को मिले अधिक से अधिक लाभ-भीम सिंह

पीएम आवास योजना ग्रामीण में पूरे प्रदेश में अव्वल रहने पर दी बधाई, कार्य प्रगति बनाए रखने के लिए कर्मचारियों को किया प्रोत्साहित

प्रशिक्षण केन्द्र एवं निर्माणाधीन महतारी सदन का किया निरीक्षण

सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई समीक्षा बैठक

रायगढ़,01 जुलाई (देशबन्धु)। सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री भीम सिंह की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत के सभा कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना, महतारी सदन निर्माण, छ.ग.राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण, यूपीआई टैक्स कलेक्शन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा की गई। बैठक में सचिव श्री सिंह ने जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रगति पूरे प्रदेश में अव्वल होने पर बधाई देते हुए बेहतर कार्य प्रगति रखने हेतु प्रेरित किया। साथ ही यूपीआई के माध्यम से पंचायतों में डिजिटल टैक्स कलेक्शन के कार्यों की भी सराहना की।

उन्होंने पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के प्रभावी तरीके से संचालन के निर्देश दिए जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री सिंह ने रायगढ़ जिले में अपने कार्यकाल के दौरान जिले के अंतिम छोर तक जनसंपर्क और कार्यों की चुनौती एवं उसके समाधान का जिक्र भी किया। बैठक में उप संचालक पंचायत श्री नीलाराम पटेल, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री महेश पटेल, कार्यपालन अभियंता मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, जिले के सभी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला पंचायत के सभी योजना प्रभारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

विभिन्न केन्द्रों का किया निरीक्षण

सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री भीम सिंह ने आज प्रशिक्षण केन्द्रों एवं निर्माणाधीन स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण करते हुए क्लासरूम, ट्रेनिंग हॉल का अवलोकन किया एवं ट्रेनिंग संबंधी जानकारी ली। उन्होंने प्रशिक्षण हेतु वीसी व्यवस्था के साथ ही बेहतर ट्रेनिंग हेतु व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

इसके साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण केन्द्र में आवश्यकतानुसार लिस्ट बनाकर भेजने के निर्देश दिए, ताकि और बेहतर सुविधाएं मुहैय्या कराया जा सके। इसके पश्चात वे भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) भी पहुंचे। उन्होंने विभिन्न क्लासों में चल रहे प्रशिक्षण का जायजा लिया। इस दौरान वे मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण, कम्प्यूटर एवं ब्यूटी पार्लर कक्ष पहुंचे।

सार-संक्षेप

जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल द्वारा नि:शुल्क नेत्र रोग मोतियाबिंद जांच एवं निदान शिविर आज

डभरा,30 जून (देशबन्धु)। नगर पंचायत डभरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास में नि:शुल्क नेत्र रोग मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन समाजसेवी एवं हाईकोर्ट अधिवक्ता जिला पंचायत सक्ती के उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल द्वारा एमजीएमआई इंस्टीट्यूट रायपुर के सहयोग से 1 जुलाई 2025 दिन मंगलवार को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक रखा गया है। नेत्र रोगीयो का नि:शुल्क जांच मशीन द्वारा साथ ही जरूरतमंद को चश्मा वितरण किया जाएगा । हम आपको बता दें कि समाजसेवी एवं हाईकोर्ट अधिवक्ता व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल द्वारा लगातार सामाजिक सरोकार से जुड़े रह कर जरूरतमंद लोगों कि सेवा कर रहे है उनके द्वारा लगातार नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से बीच बीच में स्वास्थ्य सुविधा मुहैय्या करा रहे है । आज सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में लोगों के बीच अलग पहचान बना चुके है। वही जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल ने कहा कि जरूरतमंद नेत्र रोगीयो के लिए नि:शुल्क जांच शिविर आयोजित किया जा रहा है ताकि जो लोग नेत्र रोग से पीड़ित हैं और दूसरे शहर में जाकर इलाज जांच नहीं करवा सकते है ऐसे लोगों के लिए ही नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर रखा गया है। उन्होंने ने इस शिविर में नेत्र मोतियाबिंद पीड़ित लोगों को अधिक से अधिक संख्या में आकर लाभ लेने की अपील किया है।

डॉ. रजनी पटेल को छत्तीसगढ़ कर्म योगिनी शिक्षक रत्न सम्मान

डभरा,30 जून (देशबन्धु)। विकासखंड डभरा के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल सुखदा के प्रभारी प्राचार्य के रूप में पदस्थ डॉ. रजनी पटेल को छत्तीसगढ़ कर्म योगिनी शिक्षक रत्न सम्मान समारोह से नवाजा गया है आपको बताते चलें कि डॉ रजनी पटेल इसके पूर्व सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी के रूप में विकासखंड कार्यालय में अपनी सेवाएं दे चुकी है उन्होंने बालिका शिक्षाओं के ऊपर क्षेत्र में बहुत कार्य किए हैं उन्हें संस्कृत विषय में पीएचडी की उपाधि भी प्राप्त है संस्कृत हमारी सबसे प्राचीन भाषा है इस विषय पर पीएचडी करना काफी कठिन माना जाता है फिर भी डॉक्टर रजनी पटेल ने इसमें उपाधि प्राप्त कर शिक्षा जगत में अपना मिसाल कायम किए हैं तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष यशवंत पटेल तहसील अध्यक्ष प्रमेश पटेल छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन संघ के प्रांतीय पदाधिकारी प्यारेलाल साहू चेतन पटेल कर्मचारी नेता इंद्र कुमार पटेल केशव पटेल चतुर्भुज पटेल रामलाल चौहान लक्ष्मी नारायण चौहान राजेंद्र पटेल पूर्व प्राचार्य डीपी चौधरी महादेव दास वैष्णव डीएन पटेल सहित कर्मचारी नेताओं ने शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं।

संजय पाण्डेय रेडक्रॉस सोसायटी के निर्विरोध सभापति निर्वाचित

सारंगढ़,30 जून (देशबन्धु)। आज रेडक्रॉस सोसायटी के सभापति का निर्वाचन कलेक्टर संजय कन्नौजे आईएएस प्रखर चंद्राकर निर्वाचन अधिकारी अनिकेत साहू सीईओ जिला पंचायत बर्मन सीएमएचओ डा निराला की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जिसमें कुल छह लोगों ने सभापति पद के लिए नामांकन दाखिल किया था जिसमें डा शुक्ला नंद किशोर केजरीवाल महेंद्र केजरीवाल रतन शर्मा अमित अग्रवाल जिसमें से सर्वसम्मति से संजय पाण्डेय को शेष दावेदारों के नामांकन वापस लेने के बाद सभापति निर्वाचित घोषित किया गया इस दौरान अरूण गुड्डू यादव पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजेश अग्रवाल प्राचार्य डा लोकेश पटेल पूर्व डीईओ एल पी पटेल डा वर्षा बंसल नंद किशोर गोयल अब्बास अली सैफी डीपीएम नंदलाल सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

झपटमारी के मामले में फरार 5 आरोपी चढ़े बलौदा पुलिस के हत्थे

दो महिलाओं सहित आरोपियों से छीना गया जेवर बरामद, न्यायिक रिमांड पर भेजे गए

जांजगीर, 30 जून (देशबन्धु)। थाना बलौदा पुलिस ने झपटमारी के एक गंभीर मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो महिला सहित कुल पाँच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पीड़ित से छीना गया चांदी का ब्रेसलेट एवं सोने की बाली, कुल किमती लगभग 8000 रुपये, बरामद किए गए हैं।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 अगस्त 2024 को प्रार्थी दीपक खुंटे, निवासी भिलाई (थाना बलौदा), ग्राम काठापाली के रास्ते से गुजर रहा था। तभी उपरोक्त आरोपियों ने उसे रास्ते में रोककर उसकी जेब में रखे 10,000 रुपये नगद, चांदी का ब्रेसलेट और सोने की बाली को जबरन छीन लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने बेल्ट, स्टम्प और डण्डे से मारपीट भी की। प्रकरण में थाना बलौदा में धारा 304(1), 115(2), 126(2), 3(5) भा.दं.वि. के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही थी। लगातार पतासाजी के बाद पुलिस को सूचना मिली कि आरोपीगण गांव में वापस लौटे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दिलीप कुर्रे (45 वर्ष),विक्रम कुर्रे (32 वर्ष),शैलेन्द्र कुर्रे (19 वर्ष),सरस्वती कुर्रे (25 वर्ष), गंगोत्री कुर्रे (35 वर्ष) सभी आरोपी ग्राम काठापाली, थाना बलौदा, जिला जांजगीर-चांपा के निवासी हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया, तथा उनके कब्जे से छीना गया चांदी का ब्रेसलेट एवं सोने की बाली बरामद कर ली गई। नगदी राशि को खर्च कर देना बताया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, प्र.आर. मुकेश यादव, गजाधर पाटनवार एवं थाना बलौदा के अन्य स्टाफ का योगदान रहा।

जर्जर सड़क को लेकर ग्रामीणों का फूटा आक्रोश, एनएच 49 पर छह घंटे तक चक्काजाम, विधायक भी बैठे धरने पर

जांजगीर, 30 जून (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम जर्वे के ग्रामीणों का सड़क की बदहाली को लेकर आक्रोश सोमवार को फूट पड़ा। राष्ट्रीय राजमार्ग 49 पर ग्रामीणों ने जोरदार प्रदर्शन कर करीब छह घंटे तक चक्काजाम किया। पहले ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट रोड पर विरोध दर्ज कराया, फिर मार्ग परिवर्तित करते हुए खोखसा ओवरब्रिज के पास चक्काजाम कर दिया।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सड़क निर्माण में बरती जा रही लापरवाही पर गंभीर नाराज़गी जताई। विरोध प्रदर्शन में जांजगीर-चांपा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक ब्यास कश्यप ने भी हिस्सा लेकर ग्रामीणों को समर्थन दिया। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन सड़क निर्माण को लेकर कोई ठोस जवाब नहीं मिलने पर प्रदर्शन और तेज हो गया। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने चुप्पी साधे रखी, जिससे ग्रामीणों की नाराजगी और बढ़ गई। उल्लेखनीय है कि जर्वे गांव की दूरी जिला मुख्यालय से मात्र 3 किलोमीटर है, और यहां अनेक सरकारी भवन स्थित हैं। साथ ही, पीथमपुर स्थित बाबा कलेश्वरनाथ मंदिर के दर्शन हेतु हर साल लाखों श्रद्धालु इसी मार्ग से गुजरते हैं। इसके बावजूद सड़क की मरम्मत या निर्माण का कोई प्रयास अब तक नहीं किया गया। ग्रामीणों ने प्रशासनिक आश्वासन पर आंदोलन समाप्त किया, लेकिन साथ ही स्पष्ट किया कि यदि इस बार भी वादाखिलाफी हुई, तो वे बड़े आंदोलन की तैयारी करेंगे।

कलेक्टर के आश्वासन पर समाप्त हुआ प्रदर्शन

करीब छह घंटे के बाद अपर कलेक्टर की पहल पर ग्रामीण बातचीत को राजी हुए। इसके बाद कलेक्टर ने विधायक ब्यास कश्यप से फोन पर बात कर ग्रामीणों को यह आश्वासन दिलाया कि एक सप्ताह के भीतर सड़क की मरम्मत शुरू कर दी जाएगी। दिसंबर 2025 तक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर पक्की सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

समय सीमा के भीतर नहीं बनी सड़क, तो निधि से बनवाऊंगा

विधायक ब्यास कश्यप ने इस मौके पर कहा कि अगर तय समय पर सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे विधानसभा सत्र 2026-27 तक अपनी विधायक निधि से 3 करोड़ रुपए की राशि से स्वयं सड़क बनवाएंगे।

मोर गांव मोर पानी अभियान

जिले में बड़े पैमाने पर जनभागीदारी से बनाए जा रहे सोखता गड्ढे

जांजगीर, 30 जून (देशबन्धु)। जिले की सभी जनपद पंचायतों के ग्राम पंचायतों में मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर सोखता गड्ढों का निर्माण किया जा रहा है। यह कार्य केवल संरचनात्मक निर्माण नहीं, बल्कि स्थायी भूजल संवर्धन की दिशा में ठोस प्रयास बनकर उभर रहा है। विशेष रूप से ग्रामों के हैंडपंपों एवं अन्य जल स्त्रोतों के समीप गड्ढे जनभागीदारी से बनाए जा रहे हैं, ताकि वहां से निकलने वाला अतिरिक्त एवं बेवजह बहने वाला पानी भूमि में समाहित होकर भूजल के रूप में संरक्षित हो सके। इससे पानी की बर्बादी रुक रही है और भूजल स्तर में भी सुधार की संभावना बन रही है।

दिनों दिन घट रहे भूजल स्तर को देखते हुए गांव की जल समस्या का समाधान गांव की ही ताकत से संभव है। यह प्रयास स्वावलंबी जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर है। इसके लिए जरूरी है कि जनभागीदारी से ही इस अभियान को सफल बनाया जाए। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि अगर हर ग्रामीण जनभागीदारी के माध्यम से एक-एक गड्ढा भी बनवाने में सहयोग करे, तो आने वाले वर्षों में हम जल संकट से मुक्त हो सकते हैं। इस अभियान से सिर्फ जल बचत नहीं हो रही, बल्कि यह सामाजिक चेतना, भागीदारी और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी की भी मिसाल बन रही है। ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, विभिन्न विभागों के मैदानी कर्मचारी एवं बिहान योजना से जुड़ी ग्राम स्तरीय महिला संगठन की सदस्याएं बड़ी संख्या में सहभागिता निभा रही है। इसके लिए कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक ने ग्राम पंचायत स्तर पर जल स्त्रोतों की पहचान, उनका पुनरुद्धार, संरक्षण एवं वर्षा जल संग्रहण के उपायों की पहचान कर उनके बारे में ग्रामीणों को जानकारी देकर उन्हें सक्रिय भूमिका के लिए प्रेरित किया है। इसके साथ ही नाला, तालाब, कुएं, बोरवेल आदि जल संरचनाओं की जनभागीदारी से सफाई एवं गहरीकरण करते हुए उन्हें और अधिक उपयोगी बनाया जा रहा है। मनरेगा एवं जल जीवन मिशन योजनाओं से जल संरक्षण कार्यों का समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही जनभागीदारी को जोड़ने के लिए जल शपथ, रैली, दीवार लेखन और पौधारोपण गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना अनिवाय

जिले के 29 उद्योगों ने अब तक समिति का नहीं किया गठन

जांजगीर, 30 जून (देशबन्धु)। महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने हेतु 'महिला कार्यस्थल लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013' के तहत प्रत्येक संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। परंतु निर्देशों के बावजूद जिले के 29 उद्योगों ने अब तक समिति का गठन नहीं किया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिनियम की धारा 4(1) के अनुसार सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय, वाणिज्यिक कार्यालयों, उद्योगों एवं चिन्हांकित कार्यस्थलों, जहाँ 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां समिति का गठन आवश्यक है। उन्होंने बताया कि समिति का गठन न करने पर अधिनियम की धारा 26(1) के तहत संबंधित नियोजक/नियोक्ता पर अधिकतम 50 हजार तक का आर्थिक दंड लगाया जा सकता है। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग, जांजगीर-चांपा द्वारा महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, चांपा के माध्यम से जिले के समस्त उद्योगों को निर्देशित किया गया था कि वे तत्काल समिति का गठन कर आदेश पत्र की प्रति विभाग को उपलब्ध कराएं। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि उक्त सभी संस्थान तत्काल आंतरिक शिकायत समिति का गठन कर उसकी प्रतिलिपि कार्यालय में जमा कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा उनके विरुद्ध अधिनियम के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जिले के 29 उद्योगों में समिति का गठन नहीं

जिनमें महामाया राइस मिल, माँ कृपा राइस मिल, ओंकार एग्रोटेक, एस.के. फ्लाई एस ब्रिक्स, चांपा ब्रिक्स, सावित्री देवी फ्लाई एस ब्रिक्स, जगमोहन टाईल्स, मानकी इंडस्ट्रीज, भवानी ब्रिक्स, अर्नव एग्रोटेक, श्री बालाजी ब्रिक्स, शिवा बिक्स, बालाजी इंडस्ट्रीज, जय संतोषी फ्लाई एस ब्रिक्स, चैंपियन रेफाटेक प्रा. लि., श्री कृष्णा इंडस्ट्रीज, मां अंबिका फ्लाई एस ब्रिक्स, पवनसूत एग्रो इंडस्ट्रीज, चैंपियन सेरामिक प्रा. लि., ओम राइस मिल, राघव इंडस्ट्रीज, रसीक बिहारी फूड प्रोडक्ट्स प्रा. लि., शिव शंकर राइस मिल, तिलक एजेंसी, श्री आर.के.डी. फ्लोरिस राइस मिल प्रा. लि., महाराजा ट्रेडिंग कंपनी, चैंपियन मैग्नासाइट प्रा. लि., गिरीराज पैड्डी प्रोसेसर एवं श्री राधे इंडस्ट्रीज — ने अब तक समिति का गठन नहीं किया है।

राशनकार्ड बनाने के नाम पर अवैध वसूली की शिकायत

जिला प्रेस क्लब ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सारंगढ़,30 जून (देशबन्धु)। जिले में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ियों की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में जिला प्रेस क्लब सारंगढ़-बिलाईगढ़ ने कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपते हुए नारद कुर्रे नामक कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि राशन कार्ड बनवाने के नाम पर ग्रामीणों से पैसे मांगने की चर्चा जोरों पर है।

प्रेस क्लब द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि पहले भी नारद कुर्रे द्वारा की गई गड़बड़ी के कारण विभाग ने उनकी राशनकार्ड आईडी निरस्त कर दी थी, परंतु उसके बावजूद वे पुन: अवैध रूप से राशनकार्ड जारी कराने के लिए वसूली कर रहे हैं। शिकायत के अनुसार, नारद कुर्रे द्वारा ऐसे लोगों को राशन कार्ड बनवा कर दिए जा रहे हैं, जो अपात्र हैं और जिनका नाम अन्यत्र योजनाओं में पहले से दर्ज है। ज्ञापन में कहा गया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल सरकारी योजनाओं की छवि को धूमिल करती हैं, बल्कि गरीब व असहाय ग्रामीणों के अधिकारों का शोषण भी कर रही हैं। प्रेस क्लब ने नारद कुर्रे को तत्काल प्रभाव से पद से हटाने तथा खाद्य शाखा से बाहर करने की मांग की है।

ग्रीन खरसिया क्लीन खरसिया संकल्प के साथ नगर पालिका क्षेत्र में लगाए जा रहे हैं 5 हजार पौधे

पौधों के वृक्ष का आकार लेते तक करेंगे सुरक्षा और देखभाल कमल गर्ग

खरसिया,30 जून (देशबन्धु)। क्लीन खरसिया ग्रीन खरसिया के संकल्प के साथ खरसिया नगर पालिका में सभी 18 वार्डों में दूसरी बार कमल गर्ग ने नगर पालिका अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी उसे चरित्र चरितार्थ करते हुए उनकी अगुवाई में नगर पालिका क्षेत्र में 5 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं नगर की तालाबों के सौंदर्य करण के साथ-साथ वृहद वृक्षारोपण का कार्य भी किया जा रहा है इस संबंध में कमल गर्ग ने बताया कि खरसिया नगर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए 5000 पौधे सड़क किनारे टाउन हॉल मैदान नगर के उद्यान बगीचों तालाब के किनारे मुक्तिधाम परिसर में मैदानों में एवं सभी स्कूलों के प्रांगण में बाउंड्री वॉल के किनारे किनारे जहां-जहां आवश्यक है और वृक्षों की छाया का लाभ आम आदमी उठा सके ऐसी जगह पर लगाए जा रहे हैं आज टाउन हॉल

परिसर के बाउंड्री वालों के किनारे किनारे से कन्या विद्यालय बाल मंदिर सरस्वती शिशु मंदिर पीएम श्री आत्मानंद स्कूल के बच्चों और शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा कोनोकार्पस के 78 पौधे लगाए गए हैं इसी तरह अशोक बड़ पीपल आम नीम आदि के पौधे लगातार आने वाले दिनों में खरसिया नगर के 5 हजार लोगों द्वारा नगर पालिका के सौजन्य से लगाएं जाएंगे। वृक्ष का आकार लेते तक जिनकी देखभाल और सुरक्षा नगर पालिका परिषद द्वारा प्रतिदिन खाद और पानी देकर की जावेगी प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के साथ ही पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण बहुत ही आवश्यक है इसे हमें ऑक्सीजन और छाया के साथ ही सेहत के लिए लाभदायक फल भी प्राप्त होते हैं। नगर के धार्मिक सामाजिक संस्थाओं एवं बुद्धिजीवी आगे आवे एवं वृक्षारोपण करते हुए शहर को ग्रीन खरसिया बनाने में सहयोग करें 5 हजार पौधों से निश्चय ही खरसिया नगर वासियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा हम खरसिया नगर को हरा भरा शहर बनाने के संकल्प के साथ नगर पालिका की पूरी टीम के साथ कार्य कर रहे हैं खरसिया नगर को हरा भरा बनाएं रखने के लिए मैं सभी नगर वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं अर्पित करता हूं।

कलेक्टर के जनदर्शन में मिले 91 आवेदन

निराकरण कर आवेदक को दें सूचना - कलेक्टर

जांजगीर, 30 जून (देशबन्धु)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना एवं अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण कर आवेदक को सूचना देने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 91 आवेदन प्राप्त हुए।

आज जनदर्शन में जिले के ग्राम पंचायत उदयभांठा निवासी पुष्पा दिनकर द्वारा ईलाज हेतु आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। उनकी स्थिति को समझते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग अधिकारी को जिला चिकित्सालय ले जाकर जांच कराने एवं आगे का उपचार नि:शुल्क कराने निर्देश दिए। ब्लाक नवागढ़ के ग्राम पंचायत खैरताल के आवेदक ने आरटीई के तहत निजी स्कूल में अध्ययनरत अपनी पुत्री के साथ प्राचार्य द्वारा आर्थिक स्थिति को लेकर प्रताड़ित करने पर अन्यत्र स्कूल में स्थानांनतरण कराने हेतु आवेदन किया। जिस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को जांच करने एवं दोषी पाए जाने पर संबंधित संस्था के प्राचार्य पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। तहसील मुख्यालय सारागांव निवासी दिलहरण पटेल द्वारा एक्सीडेंट के कारण छूटे हुए प्राइम वन वर्क में सेल्समैन की ड्यूटी को पुन: ज्वाइन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने सहायक आयुक्त आबकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। तहसील मुख्यालय बलौदा निवासी कृष्ण कुमार सोनी द्वारा सीमांकन रिपोर्ट की पुन: जांच कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार बलौदा के आवश्यक जांच करने एवं कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आज जनदर्शन में आवास, पेंशन, ऋण प्रदान, राशन कार्ड सहित अन्य विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए।

आज चार सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों का सामूहिक अवकाश

शिक्षक साझा मंच के बैनर तले जिलेभर में होगा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

जांजगीर, 30 जून (देशबन्धु)। राज्यव्यापी आंदोलन की कड़ी में शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ के प्रांतीय आह्वान पर 01 जुलाई (मंगलवार) को जिलेभर के शिक्षक एक दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे। यह धरना प्रदर्शन जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों में एक साथ आयोजित किया जाएगा। आंदोलन का उद्देश्य एलबी संवर्ग के शिक्षकों की चार सूत्रीय प्रमुख मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है।

चार प्रमुख मांगों में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर द्वारा पारित निर्णय (दिनांक 28 फरवरी 2024) के अनुसार, एल.बी. संवर्ग की पूर्व सेवा को मान्यता देते हुए श्रीमती सोना साहू को क्रमोन्नत वेतनमान व एरियर्स का भुगतान किया गया है। मंच की मांग है कि उक्त निर्णय के अनुरूप प्रदेश के सभी पात्र शिक्षकों को भी एरियर्स सहित क्रमोन्नति का लाभ दिया जाए। इसके लिए जनरल ऑर्डर तत्काल जारी किया जाए।

एल.बी. संवर्ग के शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवावधि की गणना कर पेंशन एवं अन्य सेवागत लाभ प्रदान किए जाएं। शिक्षक से व्याख्याता और व्याख्याता से प्राचार्य पदोन्नति में केवल बीएड धारकों को पात्र मानना अन्यायपूर्ण है। मंच की मांग है कि पूर्ववत डी.एड. धारकों को भी पदोन्नति का अवसर दिया जाए। इसके साथ ही, प्राचार्य पद की सीधी भर्ती में 10 प्रतिशत पदों को विभागीय परीक्षा से तत्काल भरा जाए। तथा 2 अगस्त 2024 को लागू युक्तियुक्तकरण नीति में व्यापक विसंगतियां सामने आई हैं, जिससे विद्यालयों एवं शिक्षकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मंच ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए इस प्रक्रिया को सेटअप वर्ष 2008 के अनुसार पुन: लागू करने की मांग की है।

ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरु ने ट्रंप-नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया फतवा

तेहरान, 30 जून (एजेंसियां)। अयातुल्ला मकारिम शिराजी ने एक फतवा जारी करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को 'ऊपर वाले का दुश्मन' बताया है। अयातुल्ला मकारिम शिराजी ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरुओं में से एक हैं। शीर्ष शिया धर्मगुरु ने अपने फतवे में कहा कि कोई भी व्यक्ति या शासन जो नेता या मरजा को धमकाता है, उसे ऊपर वाले का दुश्मन माना जाता है। सेमी-ऑफिशियल मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार कि रविवार को अपने ऑफिस के एक बयान में शिराजी ने दुनियाभर के मुसलमानों से ऐसी धमकियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने को कहा है।

देश विदेश

ईरान कुछ ही महीनों में शुरू कर सकता है यूरेनियम संवर्धन : ग्रॉसी

- डोनाल्ड ट्रंप के दावे के विपरीत है ग्रॉसी का बयान
- ईरान ने आईएईए पर राजनीतिक पूर्वाग्रह, गैर-निष्पक्षता व डेटा साझा करने का लगाया आरोप

> कोई यह दावा नहीं कर सकता कि सब कुछ गायब हो गया है और अब वहां कुछ भी नहीं है : राफेल ग्रॉसी

वियना, 30 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि अमेरिकी हमलों ने ईरानी परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है मगर वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए हैं और इसी वजह से ईरान कुछ ही महीनों में यूरेनियम संवर्धन शुरू कर सकता है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार श्री ग्रॉसी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के विपरीत है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान की परमाणु परियोजना को दशकों पीछे धकेल दिया गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा था कि अमेरिकी हमलों में फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान परमाणु ठिकानों के सेंट्रीफ्यूज को काफी नुकसान पहुंचने से ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई वर्षों के लिए टल गया है।

फेस द नेशन विद मार्गरेट ब्रेनन के साथ साक्षात्कार में उन्होंने अलग-अलग आकलन पर अपना रुख बताते हुए कहा कि सामूहिक विनाश के हथियारों में यह दृष्टिकोण ठीक नहीं है। उनके पास जो क्षमताएं हैं, वे मौजूद हैं। आप जानते हैं कि वे कुछ ही महीनों में सेंट्रीफ्यूज के कुछ कैस्केड घुमाकर यूरेनियम संवर्धन कर सकते हैं। स्पष्ट रूप से कहें तो, कोई यह दावा नहीं कर सकता कि सब कुछ गायब हो गया है और अब वहां कुछ भी नहीं है।

श्री ग्रॉसी ने कहा कि निगरानी समूह की जांच में परमाणु हथियार कार्यक्रम का संकेत नहीं मिला, लेकिन यूरेनियम संवर्धन नागरिक उपयोग की आवश्यकता से कहीं अधिक है।

ईरान की ओर से कुछ बहुत महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देने से इनकार करने से स्थिति और जटिल हो गई है। उधर, अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि जैसा कि श्री ग्रॉसी ने कुछ दिन पहले कहा था कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर से पहले और बाद में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बीच का अंतर रात और दिन जैसा है और उसे काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास कोई हवाई सुरक्षा नहीं है, इसलिए यह विचार कि वे परमाणु हथियार कार्यक्रम फिर शुरू कर सकते हैं, बकवास है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी कहा है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा।

सुरक्षा परिषद अमेरिका व इजरायल को आक्रमण के सूत्रधार के रूप में चिन्हित करें : ईरान

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराग्ची ने कल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से इजरायल और अमेरिका को ईरान के खिलाफ आक्रमण के सूत्रधार के तौर पर चिन्हित करने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद अध्यक्ष कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट को लिखे एक पत्र में श्री अराग्ची ने परिषद से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने में जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। उन्होंने इजरायल पर जानबूझकर ईरानी आवासीय भवनों, नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया और हमलों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इजरायल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को भी निशाना बनाया है-जो-संयुक्त राष्ट्र चार्टर, परमाणु अप्रसार संधि, और आईएईए के प्रस्तावों का गंभीर उल्लंघन है।

हमलों से क्षतिग्रस्त हाइफा रिफाइनरी अक्टूबर तक पुन: आरंभ होने की संभावना

यरुशलम। ईरान के हमलों से क्षतिग्रस्त हाइफ़ा रिफ़ाइनरी अक्टूबर तक पूरी तरह से चालू होने की संभावना है। टाइम्स ऑफ़ इज़रायल अख़बार ने रिफ़ाइनरी के मालिक बाज़न का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। पहले बताया गया था कि 16 जून की रात को हुए ईरानी मिसाइल हमले के परिणामस्वरूप बाज़न सुविधाओं में तीन लोग मारे गए थे। अख़बार ने कहा कि कंपनी ने नियामक को एक रिपोर्ट में कहा कि यह धीरे-धीरे परिचालन फिर से आरंभ कर रही है और संभवत: अक्टूबर तक पूरी तरह से चालू हो जाएगी। इससे पहले, इज़रायल के सरकारी प्रसारक कान ने बताया कि बंदरगाह शहर हाइफ़ा में इज़राइल के बाज़न समूह की तेल रिफ़ाइनरी ने साइट पर एक बिजली संयंत्र पर ईरानी मिसाइल के हमले के बाद काम करना बंद कर दिया था। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने पुष्टि की कि ईरान ने रिफ़ाइनरी पर मिसाइल हमला किया था।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 1 जुलाई , 2025 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 5

राशिफल

मेष - साहित्य और कला में रुचि रखने वालों के लिए आज का दिन शुभ है। स्नेहीजन के साथ हुई भेंट से आप का मन खुश रहेगा। दोपहर के बाद घर में शांतिपूर्ण वातावरण बना रहेगा। विरोधियों से आज वाद-विवाद हो सकता है।

वृषभ - आज माता के स्वास्थ्य के विषय में चिंता बनी रहेगी। स्थायी संपत्ति के काम आज टालें। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। दोपहर के बाद आप के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन - किसी खास काम में सफलता मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। विरोधी भी आपसे पराजित होंगे। दोपहर के बाद घर में किसी विवाद का वातावरण बना रहेगा। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क - आज आपका मन किसी उलझन में रहेगा, इससे आपको किसी विशेष काम करने में निराशा होगी। परिजनों के साथ तनावपूर्ण स्थिति बन सकती है। किसी निर्धारित काम में आपको कम सफलता मिलेगी।

सिंह - आज के दिन आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। आज आप प्रत्येक कार्य दृढ़ निर्णयशक्ति से करेंगे। इससे आपको सफलता मिलेगी। आज आपमें क्रोध की भावना थोड़ी रहेगी, इसलिए ज्यादातर जगहों पर मौन बने रहें।

कन्या - आज आपका मन कुछ अधिक इमोशनल रहेगा। इमोशनल होकर किसी तरह का गलत निर्णय ना ले लें, इसका ध्यान रखें। आज चर्चा और वाद-विवाद से दूर रहें। किसी के साथ उग्रतापूर्ण व्यवहार ना करें।

तुला - आज का दिन लाभ का बना हुआ है। व्यापार में आपको लाभ होगा। संतान के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे। दोपहर के बाद मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी बात को लेकर ज्यादा इमोशनल ना हो।

वृश्चिक - दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास से प्रत्येक काम पूरे होंगे। व्यवसाय में भी आपकी प्रतिभा की प्रशंसा होगी। जॉब में अधिकारी आपके काम से खुश होंगे। इससे आपको पदोन्नति मिलेगी। पिता के साथ संबंध सुमधुर रहेंगे।

धनु - आप आज धार्मिक बने रहेंगे। किसी धार्मिक या मांगलिक प्रसंग पर जाने का अवसर मिल सकता है। आपका व्यवहार भी आज अच्छा रहेगा। गलत कामों से दूर रहेंगे। क्रोध पर संयम रखें।

मकर - आज संभलकर रहें। स्वास्थ्य के विषय में लापरवाह न रहें। नकारात्मक विचारों को खुद पर हावी न होने दें। इससे आपके बहुत से काम आसानी से बन जाएंगे। आकस्मिक व्यय के लिए तैयार रहें।

कुंभ - आज साधारण सी बातों पर दांपत्यजीवन में विवाद हो सकता है। सांसारिक बातों में आपका मन नहीं लगेगा। अदालती कामकाज में संभलकर रहें। सामाजिक कार्यक्रम में किसी से विवाद हो सकता है।

मीन - आपका मन आज किसी चिंता में रहेगा। काम की सफलता में आपको विघ्न आएंगे। ऑफिस में साथियों की मदद नहीं मिलेगी। मैरीड कपल के बीच विवाद हो सकता है। परिवार में शांति बनाए रखें।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

कनाडा ने अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगने वाला टैक्स हटाया

ओटावा, 30 जून (एजेंसियां)। कनाडा ने अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगने वाले टैक्स को वापस लेने का ऐलान किया है। कनाडाई सरकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापक व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। यह ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस एक्शन के बाद आया है जिसमें उन्होंने टैक्स टैरिफ को लेकर ओटावा के साथ बातचीत रोक दी थी। डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंस कनाडा की प्रेस रिलीज में कहा गया कि कनाडा की नई सरकार संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक नई आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी पर जटिल वार्ता में लगी हुई है, जिसका फोकस कनाडाई श्रमिकों और व्यवसायों के लिए सर्वोत्तम डील हासिल करने पर केंद्रित है। प्रेस रिलीज में कहा गया कि प्रधानमंत्री कार्नी ने स्पष्ट किया है कि कनाडा डील को करने के लिए जितना जरूरी हो उतना समय लेगा, लेकिन इससे ज्यादा नहीं। उन वार्ताओं का समर्थन करने के लिए, वित्त और राष्ट्रीय राजस्व मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैंपेन ने घोषणा की है कि कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ डिजिटल सर्विस टैक्स (डीएसटी) को रद्द कर देगा। प्रधानमंत्री कार्नी और राष्ट्रपति ट्रंप ने सहमति जताई है कि पार्टी 21 जुलाई, 2025 तक डील पर सहमत होने की दिशा में बातचीत फिर से शुरू करेगी।

ओबामा ने ईरान को बहुत कुछ दिया, मैं नहीं देने वाला : ट्रंप

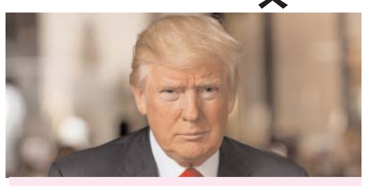

■ ट्रंप ने ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी को पूरी तरह से नष्ट करने का किया दावा

वाशिंगटन, 30 जून (एजेंसियां)। ईरान पर भविष्य में क्या अमेरिका हमला करेगा या नहीं, फिलहाल इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है। ईरान के उप-विदेश मंत्री अमेरिका के साथ भविष्य में किसी भी कूटनीतिक और न्यूक्लियर वार्ता पर शर्त रख चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने कहा है कि अब वह ईरान से बात नहीं कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा कि मैं ईरान को कुछ भी नहीं दे रहा हूं। ओबामा की तरह, जिन्होंने परमाणु हथियार जेसीपीओए (जो अब समाप्त हो जाएगा) के तहत अरबों डॉलर का भुगतान किया था। इतना ही नहीं, मैं उनसे इस विषय पर बात भी नहीं करने वाला हूं, क्योंकि हमने उनकी न्यूक्लियर फैसिलिटी को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।

ट्रंप शुक्रवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर चुके थे, जिनमें कहा गया था कि उनके प्रशासन ने सिविलियन एनर्जी प्रोड्यूसिंग न्यूक्लियर प्रोग्राम बनाने के लिए ईरान को 30 बिलियन डॉलर तक की मदद करने की चर्चा की थी।

माजिद तख्त-रवांची ने कहा था कि अमेरिका को ईरान के खिलाफ किसी भी हमले से इनकार करना चाहिए। इसके साथ ही उप-विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान के खिलाफ भविष्य के हमलों पर ट्रंप प्रशासन की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है।

माजिद ने बताया कि अमेरिका ने मध्यस्थ देशों से कहा है कि वह ईरान के साथ बातचीत करना चाहता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वह भविष्य में हमले करेगा या नहीं। अमेरिका ने ईरान की तीन न्यूक्लियर फैसिलिटी नतांज, फोर्डो और इस्फाहान को नष्ट किया था।

इजरायली अदालत ने नेतन्याहू को भ्रष्टाचार मामले में दी राहत, टाली सुनवाई

■ ट्रंप की आलोचना के बाद आया फैसला

वाशिंगटन/यरुशलम, 30 जून (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बड़ी राहत मिली है। भ्रष्टाचार के एक मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी के बाद इजरायल की अदालत ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ सुनवाई को स्थगित कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर खुद एक पोस्ट को साझा करके इसकी पुष्टि कर दी है।

बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ ये मामला पिछले 4 साल से चल रहा है। नेतन्याहू पर तीन अलग-अलग मामलों में घूस, धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोप लगे हैं। फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की इस मामले को बंद करने की मांग के कुछ घंटों बाद अदालत ने सुनवाई को स्थगित कर दिया है।

यरुशलम की जिला अदालत ने अपनी एक टिप्पणी में कहा कि नेतन्याहू को आगामी दो हफ्ते तक गवाही देने से छूट दी गई है, इसका कारण राजनयिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं बताया गया है। ये आदेश उस निर्णय के दो दिन बाद आया है, जिसमें न्यायाधीश ने प्रधानमंत्री की बार-बार की गई सुनवाई टालने की मांग को खारिज कर दिया था। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार मामले को राजनीतिक षड्यंत्र बताते हुए उसकी कड़ी आलोचना की। ट्रंप ने लिखा कि इजरायल में नेतन्याहू के साथ जो किया जा रहा है, वो बेहद शर्मनाक है। वो एक युद्ध नायक हैं और उन्होंने ईरान के खतरनाक परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर शानदार काम किया। डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि संयुक्त राज्य अमेरिका इजरायल की रक्षा और उसके समर्थन के लिए हर साल अरबों डॉलर खर्च करता है, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं ज्यादा हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सूडान में ढही सोने की खदान, 11 की मौत, 7 घायल

खार्तूम, 30 जून (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी सूडान में एक सोने की खदान ढहने से 11 लोगों की मौत हो गई और 7 लोग घायल हो गए। सरकारी खनिज संसाधन कंपनी ने यह जानकारी दी।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, रेड सी स्टेट में अत्बारा और हाया शहरों के बीच हौएद इलाके में स्थित केर्श अल-फील खदान में यह हादसा हुआ। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि खदान ढहने से यह घटना हुई, लेकिन हादसे की तारीख का जिक्र नहीं किया गया।

कंपनी ने कहा कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण खदान को पहले ही बंद करने का आदेश दिया गया था। लेकिन, इसने खनन गतिविधियों की निगरानी जारी रखने और सुरक्षा मानकों को बेहतर करने का वादा किया, साथ ही खनिकों से सुरक्षा और पर्यावरण नियमों का पालन करने की अपील की। सूडान में पारंपरिक खनन से सोने का एक बड़ा हिस्सा निकलता है, लेकिन खराब सुरक्षा मानकों और पुराने ढांचे के कारण क्षेत्र में अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। कंपनी ने कहा कि उसने पहले ही खदान में काम रोक दिया था।

आज का इतिहास

1820- मीयूज की मेल अखबार का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।

1822- दैनिक समाचार पत्र %मुंबई समचार% प्रकाशित हुआ। बॉम्बे समचार भारत का सबसे पुराना लगातार प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र

1831- डमिरल जेम्स सी रॉस चुंबकीय उत्तरी ध्रुव पर पहुंच गया

1839- अब्दुल-मेद्जाद ने तुर्की के सुल्तान के रूप में महमूद द्वितीय का स्थान लिया।

1847- अमेरिका ने अपनी पहली डाक टिकटों (चित्रित) का प्रकाशन किया।

1866- रोमानिया का पहला संविधान शुरू किया गया।

1867- कनाडा के प्रांत, न्यू ब्रंसविक और नोवा स्कोटिया को कनाडाई परिसंघ में एकजुट करके ब्रिटिश उत्तरी अमेरिका अधिनियम लागू हुआ।

1874- रेमिंगटन नंबर 1 बिक्री पर चला गया, यह पहला व्यावसायिक रूप से सफल टाइपराइटर बन गया।

1875- यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की स्थापना की गयी।

1879- अमेरिकन इंजीलवादी चार्ल्स टेज़ रसेल ने द वॉचटावर का पहला प्रकाशन प्रकाशित किया, जो कि द वर्ल्ड में सबसे अधिक प्रसारित पत्रिका है।

1879- भारत में पोस्टकार्ड की शुरुआत हुई।

1881- फोन पर पहली अंतर्राष्ट्रीय बातचीत 卐कलैस卐 और में-सेंट स्टीफंस卐 के बीच हुई।

1881- दुनिया का पहला अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन कॉल सेंट स्टीफन, न्यू ब्रंसविक, कनाडा और कैलिस, मेन, अमेरिका के बीच किया गया था।

चिंताजनक फिजी में गहराया एचआईवी संकट

ज्यादातर लोगों को बहुत देर से पता चलता है एचआईवी

सुवा, 30 जून (एजेंसियां)। फिजी में एचआईवी की समस्या गंभीर होती जा रही है। पिछले साल एचआईवी की वजह से 126 लोगों की मौत हुई, जिनमें 8 बच्चे शामिल रहे। लाबासा में फिजी मेडिकल एसोसिएशन की एक बैठक में यूएनएड्स के प्रशांत सलाहकार रेनाटा राम ने ये चिंताजनक आंकड़े साझा किए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे स्वास्थ्य सिस्टम की बेहद जरूरत है जो मजबूत, जिम्मेदार और नए तरीकों से काम करने वाले हों ताकि एचआईवी जैसी समस्याओं से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। रेनाटा राम ने कहा कि फिजी में एचआईवी की स्थिति खराब हो रही है।

■ संक्रमण से बच्चों की जा रही जान

इसलिए इस साल की कांफ्रेंस का विषय फिजी में हेल्थकेयर के मानकों को मजबूत बनाना है। रेनाटा राम ने बताया कि फिजी में 2024 में सबसे ज्यादा एचआईवी के नए मामले सामने आए। 1,583 नए लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। यह 2023 की तुलना में 281 प्रतिशत की चौंका देने वाली वृद्धि को दर्शाता है, जिसमें 415 मामले देखे गए थे। 2018 के मुकाबले यह संख्या 500 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ गई है, क्योंकि तब सिर्फ 131 मामले रिपोर्ट किए गए थे।

2024 में एचआईवी के 1,583 मामलों में से 1,542 वयस्क थे, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता बच्चों के 41 मामलों की थी। इनमें से 32 बच्चे अपनी मां से एचआईवी संक्रमित हुए थे। यह संख्या 2023 के मुकाबले लगभग चार गुना ज्यादा है, जब सिर्फ 11 बच्चों में एचआईवी मिला था।

रेनाटा राम ने जोर देकर कहा कि ये बढ़े हुए नंबर सिर्फ बेहतर टेस्टिंग की वजह से नहीं हैं। ये सच में एचआईवी के मामलों में असली तेजी से बढ़ोतरी को दिखाते हैं।

उन्होंने बताया कि ज्यादातर लोगों को एचआईवी बहुत देर से पता चलता है, तब तक उनकी बीमारी पहले से काफी बढ़ चुकी होती है। इसका मतलब है कि रोकथाम, जांच और इलाज की सुविधाएं लोगों तक समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं। रेनाटा राम ने कहा कि नए एचआईवी मामलों में से आधे से ज्यादा मामले युवा लोगों के बीच हो रहे हैं। इसके पीछे इंजेक्शन से नशा करने और खतरनाक यौन व्यवहार बढ़ रहा है। लेकिन ये बातें अक्सर लोगों को शर्म या डर के कारण छुपा लेनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि यह समस्या सिर्फ स्वास्थ्य की नहीं है। यह समाज की बड़ी समस्याएं भी दिखाती है, जैसे गरीबी, महिलाओं के साथ हिंसा, और इलाज पाने में भेदभाव। रेनाटा राम ने फिजी सरकार की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में एचआईवी से लड़ने के लिए 10 मिलियन फिजी डॉलर का बजट रखा है। यह एक जरूरी कदम है, जो दिखाता है कि सरकार लोगों की सेहत और सम्मान की रक्षा करने के लिए गंभीर है।

रेनाटा राम ने कहा कि कई लोग पहले देसी इलाज अपनाते हैं या इसे नजरअंदाज करते रहते हैं।

सुडोकू 6960

			5				6	
	1	5						7
8			9			5		
			7		6	3	8	
4								2
	8	3	2		9			
		9			2			1
5						4	2	
	6				3			

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6960

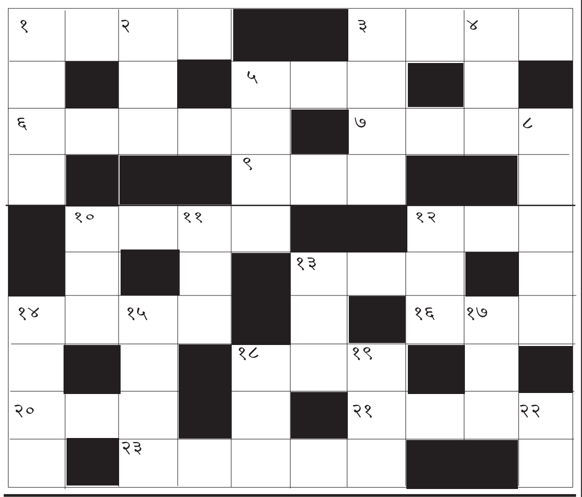

बायें से दायें:-

१. विवरण, ब्यौरा (उर्दू)
३. बदनामी. अपयश (उर्दू)
५. सुरबाला, देवकन्या
६. प्रतीक्षा करना (मुहावरा)
७. बड़ा हाथी, हाथियों का राजा
८. घटना, समाचार, अवसर
१०. शामिल
१२. डर, भय
१३. ज्यों का त्यों
१४. उलझन दूर होना
१६. युवा, जवान
१८. श्रीमान (उर्दू)
२०. किसी पत्र-पत्रिका का पिछला अंक
२१. असह्य, अप्रिय (उर्दू)
२३. ख्याति प्राप्त करना (मुहावरा)

ऊपर से नीचे:-

१. विवाद, बहस (उर्दू)
२. स्वभाव, गुण, शील, चरित्र(उर्दू)
३. निवृत्त होना, छुटकारा(उर्दू)
४. वधिक, कातिल
५. जो ढंका हुआ न हो, खुला
८. लोगों का हित. जनहित
१०. कामयाब
११. लिपिबद्ध करना
१२. बुलाया गया, निमंत्रित
१३. पीड़ा होना, टीसना
१४. सौभाग्यवती, सधवा
१५. आभास होना, दीप्तिवान होना
१७. अपमानित, निंदित (उर्दू)
१८. जन्मदाता,
१९. निर्माण करना, सुधारना
२२. इच्छा, खुशी, मर्जी(उर्दू)

वर्ग पहेली-6959

१ अ	प	२ न	य	३ न	■	४ अ	प	५ रा	न्ह
ना	■	य	■	६ र	क्त	प	■	ह	■
७ व	स	न	■	सं	■	८ का	लां	त	९ र
र्ती	■	ज	■	१० हा	जि	र	■	■	क्ष
■	११ गु	ल	१२ जा	र	■	■	१३ बा	ध	क
■	ना	■	हि	■	१४ ब	ह	रा	■	द
१५ बे	ह	१६ त	र	■	हु	■	१७ त	१८ र	ल
गु	■	र	■	१९ दौ	ल	२० त	■	ह	■
२१ ना	स्ति	क	■	रा	■	२२ रि	स	म	२३ य
ह	■	२४ श	ब	न	म	■	■	■	दि

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6960 का हल

3	9	4	5	7	1	2	6	8
6	1	5	3	2	8	9	4	7
8	2	7	9	6	4	5	1	3
9	5	2	7	1	6	3	8	4
4	7	6	8	3	5	1	9	2
1	8	3	2	4	9	6	7	5
7	4	9	6	5	2	8	3	1
5	3	8	1	9	7	4	2	6
2	6	1	4	8	3	7	5	9

दुनिया को जानें

मिस्र के पुरातत्वविदों ने की 2686-2181 ईसा पूर्व के तीन मकबरों की खोज

काहिरा, 30 जून (एजेंसियां)। मिस्र के पुरातत्वविदों ने असवान के पास कुब्बेत अल-हवा कब्रिस्तान में प्राचीन शिला निर्मित तीन मकबरों की खोज की है जो 2686-2181 ईसा पूर्व के समय के हैं। पर्यटन और पुरातत्व मंत्रालय ने शनिवार को अपने बयान में बताया कि यह खोज मौजूदा उत्खनन सत्र के दौरान साइट पर काम कर रही मिस्र की एक टीम ने की।

मिस्र की सर्वोच्च पुरावशेष परिषद (एससीए) के महासचिव मोहम्मद इस्माइल खालिद ने कहा कि कुछ मकबरों का पुन: उपयोग मध्य राज्य काल (2055-1650 ईसा पूर्व) में भी हुआ था। यह खोज दिखाती है कि कुब्बेत अल-हवा प्राचीन मिस्र के अलग-अलग युगों में एक महत्वपूर्ण कब्र स्थल रहा है तथा यह खोज पुराने राज्य और प्रथम मध्यकाल के बीच के बदलावों को समझने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि कुछ मकबरों पर कोई शिलालेख नहीं थे, लेकिन उनमें पारंपरिक दफन वास्तुकला और रीति-रिवाज देखे गए जो उस समय आर्थिक संसाधनों की कमी को दर्शा सकते हैं।

खेल जगत

चोट से कितना उबर चुके स्टीव स्मिथ, खुद दिया फिटनेस अपडेट

बारबाडोस, 30 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को ग्रेनेडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले फिट होने की उम्मीद है। स्मिथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में चोटिल हुए थे, जिससे उबरते हुए उन्होंने न्यूयॉर्क में फिर से बल्लेबाजी शुरू की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान कैच लेने की कोशिश में स्मिथ अपने दाहिने हाथ की छोटी उंगली को चोटिल करवा बैठे थे। उन्हें 'कम्पाउंड डिस्लोकेशन' का सामना करना पड़ा। हालांकि, 36 वर्षीय खिलाड़ी भाग्यशाली रहा कि उन्हें सर्जरी नहीं करवानी पड़ी। यह अनुभवी बल्लेबाज चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट में नहीं खेल सका था। स्टीव स्मिथ ने हाल ही में हाथ पर लगे टांके हटवाए हैं। वह रविवार को अपने साथियों के साथ जुड़ गए।

दूसरे टेस्ट में भारत का तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं कुलदीप यादव

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। भारत हेडिंग्ले, लीड्स में इंग्लैंड से पांच टेस्ट मैच की क्रिकेट सीरीज का पहला लगभग पहला टेस्ट पांच विकेट से हारने और जसप्रीत बुमराह के लोड मैनेजमेंट के चलते खेलने को ले संदेह के चलते भारत खासतौर पर अपने गेंदबाजी संयोजन को लेकर खासे असमंजस में नजर आ रहा है। भारत को अब एजबेस्टन में सीरीज के दूसरे मैच इंग्लैंड की बाज बॉल यानी शुरू से दे दनादन की रणनीति की काट के लिए ऐसा गेंदबाजी संयोजन चाहिए जो कि उसके दोनों पारियों में 20 विकेट चटका सके। बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव अपनी अलग शैली की गेंदबाजी के चलते एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत की तुरुप के इक्के साबित हो सकते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत कुलदीप यादव पर दांव लगा उन्हें एजबेस्टन में सीरीज के दूसरे टेस्ट में अपनी एकादश में शामिल करेगा। भारत में बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव का अपने घर में तो इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है लेकिन वह अब तक मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में कोई खास कमाल नहीं कर पाए है। भारत के लिए बुमराह ने पहले टेस्ट की पहली पारी में और प्रसिद्ध कृष्णा ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों को मिलाकर कुल पांच विकेट लिए लेकर वह बेहद महंगे साबित हुए। बुमराह को छोड़ कर भारत के मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध और शार्दुल ठाकुर सहित बाकी तीनों गेंदबाज बेदम साबित हुए और इसी के चलते इंग्लैंड ने आयोजित बाज बॉल के बूते दूसरी पारी में जीत के लिए 371 रन का लक्ष्य बेन डकेट के बड़े शतक के बूते मात्र विकेट खोकर हासिल कर जीत के साथ टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली ।

भारत के लिए बड़ी दिक्कत है यह रही कि उसने पहले टेस्ट में आधा दर्जन कैच टपकाने और शीर्ष क्रम में पांच शतकों के बावजूद निचले क्रम के ताश के पत्तों की तरह ढहने से उसे पहले टस्ट में दबदबे के बावजूद हार का वरण करना पड़ा। कुलदीप के एकादश में शामिल करने के लिए भारतीय टीम प्रबंधन के जेहन में यह बात भी रहेगी कि भारत के बाहर खासतौर पर इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में खेलने का उन्हें कोई खास अनुभव नहीं है। कुलदीप हालांकि 2018 में सिडनी में चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट चटका चुके हैं। वहीं 2018 में कुलदीप यादव ने इंग्लैंड में उसके खिलाफ लॉडर्स में जो इकलौता टेस्ट खेला था उसमें वह एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। कुलदीप यादव ने मेहमान इंग्लैंड के खिलाफ 2024मे अपने घर में टेस्ट सीरीज में 19 विकेट चटकाए थे और उसकी बाज बॉल की शैली पर अंकुश लगाया था। कुलदीप भी अपने आदर्श ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न की तरह कलाई के लेग स्पिनर हैं। वॉर्न इंग्लैंड के खिलाफ खासे कामयाब रहे और उनसे प्रेरणा ले भारत को एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में जीत दिला कर सीरीज में एक एक की बराबरी दिला सकते हैं।

ऑफ स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन के टेस्ट को अलविदा कहने के बाद रवींद्र जडेजा के बाद कुलदीप यादव भारत के दूसरे सबसे अनुभवी स्पिनर हैं। इंग्लैंड की बाज बॉल शैली का अपनी अलग शैली की लेग स्पिन के कारण कुलदीप यादव भारत के तुरुप के इक्के साबित हो सकते है। दिक्कत यह है कि भारत यदि कुलदीप यादव को एकादश में शामिल करता तो उसका निचला क्रम और कमजोर हो जाएगा। भारत कम से कम बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को बाहर उनकी जगह तो कुलदीप यादव को एकादश में शामिल नहीं करेगा? एजबेस्टन में मंगलवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट की पिच को इंग्लैंड में स्पिनरों की सबसे मुफीद बताया जा रहा है। भारत चाहे तो शार्दुल ठाकुर की जगह कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को एकादश में शामिल कर बड़ा दांव खेल सकता है। यदि बुमराह नहीं खेलते है तो बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होने और गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने के कौशल के चलते अर्शदीप सिंह उनका भारत की एकादश में सही विकल्प हो सकते हैं।

भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी चिंताजनक : ग्रेग चैपल

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट से मिली हार में निराशाजनक क्षेत्ररक्षण प्रदर्शन से कहीं अधिक, गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी उनके लिए चिंता का विषय रही। हेडिंग्ले में, बुमराह ने 43.4 ओवर में 5-140 के मैच आंकड़े दर्ज किए - जिसमें उनके सभी पांच विकेट पहली पारी में आए। यह बुमराह का मामला था जो किसी और से कहीं बेहतर था, क्योंकि अन्य तेज गेंदबाजों - शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा - ने 92 ओवर में 9-482 के आंकड़े संयुक्त रूप से हासिल किए थे। स्पिन-गेंदबाजी के लिए एकमात्र विकल्प रवींद्र जडेजा ने दोनों पारियों में 0-68 और 1-104 के आंकड़े दर्ज किए।

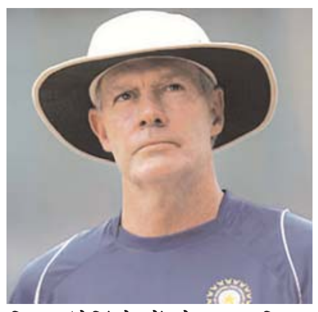

'हेडिंग्ले में क्षेत्ररक्षण जितना निराशाजनक था, यह भारत के टेस्ट हारने का मुख्य कारण नहीं था। भारत की अधिकांश समस्याएं खुद से ही उत्पन्न हुई थीं। शायद सबसे महंगी गलती नो-बॉल थी जिसने हैरी ब्रूक को दूसरी पारी में शुरुआती जीवनदान दिया।

चैपल ने सोमवार को अपने ईएसपीएनक्रिकइन्फो कॉलम में लिखा, 'हालांकि, मेरे लिए सबसे अधिक चिंता की बात गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी है। जसप्रीत बुमराह के अलावा, भारत के तेज गेंदबाज बहुत हद तक एक जैसे हैं - सभी दाएं हाथ के, मध्यम गति के, समान कोण पर गेंदबाजी करते हुए। गेंदबाजी में बदलाव के बाद अक्सर विकेट गिरने का एक कारण है। यह बल्लेबाज को फिर से तालमेल बिठाने के लिए मजबूर करता है। शुभमन गिल के पास मौजूदा दौर में वह विविधता नहीं है।' उन्हें यह भी लगता है कि अगर भारत को 2 जुलाई से एजबस्टन में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में वापसी करनी है, तो उन्हें बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिए और अपनी प्लेइंग इलेवन में बेहतर संतुलन बनाना चाहिए।

भारत बनाम इंग्लैंड: वो दो मौके, जब एक ही टेस्ट पारी में बने 700 प्लस रन

नई दिल्ली। भारत इंग्लैंड के बीच साल 1932 से अब तक कुल 137 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें दो बार पारी में 700 से ज्यादा रन बने। इनमें एक बार भारत ने यह कारनामा किया, तो एक बार इंग्लैंड ने पारी में 700 से ज्यादा रन बनाए। आइए, इन मुकाबलों के बारे में जानते हैं... 1) भारत (759/7 पारी घोषित): यह मुकाबला 16-20 दिसंबर 2016 के बीच चेन्नई में खेला गया था, जिसमें भारत ने अपनी पहली पारी 759/7 के स्कोर पर घोषित कर दी। टीम इंडिया को यहां तक पहुंचाने में करुण नायर की अहम भूमिका रही, जिन्होंने 381 गेंदों में 303 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान करुण नायर के बल्ले से चार छक्के और 32 चौके देखने को मिले। करुण नायर के अलावा केएल राहुल ने पारी में 199 रन बनाए। रविचंद्रन अश्विन (67) और रविंद्र जडेजा (51) ने टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। इंग्लैंड की पहली पारी 477 रन पर सिमटी थी। अगली पारी में उसे भारतीय गेंदबाजों ने महज 207 रन पर ढेर कर दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने मुकाबला पारी और 75 रन से अपने नाम कर लिया। 2) इंग्लैंड (710/7 पारी घोषित): यह मैच 10-13 अगस्त 2011 के बीच बर्मिंघम में खेला गया था, जिसे इंग्लैंड ने पारी और 242 रन से अपने नाम किया। टीम इंडिया को पहली पारी में 224 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी 710/7 के स्कोर पर घोषित की। इंग्लैंड की टीम को इस विशाल स्कोर तक पहुंचाने में एलेस्टेयर कुक का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 545 गेंदों का सामना करते हुए 294 रन बनाए। इस दौरान 33 चौके उनकी पारी में शामिल थे।

असाधारण प्रदर्शन करने के लिए सचिन तेंदुलकर से प्रेरणा लेता हूं : नीरज चोपड़ा

बेंगलुरु, 30 जून (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना करने के बावजूद असाधारण प्रदर्शन करने की भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे। हाल ही में पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट जीतने वाले नीरज, नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के उद्घाटन संस्करण के साथ इतिहास रच रहे हैं, जो विश्व एथलेटिक्स 'ए' श्रेणी की प्रतियोगिता है, जो भारत में होने वाली अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में किया जाएगा। स्टार्ट

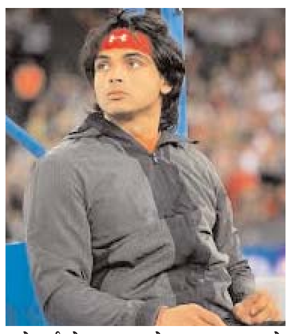

स्पोर्ट्स से बात करते हुए, जब उनसे पूछा गया कि भाला फेंकने के लिए वह किस क्रिकेटर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे, तो मौजूदा विश्व चैंपियन ने तेंदुलकर का नाम लिया।

चोपड़ा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने सालों तक हमारे देश का बहुत अच्छा प्रतिनिधित्व किया और हमारे लिए कई रिकॉर्ड बनाए। जिस तरह से उन्होंने कई महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना किया और फिर भी असाधारण प्रदर्शन किया - मैं भी वैसा ही करना चाहूंगा। इससे मुझे शांत मानसिकता के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।'

27 वर्षीय भाला फेंक स्टार ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ब्रेट ली, जो क्रिकेट में अपना नाम बनाने से पहले भाला फेंकते थे, और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भाला फेंकने में सक्षम होंगे। 'मैंने सुना है कि ब्रेट ली एक भाला फेंकने वाले थे। मुझे लगता है कि वह भाला अच्छी तरह से फेंक सकते थे, खासकर जब वह अपने चरम वर्षों में थे। मैं जसप्रीत बुमराह के साथ भी भाला फेंकना चाहूंगा और उम्मीद करता हूं कि वह मुझे कुछ गेंदबाजी कौशल सिखाएंगे। हालांकि गेंदबाजी और भाला फेंकना दोनों ही अलग-अलग हैं। मैं बुमराह से सीखना चाहूंगा।' चोपड़ा ने कहा कि भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का मशहूर 'हेलीकॉप्टर शॉट' शक्ति और तकनीक के मामले में भाला फेंकने जैसा है।

खेल के दौरान अंधविश्वासी होने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं अपने इवेंट के दिन शांत रहने की कोशिश करता हूं। मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देने पर ध्यान केंद्रित करता हूं।

क्लब विश्व कप: पीएसजी ने मेसी की मियामी को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

अटलांटा, 30 जून (एजेंसियां)। शुरू से अंत तक पूरी तरह से नियंत्रित मैच के बाद, पेरिस सेंट-जर्मेन ने इंटर मियामी सीएफ पर 4-0 की जबरदस्तजीत दर्ज की और फीफा क्लब विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। क्वारत्सखेलिया के पास के बाद बारकोला ने चौथे मिनट में पहला चेतावनी शॉट मारा, लेकिन उस्तारी ने उसे नकार दिया। सिर्फ दो मिनट बाद, बॉक्स के बाएं किनारे पर डूए द्वारा जीती गयी फ्री किक के बाद, विटिना ने एक क्रॉस मारा और जोआओ नेवेस ने अपना सिग्नेचर मूव निष्पादित किया, स्कोरिंग खोलने के लिए दूर पोस्ट पर एक बिल्कुल सही हेडर लगाया।

बारकोला के साथ एक शानदार वन-टू के बाद, हकीमी ने अपने शॉट को ब्लॉक होते देखा (21'), 20 मीटर से विटिना की स्ट्राइक को उस्तारी (21') ने रोका और बॉक्स के किनारे से क्वारात्शेलिया का रॉकेट शॉट सिर्फ कुछ इंच दूर (24') गया, जैसा कि रुइज के प्रयास (31') ने किया। इस

बीच, जॉर्जियाई विंगर को भी गोलकीपर (28') ने नजदीकी रेंज से नकार दिया।

आखिरकार रुइज-बारकोला की जोड़ी ने ही अंतर पैदा किया। इंटर के बॉक्स के पास गेंद जीतने के बाद, फ्रांसीसी खिलाड़ी ने स्पैनियार्ड को गेंद दी, जिसने क्षेत्र के किनारे पर नेवेस को पाया। पुर्तगाली मिडफील्डर ने शांति से गेंद को नेट में डाला और दो गोल (2-0, 39') हासिल किए। हकीमी ने डू को राइट विंग से भेजा, जिसने रुइज के लिए छह-यार्ड बॉक्स में क्रॉस किया।

सार संक्षेप

भारत के नेतृत्व में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय खो-खो दिवस

नई दिल्ली। भारत ने अंतरराष्ट्रीय खो-खो दिवस के वैश्विक उत्सवों की अगुवाई की, जहां इस पारंपरिक खेल की विरासत और इसके बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विस्तार को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। दिन की शुरुआत नई दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर मंतर से हुई, जहां सैकड़ों खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और छात्रों ने खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अधिकारियों के नेतृत्व में एक ऊर्जावान रैली निकाली। यह आयोजन उस दिन की शुरुआत का संकेत था, जिसे पारंपरिक भारतीय खेल खो-खो की एक वैश्विक आंदोलन में बदलती छवि को उजागर करने के लिए समर्पित किया गया था। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) द्वारा आयोजित इस उत्सव में एक मनोरंजक जादू शो और खेल के इतिहास, नियमों और विकास पर केंद्रित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी शामिल थी। इन आयोजनों ने समुदाय को एक उत्सवपूर्ण वातावरण में जोड़ा और साथ ही खो-खो की अंतरराष्ट्रीय प्रगति के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई। समारोहों के तहत राष्ट्रीय खो-खो दिवस भी मनाया गया, जिसमें राज्य संघों ने अपने-अपने राज्यों में विविध गतिविधियों का आयोजन किया। इस अवसर पर केकेएफआई और अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, 'मैं पूरी खो-खो बिरादरी को हार्दिक बधाई देता हूं। पिछले कुछ वर्षों में खो-खो हमारे देश की पहचान और गौरव का प्रतीक बनकर उभरा है। आज यह खेल 56 देशों में खेला जा रहा है, जो हम सभी के लिए अत्यंत गर्व की बात है।

अजहर महमूद को पाकिस्तान का कार्यवाहक रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त किया गया

लाहौर। पाकिस्तान द्वारा 225-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र शुरू करने से पहले, पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को टीम का कार्यवाहक रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त किया गया है और वह अपने मौजूदा अनुबंध के समापन तक इस पद पर काम करेंगे। पिछले साल के अंत में जेसन गिलेस्पी के पाकिस्तान के रेड-बॉल हेड कोच के पद से हटने के बाद, आकिब जावेद ने यह भूमिका संभाली थी। लेकिन 5 वर्षीय महमूद अब पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच और बाद में सहायक मुख्य कोच के रूप में लंबे समय तक काम करने के बाद इस पद पर आसीन हुए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'खेल के बारे में उनका गहरा ज्ञान, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और इंग्लिश काउंटी सर्किट में सिद्ध सफलता के साथ, उन्हें इस पद के लिए असाधारण रूप से उपयुक्त बनाता है। उनकी लाल गेंद की विरासत दो काउंटी चैंपियनशिप खिताबों से रेखांकित होती है - एक उपलब्धि जो उनके नेतृत्व, सामरिक कौशल और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के बारे में बहुत कुछ कहती है। पीसीबी को विश्वास है कि अजहर के मार्गदर्शन में, लाल गेंद की टीम वैश्विक मंच पर ताकत, अनुशासन और प्रदर्शन में आगे बढ़ती रहेगी।'

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन : आयुष ने जीता मेंस सिंगल्स खिताब, तन्वी उपविजेता

काउंसिल ब्लफ्स, 30 जून (एजेंसियां)। आयुष शेट्टी ने सोमवार को 'बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट' के फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को हराया। इसी के साथ आयुष ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अपना पहला खिताब जीत लिया है। यह मुकाबला मिड-अमेरिका सेंटर में खेला गया। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप-2023 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट आयुष ने 47 मिनट तक चले इस मुकाबले में विश्व के 33वें नंबर के खिलाड़ी यांग को 21-18, 21-13 से शिकस्त दी।

बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा, 'आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 जीतकर अपना पहला 'बीडब्ल्यूएफ सुपर 300' खिताब जीता। उन्होंने ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-13, 21-18 से हराया। इस दौरान उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक शानदार खेल दिखाया। यह एक शानदार जीत है, जिसने बैडमिंटन के शीर्ष खिलाड़ियों में उनकी जगह पक्की कर दी है। यह एक नए 'इंडियन पावरहाउस' के उदय का प्रतीक है।'

चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने टूर्नामेंट की शुरुआत डेनमार्क के वर्ल्ड नंबर 85 मैग्नस जोहानसन पर 21-17, 21-19 से जीत के साथ की। इससे पहले उन्होंने राउंड ऑफ-16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में आयुष ने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन पर 22-20, 21-9 से जीत दर्ज की थी।

डब्ल्यूसीएल 2025: ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस की टीम में ब्रेट ली, क्रिस लिन और शॉन मार्श

लंदन, 30 जून (एजेंसियां)। ब्रेट ली, क्रिस लिन और शॉन मार्श जैसे दिग्गज 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025' में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस का हिस्सा होंगे। यह टूर्नामेंट 18 जुलाई से 2 अगस्त के बीच यूके में खेला जाएगा। इस टीम में बेन कटिंग, मोइजेस हेनरिक्स, पीटर सिडल, नाथन कुल्टर-नाइल और डी 'आर्सी शॉर्ट शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी टीम में अनुभव, एथलेटिकिज्म और हौसले का एक आदर्श मिश्रण पेश करती है। ब्रेट ली ऑस्ट्रेलिया के चौथे सबसे सफल गेंदबाज हैं, जिन्होंने 76 टेस्ट मैचों में 310 विकेट लिए हैं। उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए साल 2010 की शुरुआत में टेस्ट से संन्यास ले लिया था। ब्रेट ली ने 221 वनडे में 380 विकेट चटकाए। इसके

अलावा उन्हें 25 टी20 मैचों में 28 विकेट हाथ लगे। उन्होंने अंततः जुलाई 2012 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस से जुड़ने पर ब्रेट ली ने कहा, 'डब्ल्यूसीएल का हिस्सा बनना शीर्ष स्तर के क्रिकेट के रोमांच को फिर से जीने का एक शानदार मौका है। अपने कुछ बेहतरीन साथियों के साथ फिर से ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना मेरे दिल के बहुत करीब है। हम मनोरंजन करने और विपक्षी टीम पर हावी होने के इरादे से आ रहे हैं।' ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस के मालिक पुनीत सिंह ने कहा, 'यह सिर्फ एक टीम नहीं है। यह एक स्टेटमेंट है। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को उन दिग्गजों के साथ बनाया गया है, जिन्होंने पीढ़ियों को परिभाषित किया है। ब्रेट, लिनी और कटिंग के नेतृत्व में हम डब्ल्यूसीएल में ऑस्ट्रेलियाई भावना को वापस ला रहे हैं। आतिशबाजी और जुनून की उम्मीद करें।' 'इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड' से स्वीकृत, वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स एक प्रमुख वैश्विक टी20 लीग है, जो क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित नामों को एक साथ लाती है। 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स' के संस्थापक और सीईओ हर्षित तोमर ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया हमेशा से विश्व क्रिकेट में एक ताकत रहा है।

हमारा जू. पुरुष हॉकी विश्व कप का पूल-बी खासा चुनौतीपूर्ण : श्रीजेश

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच पूर्व ओलंपियन पी आर श्रीजेश ने शनिवार को चेन्नई और मदुरै मे होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 के लुसाने में निकाले गए ड्रॉ में घोषित पूल की बाबत कहा, 'हमारा पूल बी पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड की मौजूदगी में खासा चुनौतीपूर्ण दिखाई देता है। मैं चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपना पूल बी मैच खासा रोचक रहने की उम्मीद करता हूं। सच तो यह असल जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप तो क्वार्टर फाइनल से ही शुरू होगा। हम मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे और एक समय मैच की बाबत सोच कर इसमें पूरे अंक हासिल कर क्वॉर्टर में सबसे बढ़िया स्थिति में हो सकते हैं। अब मौजूदा जूनियर विश्व कप नए विस्तृत प्रारूप के मुताबिक खेला जाएगा और इसमें पहले बार

■ चिर प्रतिद्वंद्वी पाक के खिलाफ मैच रोचक रहने की उम्मीद

सबसे ज्यादा 24 टीमें शिरकत करेंगी। हम इसी को जेहन में रख कर अपनी योजना बनाने के साथ तैयारी कर रहे हैं।' दो बार 2001 और 2016 के संस्करण का विजेता भारत पिछले जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पदक से चूक कर चौथे स्थान पर रहा था। मौजूदा चैंपियन जर्मनी ने अब तक सबसे ज्यादा सात बार एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप खिताब जीता है।

पिछले संस्करण में 16 टीमों ने शिरकत की थी और इस बार जूनियर विश्व कप में 24 टीमें खिताब के लिए टक्कर देंगी। शुरू में जूनियर विश्व कप में 12 टीमें होती थी और बाद में इसे बढ़ाकर 16 टीमों का कर दिया गया। अब जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 नए प्रारूप के मुताबिक होगा और इसमें शिरकत करने वाली 24 टीमों को चार चार टीमों के छह पूल ए,बी,सी, डी, ई एफ में बांटा गया है। हर पूल की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में स्थान पाएंगी। क्वार्टर फाइनल नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे। क्वार्टर फाइनल की विजेता सेमीफाइनल में पहुंचेगी। दोनों सेमीफाइनल की विजेता फाइनल में खेलेंगी। टीमों को उनके पूल में अर्जित अंकों के आधार पर स्थान दिया जाएगा और वे क्रॉसओवर मैचों में आगे बढ़ेगी हैं, जहां प्रत्येक पूल में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें अपनी अंतिम रैंकिंग निर्धारित करने के लिए क्रॉसओवर मैच खेलेंगी। क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर होनी वाली टीमें पांचवें से आठवें स्थान के लिए भिड़ेंगी और क्रॉसओवर में हारने वाली टीमें नौवें से 16 स्थान के लिए भिड़ेंगी। अपने पूल में एकदम नीचे रहने वाली टीमें 17 से 24 वें स्थान के लिए भिड़ेंगी।

एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में होने वाले हॉकी पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित है, क्योंकि उन्हें बाहर करने की मांग बढ़ रही है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर, राजगीर हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त से 9 सितंबर तक पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम की भागीदारी खतरे में है। टूर्नामेंट के लिए दो महीने से भी कम समय बचा है, हॉकी इंडिया अभी भी पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम के देश में आने के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

देश

उवाच

"बिहार की जनता अब राजद के बहकावे में नहीं आने वाली है। इन लोगों ने बिहार को बर्बाद कर दिया है। कोई भी राजद को वोट नहीं देने वाला है। अब तक यह लोग भाजपा का डर दिखाकर मुस्लिम समुदाय का वोट लेते रहे हैं, लेकिन अब मुस्लिम समुदाय के पास जन सुराज का विकल्प है।

-प्रशांत किशोर

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	3`	26`
मुंबई	29`	26`
कोलकाता	29`	27`
चेन्नई	35`	29`

सोचने-समझने की शक्ति का इस्तेमाल जीवों के कल्याण में करे मनुष्य : मुर्मु

■ भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों से किया संवाद

लखनऊ/बरेली, 30 जून (देशबन्धु)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी प्रजातियों के संरक्षण को जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने और समझने की शक्ति दी है उसका इस्तेमाल सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। मुर्मु ने सोमवार को बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के दीक्षांत समारोह में कहा कि मनुष्य का वनों और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व का रिश्ता है। कई प्रजातियों के या तो विलुप्त होने या विलुप्त होने के कगार पर पहुंचने का उल्लेख करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रजातियों का संरक्षण जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने और समझने की शक्ति दी है, उसका उपयोग सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। कोरोना महामारी ने मानव जाति को आगाह किया है कि उपभोग पर आधारित संस्कृति न केवल मानव जाति को बल्कि अन्य जीवों और पर्यावरण को भी अकल्पनीय नुकसान पहुंचा सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि 'ईशावास्यम् इदं सर्वम्' के जीवन मूल्य पर आधारित भारतीय संस्कृति सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति देखती है। देवताओं और ऋषियों द्वारा जानवरों से संवाद करने की मान्यता भी इसी सोच पर आधारित है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1889 में स्थापित इस संस्थान ने 135 वर्ष की यात्रा में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। राष्ट्रपति ने वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों और इस संस्थान नाम दर्ज अनेक पेटेंट्स, डिजाइन,

सभी प्रजातियों का संरक्षण जैव विविधता व पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण : द्रौपदी मुर्मु

कॉपीराइट्स चर्चा करते हुए कहा कि प्रिवेंशन इज बेटर देन क्योर कहावत पशुओं के स्वास्थ्य के लिए भी पूरी तरह से लागू होती है।

विद्यार्थियों को उपाधि व मेडल किए प्रदान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को उपाधि व मेडल भी प्रदान किए। राष्ट्रपति ने उपाधि व पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की बड़ी संख्या देखकर गर्व हो रहा है कि बेटियां अन्य क्षेत्र की तरह पशु चिकित्सा के क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं, यह शुभ संकेत है। बीमारियों के रोकथाम में टीकाकरण की अहम भूमिका है। इस संस्थान के लिए गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में अनेक टीके यहीं पर विकसित किए गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि आज पूरे विश्व में 'एक स्वास्थ्य' की अवधारणा को महत्व मिल रहा है। इसका मानना है मनुष्य, पालतू तथा जंगली जानवर, वनस्पतियां और व्यापक पर्यावरण सभी एक दूसरे पर निर्भर हैं। हमें पशु कल्याण के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक प्रमुख पशु चिकित्सा संस्थान के रूप में आईवीआरआई इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है खासकर जूनोटिक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण में। राष्ट्रपति ने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह प्रौद्योगिकी पशु चिकित्सा और उनकी देखभाल में भी क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से देश भर के पशु चिकित्सालयों को सशक्त बनाया जा सकता है।

पशुओं के लिए की स्वदेशी उपचार खोजने की अपील

राष्ट्रपति ने आईवीआरआई जैसे संस्थानों से पशुओं के लिए स्वदेशी और कम लागत वाले उपचार और पोषण खोजने की अपील की। उन्होंने कहा कि उन्हें उन दवाओं के विकल्प भी तलाशने चाहिए जिनके दुष्प्रभाव न केवल जानवरों बल्कि मनुष्यों और पर्यावरण को भी प्रभावित करते हैं। राष्ट्रपति ने मासूम और बेजुबान जानवरों के इलाज तथा कल्याण को अपना करियर चुनने के लिए आईवीआरआई के छात्रों की सराहना की। उन्होंने उन्हें सलाह दी कि अपने जीवन और करियर में किसी दुविधा की स्थिति में जानवरों के बारे में सोचें। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें सही रास्ता मिलेगा। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से उद्यमी बनने और पशु विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से वे न केवल जरूरतमंदों को रोजगार दे सकेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान दे सकेंगे।

हेमंत ने हूल क्रांति के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

रांची/नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन में एक संक्षिप्त समारोह में संथाल हूल क्रांति के शहीदों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर टुंडी इलाके के झामुमो के वरिष्ठ विधायक मथुरा महतो और गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन सहित कई लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 जून का दिन भारत के इतिहास में आदिवासी समाज के बलिदान और स्वतंत्रता की पहली चिंगारी के रूप में दर्ज है। वर्ष 1855 में शुरू हुई हूल क्रांति भारत की आज़ादी की नींव रखने वाला पहला जनविद्रोह था। यह

सिर्फ ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ाई नहीं थी, बल्कि जल, जंगल और जमीन के अधिकार की मांग भी थी। हमारे पूर्वजों ने विषम परिस्थितियों में देश की परिकल्पना की। ऐसे महापुरुषों को भुलाना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं है। सोरेन ने कहा कि संथाल हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और हजारों वीर शहीदों के संघर्ष और समर्पण के पदचिन्हों पर चलने वाले आदरणीय बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन अभी अस्वस्थ हैं। इस कारण मैं इस बार भोगनाडीह की क्रांतिकारी भूमि पर नहीं आ पाया। सोरेन ने कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, हूल दिवस हमारे लिए सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं है। हूल दिवस हमारे लिए संकल्प का दिन है, हूल हमारी ताकत है, हूल हमारी पहचान है।

जम्मू-कश्मीर में की गई नए राजनीतिक गठबंधन की घोषणा

■ जेकेपीसी व जेडीएफ ने एक साथ आने का किया फैसला

श्रीनगर, 30 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (जेकेपीसी) प्रमुख सज्जाद लोन, हकीम यासीन की अध्यक्षता वाले पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) और पिछले साल विधानसभा चुनाव लड़ने वाले जमात इस्लामी के एक धड़े 'जस्टिस डिपार्टमेंट फ्रंट (जेडीएफ) ने सोमवार को एक नए गठबंधन 'पीपुल्स अलायंस फॉर चेंज' (पीएसी) की घोषणा की। लोन ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नए गठबंधन 'पीएसी' की घोषणा की। इस दौरान तीनों दलों के शीर्ष नेता मौजूद थे। इस अवसर पर लोन ने कहा कि नया गठबंधन जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक बेहतर विकल्प पेश करता है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बहुत कष्ट सहे हैं, लेकिन हम बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। तीनों दलों ने इस ऐतिहासिक एकता में एक साथ आने का फैसला किया ताकि उम्मीद, जिम्मेदारी और परिवर्तन पर आधारित बदलाव की घोषणा की जा सके। इस बीच, गठबंधन घोषणापत्र के मुताबिक जेकेपीसी और जेडीएफ ने एक साथ आने और बदलाव के लिए काम करने का फैसला किया है। गठबंधन ने कहा कि वह अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35 ए और राज्य के दर्जे की बहाली में विश्वास करता है। गठबंधन इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सभी राजनीतिक साधनों का उपयोग करेगा। गठबंधन ने कहा कि कश्मीरियों को शक्तिहीन करने का सबसे बड़ा साधन जम्मू-कश्मीर में आरक्षण की व्यवस्था है। गठबंधन की घोषणा में कहा गया है आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था एक क्षेत्रीय मुद्दा है और यह कश्मीर के लोगों के साथ भेदभाव करती है। भर्ती विभागों द्वारा हाल ही में जारी की गई सभी सूचियाँ एक स्पष्ट चलन को उजागर करती हैं। 90 प्रतिशत नौकरियाँ जम्मू क्षेत्र में जाती हैं। अब तक इसे क्षेत्रीय मुद्दा कहने वाली एकमात्र पार्टी जेकेपीसी रही है।

सार संक्षेप

नासिक में पानी से भरे गड्ढे में मिले तीन बच्चों के शव

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक शहर के आडगांव इलाके के विडी कामगार नगर से लापता हुए तीन बच्चों के शव पानी से भरे बड़े गड्ढे में मिले हैं। तीनों बच्चे रविवार से लापता हैं। बच्चों की पहचान साईं गोरक्ष गरद (14), साईं केदारनाथ उगले (13) और साहिल हिलाल जाधव (14) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि रविवार को तीनों बच्चे लापता हो गए थे और इसके बाद उनके परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। हालांकि, उनका कहीं पता नहीं चला। आखिरकार आज सुबह तीनों बच्चों के कपड़े और जूते विडी कामगार नगर के पास एक निजी इमारत के निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे के पास मिले, जिससे आशंका जताई जा रही है कि नासिक के तीनों बच्चों की डूबने से मौत हुई होगी।

ममता बनर्जी ने हुल दिवस की दी बधाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को जनजातीय समुदायों को पवित्र 'हुल दिवस' के अवसर पर बधाई दी। बनर्जी ने जनजातीय समुदाय के लोगों को दिए संदेश में कहा कि हुल दिवस के अवसर पर मैं, अपने भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के उत्पीड़न के खिलाफ सिद्धो और कान्हो के नेतृत्व में संथालों का संघर्ष आज भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के पश्चिमी भाग में जंगलमहल क्षेत्र में स्थापित एक विश्वविद्यालय का नाम दो जनजातीय नायकों, सिद्धो और कान्हो के नाम पर रखा है।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

कुनिगल। कर्नाटक में कुनिगल जिले के कुनिगल बाईपास पर रविवार रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में 13 वर्षीय किशोर सहित एक परिवार के चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना तब हुई जब उनकी कार कथित तौर पर विपरीत दिशा से आते मिनी ट्रक से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक पीड़ितों की पहचान सीबे गौड़ा, उनकी पत्नी शोभा, बेटी दुम्बीश्री और बेटे भानुकिरण के रूप में हुई है।

बेइछुआ ने संभाला मिजोरम भाजपा अध्यक्ष का पदभार

ऐजल। विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. के बेइछुआ ने मिजोरम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर बेइछुआ के चुनाव की औपचारिक घोषणा भाजपा महिला मोर्चा प्रमुख एवं राज्य में पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के लिए राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर वनथी श्रीनिवासन ने की। प्रदेश मुख्यालय अटल भवन में आयोजित समारोह में सोमवार को उनके नाम की घोषणा की गई।

विधानसभाओं को तकनीकी दक्षता में की जाएगी पूरी मदद : ओम बिरला

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राज्य विधानसभाओं से कहा है कि विधायी कार्यों के लिए आधुनिक तकनीकी का भरपूर इस्तेमाल किया जाना चाहिए और इस काम में दक्षता हासिल करने के लिए जो भी जरूरी होगा उनकी मदद की जाएगी। बिरला ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-2 के वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सोमवार को कहा कि नई तकनीकी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण है और इस तरह की नयी तकनीकी का इस्तेमाल विधायी कार्यों में किया जाना चाहिए। राज्य विधानसभाओं को विश्वास दिलाते हुए उन्होंने कहा कि नवाचारों को अपनाने के लिए जितनी भी तकनीकी दक्षता की उन्हें आवश्यकता होगी, भारत की संसद यह सब उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि संसाधनों का प्रबंधन, लोकतंत्र की रक्षा और एआई आदि नवाचार को अपनाकर विधायिका को अधिक दक्ष बनाने की जरूरत है और इसके लिए जिस तरह की भी मदद की आवश्यकता होगी वह संसद की तरफ से उपलब्ध कराई जाएगी।

■ राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-2 के वार्षिक सम्मेलन का किया उद्घाटन

मौजूदा राजनीतिक माहौल लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं

■ जयपुर में आयोजित राजस्थान प्रगतिशील मंच कार्यक्रम को किया संबोधित

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में आरोप प्रत्यारोप का ऐसा दौर चल रहा है जिसमें राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति को भी घसीट लिया जाता है और यह भारतीय लोकतंत्र और संस्कृति से मेल नहीं खाता। धनखड़ ने राजस्थान के जयपुर में राज्य के पूर्व विधायकों के संगठन राजस्थान प्रगतिशील मंच के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश का मौजूदा राजनीतिक परिवेश भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति से भी मेल नहीं खाता है।

उन्होंने कहा, राजनीति में आप अलग-अलग दलों में हो सकते हैं और इसमें भी बदलाव होता रहता है। सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष में जाता रहता है और प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष में आता रहता है। पर इसका मतलब यह नहीं है कि दुश्मनी हो जाए। दरार पैदा हो जाए। दुश्मन सीमापार हो सकते हैं। देश में हमारा कोई दुश्मन नहीं हो सकता। उप राष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति का परिवेश असहनीय

राजनीति का परिवेश असहनीय हो रहा है बेलगाम होकर वक्तव्य दिए जा रहे हैं : जगदीप धनखड़

हो रहा है। बेलगाम होकर वक्तव्य दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल जब राज्य में होता है, तो उस पर आसानी से वार किया जा सकता है। राज्य की सरकार यदि केंद्र की सरकार के अनुरूप नहीं है तो आरोप लगना बहुत आसान हो जाता है। समय के साथ बदलाव आया और उपराष्ट्रपति भी इसमें जुड़ गया और राष्ट्रपति को भी इस दायरे में ले लिया गया है। उन्होंने कहा, यह चिंतन, चिंता और दर्शन का विषय है। ऐसा मेरी दृष्टि में होना उचित नहीं है। धनखड़ ने कहा कि प्रतिपक्ष का बहुत बड़ा योगदान रहता है और प्रतिपक्ष विरोधी पक्ष नहीं है। यह प्रजातंत्र में आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति हो, वाद-विवाद हो, संवाद हो। वैदिक तरीके से, जिसको अनंतवाद कहते हैं। अभिव्यक्ति बहुत महत्वपूर्ण है और प्रजातंत्र की जान है।

उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति कुंठित होती है या उस पर कोई प्रभाव डाला जाता है या अभिव्यक्ति इस स्तर पर पहुँच जाती है कि दूसरे के मत का कोई मतलब नहीं है, तो अभिव्यक्ति अपना अस्तित्व खो देती है। अभिव्यक्ति को सार्थक करने के लिए वाद-विवाद को जरूरी करार देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि दूसरे के मत को सुनना अभिव्यक्ति को ताकत देता है। उन्होंने आगे कहा कि कई बार हम आवेश में आकर प्रश्न उठा देते हैं जब चोट मुझे नहीं लगेगी तो मैं कहूंगा लड़ते रहो, लड़ाई जारी रखो, यह अखबार में पढ़ने की बातें नहीं हैं। बड़ा कष्ट होता है, अर्थव्यवस्था पर गहरी चोट लगती है और ऐसा क्यों। क्योंकि जो भारत आज से 11 साल पहले कहां था। हर कालखंड में महारथ हासिल की गई है, 50 के दशक में, 60 के दशक में, 70 के दशक में बड़े-बड़े काम हुए हैं। जब इस कालखंड की बात करते हैं तो इसका अर्थ कदापि नहीं निकाला जाए कि किसी और कालखंड से तुलना कर रहे हैं।

संवैधानिक पदों पर दबाव वाले बयान पर दिया जवाब

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत के संवैधानिक पदों पर दबाव वाले बयान पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं न दबाव में रहता हूं, न दबाव देता हूं, न दबाव में काम करता हूं, न दबाव में किसी से काम कराता हूं। जयपुर में 'स्नेह मिलन समारोह' के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, मुझे थोड़ी सी चिंता हुई, मेरे स्वास्थ्य की नहीं, मेरे मित्र पूर्व मुख्यमंत्री की, जिन्होंने कहा कि हम दबाव में हैं। राजस्थान की राजनीति में वह मेरे सबसे पुराने मित्र हैं और मेरे बड़े भारी शुभचिंतक भी हैं। मैं सार्वजनिक रूप से, क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है, वो चिंतामुक्त हो जाएं, मैं न दबाव में रहता हूं, न दबाव देता हूं, न दबाव में काम करता हूं, न दबाव में किसी से काम कराता हूं।

महाराष्ट्र विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन नेताओं ने किया शक्ति प्रदर्शन

■ विपक्ष ने झांझ मंजीरा लेकर अनोखे अंदाज में किया विरोध प्रदर्शन

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मानसून सत्र का पहला दिन हंगामेदार रहा है। विधानमंडल में मानसून सत्र के पहले दिन की शुरुआत प्रमुख राजनीतिक नेताओं की उपस्थिति में हुई। बारी-बारी से लगभग विधायकों ने विधानमंडल पहुंचकर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उसके बाद हंगामे के बीच मानसून सत्र का आगाज हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने पहले दिन अपना-अपना शक्ति प्रदर्शन करने की कोशिश की। महाविकास आघाड़ी के नेताओं ने विधान भवन की सीढ़ियों पर धरना दिया। विपक्ष ने झांझ मंजीरा लेकर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टर लेकर उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आरोप लगाया कि वह मराठी भाषा का अपमान कर रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उप-मुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ विधानसभा परिसर में छत्रपति शिवाजी को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मानसून सत्र 2025 की शुरुआत से पहले मुंबई के विधानभवन में छत्रपति शिवाजी महाराज को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और उनका आशीर्वाद लिया।

हिंदी भाषा की सख्ती को लेकर था आंदोलन : आदित्य ठाकरे

शिवसेना-यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने हिंदी विवाद पर कहा कि आंदोलन हिंदी भाषा की सख्ती को लेकर था। इस आंदोलन में सिर्फ विपक्षी नहीं, बल्कि पूरा महाराष्ट्र सड़कों पर उतरा था, इसलिए मुख्यमंत्री को अपना आदेश वापस लेना पड़ा। अभी तक हम लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

मणिपुर में दो उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इंफाल, 30 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों के दौरान दो सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया और एक शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय किया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि राज्य में सफल अभियानों की एक श्रृंखला में पहले अभियान में इम्फाल पूर्वी जिले के लामलाई पुलिस थानान्तर्गत नोंगपोक संजेनबाम खुल्लेन से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया है। एक अलग घटना में, बिष्णुपुर जिले के मोइरांग पुलिस थानान्तर्गत तेराखोंगशांगबी मानिंग लैथेल में लगाया गया 51 मिमी आईएलएलजी बम बरामद किया गया। सूचना मिलने पर बम निरोधक इकाई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विस्फोटक को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया, जिससे बड़ी घटना होने से टल गई। घटनास्थल से बरामद किए गए छर्रों को फोरेंसिक और आगे की जांच के लिए एकत्रित किया गया है। बाद में रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट/पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से संबद्ध एक अन्य उग्रवादी को गिरफ्तार किया।

कर्नाटक कांग्रेस विधायकों की टिप्पणी लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन : परमेश्वर

बेंगलुरु, 30 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने सोमवार को राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर पार्टी विधायकों के हाल में दिए गए सार्वजनिक बयानों को लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन करार देते हुए कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस समिति इस मामले की जांच कर सकती है। डॉ. परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, अब उन्होंने व्यक्तिगत रूप से अपनी राय व्यक्त की है।

कुछ हद तक मुझे नहीं लगता कि यह गलत है, लेकिन पार्टी ने एक लक्ष्मण रेखा खींची है और उससे आगे आपको नहीं जाना चाहिए। एआईसीसी संभवतः प्रभारी महासचिव के जरिए इस मामले पर विचार करेगी। नेतृत्व परिवर्तन के बारे में किसी समयसीमा अथवा औपचारिक निर्णय के बारे में पूछे जाने पर डॉ परमेश्वर ने किसी भी जानकारी से इनकार किया। उन्होंने कहा, अक्टूबर या सितंबर को भूल जाइए... मुझे इसके बारे में कुछ भी नहीं पता है। उन्होंने उन अफ़वाहों को भी खारिज किया जिसमें कहा गया जा रहा है कि सत्ता-साझाकरण समझौता पहले ही हो चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एआईसीसी महासचिव एवं पार्टी के कर्नाटक मामलों के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला का राज्य में लगातार दौरा जरुरी नहीं कि यह शासन या नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे से जुड़ा हो। उन्होंने कहा, वे विभिन्न पहलुओं को देखने के लिए कर्नाटक का दौरा करते रहते हैं।

■ एआईसीसी इस मामले पर कर सकती है विचार

कवायद | पवित्र अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षाबलों ने कसी कमर

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अतिरिक्त सैनिक तैनात

जम्मू, 3 जून (देशबन्धु)। दो जुलाई को अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से पहला जत्था रवाना होगा। ऐसे में सुरक्षाबल शिरकत करने आ रहे हजारों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के प्रति कोई ढील देने को राजी नहीं है। पहलगाम नरसंहार और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर से उपजे हालात को देखते हुए वह अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा की खातिर कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहते हैं क्योंकि मिलने वाली खबरें कहती हैं।

कि आतंकी अमरनाथ यात्रा को नुक्सान पहुंचाने की कोशिशें कर सकते हैं। याद रहे वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है, इसलिए तीर्थयात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि विशेष रूप से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य महत्वपूर्ण सड़क संपर्क मार्गों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था पूरी कर ली गई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि महत्वपूर्ण जंक्शनों पर अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की गई है, जबकि यातायात को नियंत्रित करने और आवाजाही पर नजर रखने के लिए हाईवे पर कई चौकियां स्थापित की गई हैं। अधिकारी का कहना था कि राजमार्ग और महत्वपूर्ण चौराहों पर सैनिकों की तैनाती पूरी कर ली गई है।

■ अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से कल रवान होगा पहला जत्था

मार्ग के प्रमुख बिंदुओं पर तलाशी बढ़ा दी गई है। निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जानकारी के लिए इस वर्ष एक उल्लेखनीय कदम के रूप में, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ, आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अमरनाथ गुफा के करीब तैनात की जाएगी। तीर्थयात्रा मार्ग और आधार शिविरों पर ड्रोन गतिविधि की निगरानी के लिए विशेष टीमों को भी नियुक्त किया गया है। यही नहीं चौबीसों घंटे गश्त की जाएगी। दिन में सुरक्षा कर्मियों द्वारा और रात में 360 डिग्री कैमरा लगे मोबाइल बंकर वाहनों के माध्यम से। अधिकारी का कहना था कि किसी भी तीर्थयात्री वाहन को नागरिक यातायात के साथ मिलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तीर्थयात्रियों के काफिले का समय तय होगा और बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर अर्धसैनिक बलों द्वारा उनकी सुरक्षा की जाएगी। यात्रा काफिले की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए डॉग स्क्वॉड, काउंटर-आईईडी उपकरण, वाहन मरम्मत इकाइयां और रिकवरी टीमें भी तैनात की गई हैं। सेना के हेलीकॉप्टर और ड्रोन लगातार क्षेत्र की निगरानी के लिए हवाई निगरानी करेंगे। उधमपुर में सीआरपीएफ की 137 बटालियन के कमांडेंट रमेश कुमार ने पत्रकारों को बताया था कि राजमार्ग के किनारे विभिन्न बिंदुओं पर विशेष डॉग स्क्वॉड तैनात किए गए हैं।

उनका कहना था कि हम तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यहां हैं। डरने की कोई बात नहीं है। हमारी टीमें सतर्क और तैयार हैं। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के डीजीपी ने अधिकारियों को सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करने का निर्देश दिया था, खासकर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे कमजोर बिंदुओं पर।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में कोयला उद्योग की भूमिका अहम-कोयला राज्यमंत्री

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आज एसईसीएल के दीपका मेगाप्रोजेक्ट का दौरा किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि,आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में कोयला उद्योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोल सेक्टर ने अभूतपूर्व प्रगति की है। कभी जहां देश में कोयले की कमी की चर्चा होती थी, आज वहां बिजली संयंत्रों के पास पर्याप्?त कोयला भंडार है और ऊर्जा उत्पादन निर्बाध चल रहा है। कोयला उत्पादन के साथ-साथ हरित खनन और पर्यावरण-संवेदनशीलता पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। कोल इंडिया क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में भी सक्रियता से कार्य कर रहा है। देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में एसईसीएल की भूमिका अत्यंत सराहनीय है, जो ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी है। एसईसीएल की धड़कन जैसी मानवीय पहल इसका प्रमाण है।

आज रायपुर पहुंचने पर कोयला राज्य मंत्री श्री दुबे ने सबसे पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट कर राज्य में कोयला परियोजनाओं के विस्तार के लिए भू-अधिग्रहण एवं विस्थापन प्रक्रियाओं को तीव्र गति देने हेतु आवश्यक सहयोग पर चर्चा की।

एसईसीएल दीपका क्षेत्र पहुँचने पर मंत्री ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत प्रगति हाउस में वृक्षारोपण किया। इसके पश्चात दीपका क्षेत्र में प्रस्तावित प्रवेश द्वार एवं सिक्योरिटी कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास भी उनके करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

दीपका व्यू पॉइंट पर पहुंचकर श्री दुबे ने खदान के उत्पादन, उत्पादकता और कार्यसंचालन की समीक्षा की तथा अधिकारियों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की। दीपका मेगाप्रोजेक्ट के संबंध में एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मंत्री महोदय को परियोजना की प्रगति, उत्पादन क्षमता एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी गई।

तत्पश्चात, मंत्रीजी ने क्षेत्र में कार्यरत उत्कृष्ट महिला कर्मियों सहित कई कर्मचारियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मंत्री श्री दुबे ठेकेदारी श्रमिकों के कैंप भी गए। उन्होने वहां रह रहे श्रमिकों से संवाद कर उनका हालचाल जाना और उनकी सुविधाओं की स्थिति जानी।

दौरे के दौरान एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन, निदेशक (तकनीकी संचालन सह योजना/परियोजना) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (एचआर) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार, सीवीओ हिमांशु जैन, दीपका क्षेत्रीय महाप्रबंधक संजय कुमार मिश्रा एवं वरिष्ठ अधिकारीगण साथ रहे।

संबलपुर स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण 10 ट्रेनों का परिचालन परिवर्तित मार्ग से

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के सभी कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी संदर्भ में अधोसंरचना विकास हेतु पूर्वी तटीय रेलवे के सम्बलपुर स्टेशन में लोको रिवर्सल लाइन और सैलून साइडिंग पर चल रहे यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य के कारण कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन किया गया है। यह कार्य प्रगति पर है, इस कार्य को आगे 01 जुलाई से 31 अगस्त 2025 तक बढ़ाया गया है। इस कार्य के फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबंधित कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा। इस कार्य के पूर्ण होते ही गाडियों के परिचालन में गतिशीलता आयेगी। परिवर्तित मार्ग सरला जंक्शन एवं सम्बलपुर सिटी होकर चलेगी।

02, 05, 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 जुलाई 2025 एवं 02, 06, 09, 13, 16, 20, 23, 27, 30 अगस्त 2025 को लोकमान्य तिलक टर्मिनल से चलने वाली गाड़ी संख्या 12879 लोकमान्य तिलक टर्मिनल - भुवनेश्वर एक्सप्रेस व्हाया सरला जंक्शन एवं सम्बलपुर सिटी होकर चलेगी।

03, 07, 10, 14, 17, 21, 24, 28, 31 जुलाई 2025 एवं 04, 07, 11, 14, 18, 21, 25, 28 अगस्त 2025 को भुवनेश्वर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12880 भुवनेश्वर - लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस व्हाया सम्बलपुर सिटी एवं सरला जंक्शन होकर चलेगी।

03, 10, 17, 24, 31 जुलाई 2025 एवं 07, 14, 21, 28 अगस्त 2025 को लोकमान्य तिलक टर्मिनल से चलने वाली गाड़ी संख्या 12865 लोकमान्य तिलक टर्मिनल ङ्क पुरी एक्सप्रेस व्हाया सरला जंक्शन एवं सम्बलपुर सिटी होकर चलेगी।

01, 08, 15, 22, 29 जुलाई 2025 एवं 05, 12, 19, 26 अगस्त 2025 को पुरी से चलने वाली गाड़ी संख्या 22866 पुरी- लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस व्हाया सम्बलपुर सिटी एवं सरला जंक्शन होकर चलेगी।

06, 13, 20, 27 जुलाई 2025 एवं 03, 10, 17, 24, 31 अगस्त 2025 को लालगढ़ से चलने वाली गाड़ी संख्या 20471लालगढ़ - पुरी एक्सप्रेस व्हाया सरला जंक्शन एवं सम्बलपुर सिटी होकर चलेगी।

02, 09, 16, 23, 30 जुलाई 2025 एवं 06, 13, 20, 27 अगस्त 2025 को पुरी से चलने वाली गाड़ी संख्या 20472 पुरी ङ्क लालगढ़ एक्सप्रेस व्हाया सम्बलपुर सिटी एवं सरला जंक्शन होकर चलेगी।

02, 09, 16, 23, 30 जुलाई 2025 एवं 06, 13, 20, 27 अगस्त 2025 को पुरी से चलने वाली गाड़ी संख्या 20813 पुरी ङ्क जोधपुर एक्सप्रेस व्हाया सम्बलपुर सिटी एवं सरला जंक्शन होकर चलेगी।

05, 12, 19, 26 जुलाई 2025 एवं 02, 09, 16, 23, 30 अगस्त 2025 को जोधपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 20814 जोधपुर - पुरी एक्सप्रेस व्हाया सरला जंक्शन एवं सम्बलपुर सिटी होकर चलेगी।

01, 04, 05, 08, 11, 12,15, 18, 19, 22, 25, 26, 29 जुलाई 2025 एवं 01,02, 05, 08, 09, 12, 15, 16, 19, 22, 23, 26, 29, 30 अगस्त 2025 को विशाखापत्तनम से चलने वाली गाड़ी संख्या 20807 विशाखापत्तनम - अमृतसर हीराकुंड एक्सप्रेस व्हाया सम्बलपुर सिटी एवं सरला जंक्शन होकर चलेगी।

02, 05, 06, 09, 12, 13, 16, 19, 20, 23, 26, 27, 30 जुलाई 2025 एवं 02, 03, 06, 09, 10, 13, 16, 17, 20, 23, 24, 27, 30, 31 अगस्त 2025 को अमृतसर से चलने वाली गाड़ी संख्या 20808 अमृतसर - विशाखापत्तनम हीराकुंड एक्सप्रेस व्हाया सरला जंक्शन एवं सम्बलपुर सिटी होकर चलेगी।

अनूठी कृति है गायत्री परिवार में मेरे पचास वर्ष-डॉ. पाठक

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। गायत्री शक्ति पीठ विनोबा नगर द्वारा सुप्रसिद्ध साधक कवि राम कुमार श्रीवास की कृति गायत्री परिवार में मेरे पचास वर्ष का विमोचन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राम निहोरा राजपूत, एम डी मानिकपुरी, एवं राम कुमार श्रीवास द्वारा भक्तिपूर्ण गीतों की संगीतमय प्रस्तुति दी गई।

यह आयोजन डॉ विनय कुमार पाठक पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज भाषा आयोग एवं कुलपति थावे विद्यापीठ गोपालगंज बिहार के मुख्य आतिथ्य में श्री हेमराज वैश्य मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी शक्तिपीठ बिलासपुर की अध्यक्षता एवं डॉ बृजेश सिंह वरिष्ठ साहित्यकार, डॉ अरूण कुमार यदु समीक्षक, एवं डॉ राघवेन्द्र कुमार दुबे राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रयास प्रकाशन साहित्य अकादमी के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर डॉ विनय कुमार पाठक ने कहा कि राम कुमार श्रीवास की इस कृति में प्रशंसा नहीं है बल्कि सफलता के सूत्र सन्निहित हैं। जो व्यक्ति जैसा होगा,उसी मानसिकता में उसका आकलन करेगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रस्तुत कृति सरल सहज और सुबोध भाषा में सृजित है जिससे सामान्य पाठक भी उनके पचास वर्षों की आध्यात्मिक यात्रा से सुपरिचित हो सकें। लेखक को इस सद्प्रयास के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं।

इस अवसर पर डॉ बृजेश सिंह ने कहा कि यह कृति अनेक गायत्री साधकों के लिए प्रेरणा का स्रोत प्रमाणित होगी तथा दिशा प्रदान करेगी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री त्रिलोक श्रीवास ने बधाई देते हुए उनकी कृति को उल्लेखनीय और अभिनंदनीय कृति मानते हुए बधाई दी। डॉ अरूण कुमार यदु ने कृति की समीक्षा की वहीं डॉ राघवेन्द्र कुमार दुबे ने इस प्रेरक कृति के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

अध्यक्षीय उदबोधन में हेमराज वैश्य ने राम कुमार श्रीवास जी की इस चौथी कृति के प्रकाशन और विमोचन के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके स्वस्थ सुखी जीवन की कामना की।

इस अवसर पर डॉ विवेक तिवारी, अंजनी कुमार तिवारी सुधाकर, राजेश सोनार, सरस्वती सोनी,आशीष श्रीवास, डॉ मंतराम यादव,शत्रुघन जैसवानी, राम निहोरा राजपूत, एम डी मानिकपुरी, आदि साहित्यकार एवं गायत्री परिवार के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन शीतल प्रसाद पाटनवार ने किया एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती नंदिनी पाटनवार ने किया।

रायपुर रेलवे मंडल क्षेत्राधिकार सांसदों के साथ आज महाप्रबंधक की यात्री सुविधाओं तथा रेल विकास से संबन्धित कार्यों पर हुई चर्चा

बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले संसदीय क्षेत्रों के सांसदों की बैठक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के साथ आज 30 जून को आयोजित की गई। प्रथम तल सभागार मंडल कार्यालय रायपुर में आयोजित यह बैठक सौहाद्रपूर्ण तथा सहयोगात्मक माहौल में बृजमोहन अग्रवाल, सांसद रायपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

इस बैठक में बृजमोहन अग्रवाल सांसद / रायपुर लोकसभा, विजय बघेल - सांसद/ दुर्ग लोकसभा, भोजराज नाग-सांसद/ कांकेर लोकसभा, महेश कश्यप-सांसद/ बस्तर लोकसभा, श्रीमती रूपकुमारी चौधरी - सांसद/ महासमुन्द लोकसभा, श्रीमती रंजीत रंजन-सांसद/राज्य सभा सहित सांसदों के प्रतिनिधि-अरुण सिंह चौहान (तोखन साहू राज्यमंत्री / आवास एवं शहरी मंत्रालय भारत सरकार), सद्दाम सोलंकी (श्रीमती फूलोदेवी नेताम-सांसद/ राज्यसभा), एवं मंडल रेल प्रबंधक रायपुर दयानंद, मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, तरुण प्रकाश ने उपस्थित सांसदों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के मार्गदर्शन और बहुमूल्य सुझाव का लाभ हमें अपनी सेवाओं को बेहतर करने में मिलेगा। बैठक में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उपलब्धियों, यात्री सुविधाओं तथा विकासात्मक कार्यों का ब्यौरा माननीय सांसदों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में श्री दयानंद, मंडल रेल

प्रबंधक ने रायपुर मंडल में यात्री सुविधाओं से संबन्धित किए जा रहे कार्य, आधारभूतसंरचना का विकास, अमृत भारत स्टेशनों पर जारी विकास कार्यों, गाड़ियों का क्षमता आवर्धन, वरिष्ठ व दिव्यांगजनों एवं महिलाओं के लिए उपलब्ध विशेष सुविधाएं जैसे अक्षिता सेफ बबल,मेरी सहेली अभियान आदि का विशेष उल्लेख करते हुए स्वच्छता अभियान, रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139, यात्री, संरक्षा, सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण आदि की विस्तृत जानकारी पॉवर पॉइंट के माध्यम से दी।

रेलवे मंडल में हो रहे विकास कार्यों और उपलब्ध यात्री सुविधाओं को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लेने वाले माननीय सांसदों ने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित जन सरोकारों के मुद्दे उठाते हुए स्थानीय स्तर की समस्याओं और जनता की आकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं के अनुरूप रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं, ट्रेनों की समयबद्धता, नई रेल सेवाओं की शुरुआत, मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन, ट्रेनों के ठहराव एवं विस्तार सहित स्टेशन पर उपलब्ध गुड्स शेड को स्थानांतरित कर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का विकास करने व अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

महाप्रबंधक ने सभी सांसदों को अपने-अपने क्षेत्र की जनता की आकांक्षाएं एवं अपेक्षाओं से रेल प्रशासन को अवगत कराने एवं विकासात्मक सुझाव देने के लिए धन्यवाद दिया। महाप्रबंधक ने बैठक में उठाए गए मुद्दों तथा सुझावों को नियमानुसार प्राथमिकता के साथ पूरा करने के प्रयास के प्रति आश्वस्त किया।

बैठक के अंत में उप महाप्रबंधक (सामान्य) समीर कान्त माथुर ने सुझाव देने तथा बैठक को सफल बनाने हेतु सभी सांसदों एवं सांसद प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

जून माह में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 52 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत् 52 रेल परिवार के सदस्य माह जून 2025 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त सेवानिवृत्त हुये।

मंडल कार्मिक सभाकक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई। इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी रुहिना तुफैल खान के करकमलों से सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज, सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया 7 इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारीगण उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 52 रेल परिवार के सदस्यों में परिचालन विभाग से 14, इंजीनियरिंग विभाग से 10, विद्युत विभाग से 11, यांत्रिक विभाग से 03, चिकित्सा विभाग से 03, कार्मिक विभाग से 01, सिग्नल व दूरसंचार से 04 तथा वाणिज्य विभाग से 06 कर्मचारी शामिल हैं।

इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी रुहिना तुफैल खान ने रेलवे प्रशासन की ओर से सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी। मंडल रेल प्रशासन अपने समर्पित कर्मचारियों की दीर्घकालिक सेवा को ससम्मान याद रखते हुये उनके जीवन की नई चरण के लिए शुभकामनायें प्रेषित करता है।

आरपीएफ ने एक साल में ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत 3 करोड़ 86 लाख से अधिक मूल्य का भूलवश छोड़े हुआ सामान यात्रियों को वापस लौटाया

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)।भारतीय रेल में रोजाना करोड़ों लोग सफर करते हैं और अपने गंतव्य पर पहुंचते हैं। यह सभी वर्गों के यात्रियों का ध्यान रखते हुए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करती है। इस कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को सुविधाजनक, आरामदायक और सुरक्षित रेल सेवाएं देने के लिए सभी जरूरी कदम उठाती है। यात्रा के दौरान यात्री अपने सामान के साथ यात्रा करते हैं लेकिन कई बार या तो वे अपना सामान ट्रेन अपने सीट पर ही भूल जाते हैं या कई बार उनका सामान गुम हो जाता है। स्टेशन पर ट्रेन रूकते ही यात्री सबसे पहले अपने परिवार के लोगों को चढ़ाते या उतारते है। इसके बाद सामान को रखने की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं, लेकिन जल्दबाजी में उनका कुछ सामान कभी-कभी ट्रेन या प्लेटफार्म पर छूट जाता है। इन समस्याओं के निवारण हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 'आपरेशन अमानत' के तहत रेलवे सुरक्षा बल दिन-रात पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है।

रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के तीनों मंडलों (बिलासपुर, रायपुर, नागपुर) द्वारा यात्री ट्रेनों और स्टेशनों में भूलवश छोड़े गए सामानों को ''ऑपरेशन अमानत'' के तहत रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा यात्रियों को सुपुर्द किया जाता है। रेलवे सुरक्षा बल को रेल मदद, ट्वीटर या अन्य माध्यमों से रेल यात्रियों के भूलवश छूटे सामानों की जानकारी सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को मिलती है, सुरक्षा नियंत्रण कक्ष में तैनात स्टाफ के द्वारा यात्रियों के दिए गए मोबाईल से संपर्क कर उनके ट्रेन नम्बर, कोच नम्बर या स्टेशनों की जानकारी प्राप्त कर अगले आने वाले रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट को सूचित किया जाता है, संबधित रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट द्वारा यात्री के द्वारा बताए अनुसार कोच/स्थान में पहुंचकर उनके छुटे हुए सामान को प्राप्त कर यात्री को सूचित किया जाता है और यात्री रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट में पहुच कर अपने कीमती सामान को प्राप्त करता है। यात्रियों द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के इस सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा एवं धन्यवाद दिया जाता है। रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के द्वारा ''ऑपरेशन अमानत'' के तहत वर्ष-2024 एवं वर्ष- 27 जून, 2025 तक में जो कार्य किया गया है उसका विवरण इस प्रकार है-

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में इस वित्तीय वर्ष (अप्रैल-24 से मार्च-25 तक) रेल के सुरक्षा बल ने 'ऑपरेशन अमानत' के तहत 1221 यात्रियों को 02 करोड़ 83 लाख 07 हज़ार 839 रुपये मूल्य एवं अप्रैल-25 से 27 जून -25 तक) रेल के सुरक्षा बल ने 'ऑपरेशन अमानत' के तहत 556 यात्रियों को 01 करोड़ 02 लाख 36 हजार 839 रुपये सहित कुल 3 करोड़ 86 लाख 07 हजार 678 रुपये मूल्य के गुम हुये सामानों को वापस लौटाया है। इसके अंतर्गत बिलासपुर डिविजन में 723 यात्रियों को 01 करोड़ 56 लाख 26 हज़ार 345 रुपये का, रायपुर डिविजन में 615 यात्रियों को 01 करोड़ 31 लाख 12 हज़ार 439 रुपये का तथा नागपुर डिविजन में 439 यात्रियों को 98 लाख 68 हज़ार 894 रुपये का छूटा हुआ सामान वापस लौटाया है।

इसके अलावा रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा रेल मदद के माध्यम से ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों जो किसी कारणवश अपने घर वालो का फ़ोन नहीं उठा पाते है जिसके वजह से उनके परिजन परेशान हो जाते है इस तरह के पिछले 02 वर्षो में 1,243 शिकायतों को रेल मदद के माध्यम से निपटारा किए गया है और यात्रियों को मदद पहुचाया गया है ङ्क

भारतीय रेल यात्रियों की सुरक्षा, उनके सामानों की रक्षा एवं रेलवे सम्पत्तियों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रेलवे सुरक्षा बल चौबीसों घंटे तत्परता के साथ कार्य कर रही है ताकि यात्रियों को सुरक्षित, निर्बाध और सुगम यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके। रेल प्रशासन यात्रियों से भी अपील करता है कि वे यात्रा के दौरान अपने सामान, कीमती वस्तुओं तथा व्यक्तिगत सामान की स्वयं भी सतर्कता से निगरानी करें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत रेलवे कर्मचारियों या आरपीएफ को दें।

पति ने टोका तो युवक ने कर दी पिटाई

बिलासपुर, 30 जून (देशबन्धु)। युवक ने पहले एक महिला को पैसे का लालच देकर अपने साथ घूमने चलने को कहा। जब महिला के पति ने इस बात का विरोध किया तो युवक ने उसकी पिटाई कर दी। घायल महिला ने इसकी शिकायत तोरवा थाने में की है।

देशबन्धु
पाठकों के लिए सूचना
माह जून 2025 का अखबार बिल

दिन	दर	रू. पै.
30 दिन	4.00	120.00
कुल 30 दिन		रू. 120.00

कृपया अपने अभिकर्ता को उपरोक्तानुसार बिल का भुगतान 7 ता. तक करने का कष्ट करें।
प्रसार व्यवस्थापक

NECC

01.07.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	576	80	165
चिल्हर	7.00	100	190
डिलीवरी	590 सैकड़ा		

दर्जन अंडा 80 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 फोन- 07752 422771